राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 311
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
सोमवार 23 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 मोदी सरकार निगमों में भाजपा के 15 साल के कुशासन से पैदा भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए एमसीडी को फण्ड मुहैया करे : चौ. अनिल कुमार

पेज 5 कचहरी के सामने गरजा बुलडोजर, विरोध करने वाले वकील हिरासत में

पेज 7 सर्कल में बाकी खिलाड़ी आश्वस्त नहीं थे, इसलिये रिव्यू नहीं लिया : डेविड के विकेट पर पंत

नहीं बचा बोरवेल में फंसा 6 साल का ऋतिक

होशियारपुर। पंजाब में होशियारपुर जिले के गढ़दीवाला एरिया के बैरमपुर चंबोवाल गांव में 80 फुट गहरे बोरवेल में गिरे ऋतिक को नहीं बचाया जा सका। सेना और NDRF ने 8 घंटे बाद 6 साल के मासूम को बोरवेल से बाहर निकाला। नाजुक हालत को देखते हुए बच्चे को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पीड़ित परिवार को दो लाख रुपये फौरी राहत देने के जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं। सीएम मान ने ट्वीट कर पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान पीड़ित परिवार को दुख की इस घड़ी को सहन करने की शक्ति दे।

एक घंटा पहले ही हो चुकी थी मौत

चिकित्सकों ने कहा कि ऋतिक की मौत बोरवेल से बाहर निकालने से करीब एक घंटा पहले ही हो चुकी थी। उसकी बॉडी अकड़ चुकी थी। बच्चे को अंबुबैग से सांस देने की भी कोशिश की गई। इंजेक्शन भी लगाए, लेकिन शरीर में कोई हरकत नहीं हुई। इसके बाद ऋतिक को मृत घोषित कर दिया गया।

यूपी : सिद्धार्थनगर में भीषण सड़क हादसा, 8 की मौत

मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए देगी केन्द्र सरकार, योगी ने जताया दुख

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के जोगिया कोतवाली क्षेत्र में देर रात सड़क हादसा हो गया। बारातियों से भरी बोलेरो ने खराब खड़े ट्रेलर में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 8 बारातियों की मौत हो गई, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल हो गए। उनमें से 2 को जिला अस्पताल के ट्रामा में भर्ती कराया गया है और एक का प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

बोलेरो इतनी स्पीड में थी और टक्कर इतनी जोरदार हुई कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। बताया जा रहा है कि बारात महला गांव गई थी। शनिवार को देर रात 1.30 बजे के आसपास बाराती वापस घर आ रहे थे। पीएम और मुख्यमंत्री ने सड़क हादसे में लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया।

बारात से वापस आते समय हुआ हादसा

शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के महला गांव से शनिवार को बांसी कोतवाली क्षेत्र एक गांव में बारात गई थी। देर रात लगभग 1:00 से 1:30 बजे के बीच बाराती बोलेरो में सवार होकर घर लौट रहे थे। टक्कर की तेज आवाज सुनकर स्थानीय निवासी मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत ही पुलिस को सूचना दी।

हादसे में महला गांव निवासी सचिन पाल (10 वर्ष) पुत्र कृपानाथ पाल, मुकेश पाल (35 वर्ष) पुत्र विभूती पाल, लाला पासवान (26 वर्ष), शिवसागर यादव (18 वर्ष) पुत्र प्रभु यादव, रवि पासवान (19 वर्ष) पुत्र राजाराम, पिंटू गुप्त (25 वर्ष) पुत्र शिवपूजन गुप्त, और चिल्हिया थाना क्षेत्र के खम्हरिया गांव निवासी गौरव मौर्य की मौत हो गई। जबकि महला गांव निवासी राम भरत पासवान उर्फ शिव (48 वर्ष), सुरेश उर्फ चीनक (40 वर्ष), विक्की पासवान (18 वर्ष), शुभम (20 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हैं।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और चारों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने राम भरत व सुरेश उर्फ चीनक की हालत गंभीर देख बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। जहां रामभरत की मौत हो गई। वहीं विक्की व शुभम का इलाज जिला अस्पताल के आईसीयू वार्ड में चल रहा है। सुरेश के पैर की हड्डी टूटने पर प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पीएम और सीएम ने जताया दुख

हादसे में जान गंवाने वाले परिजनों को पीएम मोदी ने संवेदना व्यक्त की है। पीएमओ ने ट्वीट कर लिखा, सिद्धार्थनगर में हुआ सड़क हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मृतक के परिजनों को 2 लाख और घायलों के इलाज के लिए 50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से देने की घोषणा की है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सड़क हादसे में लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने घायल लोगों को उचित इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

बंगाल में भाजपा को झटका

नाराज चल रहे सांसद अर्जुन सिंह तृणमूल में लौटे, 11 महीने में 5 बड़े नेताओं ने भाजपा छोड़ी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर से भाजपा सांसद अर्जुन सिंह ने तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया है। अर्जुन सिंह ने TMC महासचिव अभिषेक बनर्जी के सामने पार्टी की सदस्यता ली। सिंह बंगाल भाजपा के वाइस प्रेसिडेंट भी थे, वह 2019 चुनाव से पहले भाजपा में आए थे और बैरकपुर से सांसद बने थे। सिंह बंगाल विधानसभा में भाटपारा से 4 बार विधायक रह चुके हैं। पिछले 11 महीने में बंगाल भाजपा के 5 बड़े नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। भाजपा पर तंज कसते हुए अर्जुन सिंह ने कहा-एसी कमरों में बैठकर राजनीति नहीं की जा सकती। इसके लिए आपको लोगों के बीच

पहुंच बनानी होगी, जिस राजनीतिक दल में दूसरे की तरफ उंगली दिखाने की कोशिश की जाती है, उसी भाजपा में TMC के 2 सांसद आज भी वहीं हैं, जिन्होंने इस्तीफा नहीं दिया है। मैं उनसे निवेदन करूंगा कि वे दोनों सांसद इस्तीफा दें। अर्जुन सिंह पिछले 6 महीने से लगातार साइड लाइन होने की वजह से नाराज चल रहे थे। सिंह की अभिषेक बनर्जी से मुलाकात की खबर के बाद भाजपा उन्हें मनाने के लिए एक्टिव हुई, लेकिन सूत्रों का कहना है कि उन्होंने हाईकमान का फोन रिसीव नहीं किया।

सांसदी से इस्तीफा नहीं देंगे अर्जुन सिंह

तृणमूल में आने के बाद अर्जुन सिंह ने कहा कि मैं अभी सांसदी से इस्तीफा नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि तृणमूल से भाजपा में गए 2 सांसद जिस दिन इस्तीफा देंगे, उस दिन मैं भी दे दूंगा ?। बता दें कि तृणमूल सांसद शिशिर अधिकारी (शुभेंदु अधिकारी के पिता) और सुनील मंडल ने अमित शाह की एक सभा में भाजपा की सदस्यता ली थी, लेकिन अब तक उनकी सदस्यता बरकरार है। फिलहाल यह मामला लोकसभा स्पीकर के पास है ?।

11 महीने में 5 बड़े नेताओं ने भाजपा को अलविदा कहा

बंगाल चुनाव में सफलता नहीं मिलने के बाद जून 2021 में कद्दावर नेता मुकुल रॉय ने भाजपा छोड़ दी थी। इसके बाद राजीब बनर्जी, बाबुल सुप्रियो, विश्वजीत दास जैसे नेताओं ने भी तृणमूल का दामन थाम लिया। राजीब बनर्जी त्रिपुरा प्रभारी हैं, जबकि बाबुल सांसदी छोड़ विधायक बने हैं।

किसानों से बोले केसीआर

आप बदल सकते हैं सरकार, केजरीवाल, भगवंत मान के साथ पहुंचे राकेश टिकैत

चंडीगढ़। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव इन दिनों क्षेत्रीय दलों के प्रमुख नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। साथ ही वह 2024 के चुनाव के लिए भूमिका तैयार करने में लगे हुए हैं। रविवार को वह दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ चंडीगढ पहुंचे। उन्होंने किसान आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले किसानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने किसानों से कहा कि वे तब तक आंदोलन करते रहें जब तक कि उन्हें एमएसपी की संवैधानिक गारंटी नहीं मिल जाती।

उन्होंने कहा, किसान जब चाहें सरकार बदल सकते हैं। उनके लिए यह कोई बड़ी बात नहीं है। उन्होंने

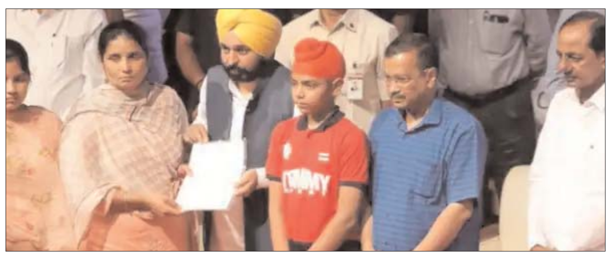

कहा, किसान पूरे देश में आंदोलन करें। हम लोग विपक्षी पार्टियों को साथ लेकर पूरा समर्थन करेंगे। किसानों को इस तरह संबोधित करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति में कदम जमाने की कोशिश शुरू कर दी है। उन्होंने चंडीगढ़ में मृतक किसानों के परिवार वालों को 3-3 लाख रुपये की मदद राशि भी दी।

इस मौके पर अरविंद केजरीवाल ने कहा, किसान आंदोलन पूरे देश के लिए था न कि केवल पंजाब और हरियाणा के किसानों के लिए। केंद्र सरकार स्टेडियम को जेल बना देना चाहती थी। लेकिन हमने ऐसा होने नहीं दिया।

यहां तक कि मैं खुद आंदोलन से ही निकला हूं। अन्ना आंदोलन से। सरकार तब भी यही काम करती थी। मैं खुद कई दिनों तक स्टेडियम में रहा।

तेल की कीमतें घटा कर आंख में धूल झोंक रही है सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार पेट्रोल, डीजल व रसोई गैस के दाम लगातार बढाकर लाभ कमा रही है और अब दाम घटाकर लोगों की आंख में धूल झोंकने का काम कर रही है। कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लव ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार पेट्रोल और डीजल के दाम घटाकर जनता को धोखा देने का काम किया है। सच यह है कि सरकार कीमतें कम करके भी जनता से दोगुना से ज्यादा पैसा वसूल कर रही है और कीमतें घटाने का छलावा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल पर सरकार ने आठ रुपये और डीजल पर छह रुपए प्रति लीटर की कटौती कर अपने लाभ को दोगुना से कम नहीं होने दिया। उनका कहना था कि यह ठीक उसी तरह की नीति है जैसे कुछ दुकानों पर सेल पर बेची जाने वाली वस्तुओं की कीमत दोगुना करके 50 प्रतिशत कम पर बेचने की बात कर छूट के नाम पर लूट की जाती है।

राजस्थान-यूपी समेत 10 राज्यों में बारिश का अलर्ट

तेज हवाओं से कम हो सकती है गर्मी

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल और कर्नाटक से होते हुए प्री-मानसून आज उत्तर भारत में दस्तक दे सकता है। पाकिस्तान की ओर से बन रहे विक्षोभ के कारण आज उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, झारखंड समेत अन्य राज्यों में फुहारें पड़ सकती हैं। मौसम विभाग ने आज कई राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट में जारी किया है। साथ ही तेज हवाएं चलने से गर्मी से राहत मिलने की भी उम्मीद है।

यूपी में शनिवार शाम अचानक मौसम बदल गया। अमरोहा में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई। 7 लोग बुरी तरह झुलस गए। उनकी हालत नाजुक है। मथुरा-जालौन में ओले गिरे। जबकि कानपुर, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, अमरोहा में बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगले एक-दो दिन तक यूपी में आंधी चल सकती है। कुछ इलाकों में हल्की बारिश भी हो सकती है। तापमान 39 से 42 डिग्री तक रहेगा। पूरी खबर पढ़ें

राजस्थान : जयपुर में झमाझम बारिश, आज 16 जिलों में बारिश-आंधी का अलर्ट

राजस्थान में एक बार फिर मौसम बदलने का दौर शुरू हो गया है। नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के देर शाम जयपुर में हल्की बारिश हुई। आंधी के साथ शहर के आसमान को बादलों ने घेर लिया। इसके कुछ ही देर बाद राहत की बारिश होने लगी। इससे तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई है।

दिल्ली में 22 से 24 मई तक बारिश का अनुमान

मौसम विभाग के मुताबिक-राजधानी दिल्ली में अगले चार दिनों तक बारिश और बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार 22 से 24 मई के बीच गर्मी से राहत मिलेगी। रविवार को बादल छाए रहेंगे और आंधी आ सकती है। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी की संभावना है। दिल्ली में 25 मई तक अधिकतम तापमान 38 से 39 डिग्री तक बना रहेगा। 26 मई से एक बर फिर तापमान बढ़ना शुरू होगा।

मध्य प्रदेश : पाकिस्तान की ओर से आएगा विक्षोभ, आज से बारिश

मध्य प्रदेश में 23 से 26 मई तक बारिश की उम्मीद है। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. ममता यादव ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से आ रहा एक पश्चिमी विक्षोभ मध्य प्रदेश से गुजरेगा। इसके साथ ही राजस्थान से उत्तरी छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ हिस्सों के ऊपर एक द्रोणिका भी बनी हुई है।

पंजाब : 3 दिन बारिश का अलर्ट, बंगाल की खाड़ी की नमी से पारे में गिरावट

शनिवार को पंजाब के अधिकतर जिलों में बादल छाने से तापमान में मामूली गिरावट आई। मौसम विभाग चंडीगढ़ के डायरेक्टर मनमोहन सिंह ने बताया कि पंजाब में अगले 24 से 48 घंटे में अच्छी बारिश के आसार बन रहे हैं। उत्तरी पाकिस्तान में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टरबेंस और अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आ रही हवाओं के कारण ऐसा होगा।

सिंह ने बताया कि 22 मई को कहीं-कहीं बादल छा सकते हैं। बूंदाबांदी के आसार हैं। इसके बाद 23 और 24 को नॉर्थ पंजाब के कुछ हिस्सों में बारिश से 2 से 5 डिग्री तापमान में गिरावट हो सकती है। शनिवार को सबसे गर्म मुक्तसर जिला रहा। यहां का अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री दर्ज किया गया।

हिमाचल प्रदेश : आज से भारी बारिश, अंधड़ और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट

हिमाचल प्रदेश के कई भागों में आज से भारी बारिश, ओलावृष्टि और अंधड़ का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार आज से राज्य में एक और पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से यह बदलाव आएगा।

आज प्रदेश के मैदानी, मध्य और पहाड़ी भागों के लिए बारिश, ओलावृष्टि व अंधड़ का यलो अलर्ट है। 23 मई के लिए कई भागों में भारी बारिश, ओलावृष्टि और अंधड़ का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

केरल : 10 जिलों में यलो अलर्ट

केरल के दस जिलों में रविवार को भारी बारिश के लिए मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। इस बीच, मौसम विभाग ने कहा, देश के पूर्वी राज्यों और पश्चिमोत्तर भागों में 21 से 24 मई तक बारिश, आंधी की स्थिति बनेगी।

4 और मौतों के साथ पूर्वोत्तर में बाढ़-भूस्खलन से 9 दिन में 29 की जान गई

तीन पूर्वोत्तर राज्यों - असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश - में 9 दिन में कम से कम 29 लोगों की जान चली गई। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार शनिवार को बाढ़ में 4 और मौतें हुई हैं, जिससे 14 मई से असम में मरने वालों की संख्या 18 हो गई है, इनमें बाढ़ से 13 और भूस्खलन से 5 लोगों की जान गई है।

असम में 31 जिलों में करीब 6.80 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित

असम में 31 जिलों में लगभग 6.80 लाख लोग बाढ़ की चपेट में हैं। नगांव, होजई, कछार, दरांग, मोरीगांव और करीमगंज जिले में बाढ़ की स्थिति अभी भी गंभीर है। रिपोर्ट के अनुसार, 93562.40 हेक्टेयर कृषि भूमि और 2,248 गांवों में अभी भी पानी भरा हुआ है। वर्तमान में कुल 74,907 बाढ़ प्रभावित लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं।

कोविड-19

देश में इस वक्त कोरोना से स्वस्थ होने की दर 98.75 प्रतिशत

देश में कोरोना के 2,226 नए मामले दर्ज, 65 लोगों की मौत

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के नये मामलों में उतार-चढ़ाव के बीच रविवार को पिछले 24 घंटों में 2,226 नए मामले सामने आए हैं तथा 65 लोगों की मौत होने से कोरोना मृतकों की संख्या 5,24,413 हो गयी।

नये मामलों के सामने आने के साथ कुल मामलों की संख्या चार करोड़ 31 लाख 36 हजार 371 तक पहुंच गई है। इस दौरान सक्रिय मामलों में 41 की कमी आई है, जिसके साथ ही अब इनकी संख्या 14,955 रह गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 2,202 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं और इसी के साथ अब तक कुल चार करोड़ 25 लाख 97 हजार 003 मरीज कोविड से उबर चुके हैं।

देश में इस वक्त कोरोना से स्वस्थ होने की दर 98.75 प्रतिशत है। वहीं, सक्रिय दर 0.03 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत है।

महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 67 बढ़ने से कुल संख्या 1,828 तक पहुंच गयी हैं।

वहीं, 240 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 77,32,792 तक पहुंच गयी, जबकि मृतकों का आंकड़ा 1,47,856 पर स्थिर है।

केरल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 49 बढ़कर 3,799 हो गये हैं।

इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 456 बढ़कर 64,76,700 हो गयी, जबकि मृतकों की संख्या 69,543 हो गयी।

हरियाणा में सक्रिय मामले 34 बढ़कर 1,247 हो गये हैं। इस दौरान 201 लोगों के स्वस्थ होने से महामारी से उबरने वाले मरीजों की कुल संख्या 9,88,843 तक पहुंच गयी है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 10,621 पर स्थिर है।

राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली में सक्रिय मामले 91 घटने से 2,138 रह गये हैं।

वहीं, 569 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 18,74,851 पर पहुंच गया, जबकि मृतकों की संख्या एक बढ़कर 26,200 हो गयी।

असम में बाढ़ ने मचाई तबाही, अब तक 24 मौतें और 7 लाख से अधिक लोग प्रभावित

नई दिल्ली। असम के 22 जिलों में बाढ़ से अभी तक राहत नहीं मिल पाई है। इन जिलों के लगभग 7.20 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि बाढ़ और भूस्खलन में अब तक कम से कम 24 लोगों की मौत हो चुकी है।

एएसडीएमए ने रविवार को कहा कि 91,518 प्रभावित लोग वर्तमान में राज्य भर में 269 राहत शिविरों में रह रहे हैं। प्रशासन ने 152 राहत वितरण केंद्र भी स्थापित किए हैं। एएसडीएमए ने आगे कहा, भारतीय सेना, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और स्वयंसेवकों की मदद से बाढ़ में फंसे हुए करीब

26,236 लोगों को बचाया गया है। बारपेटा, विश्वनाथ, कछार, दरांग, धेमाजी, धुबरी, गोलपारा, गोलाघाट, हैलाकांडी, होजई, जोरहाट, कामरूप, कामरूप (एम), कार्बी आंगलोंग पश्चिम, करीमगंज, लखीमपुर, माजुली मोरीगांव, नगांव, नलबाड़ी, सोनितपुर और उदलगुरी ये वो जिले हैं जहां बाढ़ की वजह से लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूरे असम में कम से कम 20 बांध टूट गए हैं और कई पुल या तो बह गए हैं या क्षतग्रिस्त हो गए हैं। कई सड़कें धंस गई हैं या वाहनों के लिए अनुपयोगी हो गई हैं जबकि 2,251 बाढ़ वाले गांवों में 43,090 घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतग्रिस्त हो गए हैं।

शार्ट न्यूज

सेना ने पाकिस्तानी युवक को हिरासत में लिया

जम्मू। सेना के जवानों ने नियंत्रण रेखा के पास से एक पाकिस्तानी युवक को हिरासत में लिया और उसे जम्मू शहर के बाहरी इलाके खोर इलाके में पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने रविवार को कहा कि एक पाकिस्तानी युवक (25) ने अपना नाम सबर नवाज बताया। जब वह खोर इलाके में इस तरफ पार कर गया तो उसे सेना ने हिरासत में ले लिया। पुलिस ने कहा, वह मानसिक रूप से अस्थिर लग रहा है लेकिन हम मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उसके पास से कुछ भी आपत्तिजनक सामान नहीं मिला है।

पंजाब सरकार भी पेट्रोल, डीज़ल पर वैट कम करे

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने केंद्र सरकार के पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कमी करने का स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को भी मूल्य आधारित कर (वैट) में कमी कर जनता को राहत देनी चाहिए। शर्मा ने यहां जारी बयान में आरोप लगाया कि भीषण गर्मी के मौसम में बिजली कटौती से जहां जनता परेशन है वहीं किसानों को भी अपनी फसल की बिजाई के लिए महंगे भाव में डीजल खरीद कर बिजाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पेट्रोल-डीज़ल के दाम कम कर किसानों और आम जनता को राहत दी तथा मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी राज्य में तुरंत पेट्रोल-डीजल पर केंद्र सरकार की तर्ज पर पेट्रोल-डीज़ल पर वैट में कटौती करनी चाहिए। केंद्र सरकार की तरफ से उत्पाद शुल्क में कटौती कर पेट्रोल 9.5 रुपये प्रति लीटर और डीजल सात रुपये प्रति लीटर एवं घरेलू गैस सिलिंडर के दाम 200 रुपए कम करने की घोषणा की गई है।

30 लाख एकड़ क्षेत्रफल में धान की सीधी बुवाई का लक्ष्य

चंडीगढ़। भूजल एवं पर्यावरण को बचाने के लिए पंजाब ने खरीफ के मौजूदा सीजन के दौरान धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) अधीन क्षेत्रफल पिछले साल के मुकाबले दोगुना करते हुए 30 लाख एकड़ (12 लाख हेक्टेयर) क्षेत्रफल इस तकनीक के तहत लाने का लक्ष्य निश्चित किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री भगवंत मान, जिनके पास कृषि विभाग भी है, ने विभाग को निर्देश दिया है कि इस साल धान की पारंपारिक बुवाई के बजाय लगभग 12 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल को इस तकनीक के अधीन लाने के लिए ठोस प्रयास किये जाएं जो बहुत कम सिंचाई का प्रयोग करती है। यह विधि ज़मीन में पानी के रिसने में सुधार करने के साथ-साथ खर्चे घटाती है और मिट्टी की सेहत में सुधार भी करती है। इससे धान और गेहूँ की उपज में भी 5-10 प्रतिशत विस्तार होगा। किसानों को डीएसआर के जरिये धान की फ़सल बीजने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने पहले ही इस नवीनतम तकनीक को अपनाने वाले किसानों को उत्साह के तौर पर 1500 प्रति एकड़ वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है और उसके लिए 450 करोड़ रुपए की राशि रखी गई है। इस खरीफ सीजन के दौरान राज्य भर के किसान बासमती समेत 30 लाख हेक्टेयर (75 लाख एकड़) क्षेत्रफल में धान की फ़सल लगाएंगे। पिछले साल 15 लाख एकड़ (6लाख हेक्टेयर) क्षेत्रफल में डीएसआर के जरिये धान की काश्त की गई थी और इस साल 30 लाख एकड़ का लक्ष्य निश्चित किया गया है।

पंजाब में नशे के खिलाफ अभियान : मान के नेतृत्व में निकली साइकल रैली

संगरूर। पंजाब में नशे के खिलाफ अभियान के तहत मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को 15,000 से अधिक युवाओं की साइकल रैली का नेतृत्व किया। नशा विरोधी जागरूकता रैली स्थानीय जीजीएस स्कूल के ग्राउंड से निकली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि रैली का मकसद नशे के विरुद्ध व्यापक स्तर पर जागरूकता पैदा करना और अनजाने में नशे का शिकार हो चुके नौजवानों को इस खतरे से दूर करना है। 'खाली दिमाग़ शैतान का घर' का हवाला देते हुये श्री मान ने कहा कि रोज़गार के और ज्यादा मौके होने से समाज में नशे के लिए कोई जगह नहीं बचेगी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि यदि स्वास्थ्य व दिमाग सही रहेगा तो राज्य को उच्च विकास के रास्ते पर ले जाया सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार समाज में से नशे के ख़ात्मे के लिए कई योजनाओं पर काम कर रही है और नशा पीड़ित मरीज़ों के बेहतर इलाज के लिए और पुनर्वास केंद्र और क्लीनिक खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि नौजवानों को रोज़गार के मौके उपलब्ध कराने पर भी ज़ोर दिया जायेगा। रैली का नारा 'नशे के खिलाफ लड़ो, खेलो और पढ़ो' था।

बच्चा बोरवेल में गिरा, बचाव कार्य जारी

होशियारपुर। पंजाब के होशियारपुर जिले के खियाला बुलंदा में खेत में लगे 100 फीट गहरे बोरवेल में एक छह वर्षीय बच्चा गिर गया। उसे निकालने के लिए बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि रितिक खेत मजदूर राज इंदर सिंह (मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद का निवासी) का बेटा है और वह आवारा कुत्तों से खुद को बचाते हुए बोरवेल के नौ इंच चौड़े पाईप पर चढ़ गया, जिसके बाद वह बोरवेल में गिर गया। खेत सतवीर सिंह का बताया जाता है। सूत्रों के अनुसार ट्यूबवेल मोटर पंप में खराबी के कारण मोटर दो दिन पहले ही मरम्मत के लिए हटाई गई थी और बोरवेल के पाईप के सुराख को ढंका नहीं गया था। बच्चे के बोरवेल में गिरने की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया गया। जिला उपायुक्त संदीप हंस बचाव कार्य की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बोरवेल में एक कैमरा डाला गयाहै जिससे पता चला कि बच्चा बेहोश पड़ा है। बोरवेल के निकट जमीन की खुदाई की जा रही है ताकि समानांतर गहरा गड्ढा बनाकर बच्चे को बचाया जा सके। एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच चुकी है और बच्चे को बचाने के प्रयास जारी हैं।

अनुभवों को साझा करने से मिलती है नई दिशा : अग्रवाल

जयपुर। राजस्थान में खान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं आईआईटी दिल्ली एलुमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. सुबोध अग्रवाल ने कहा है कि अनुभवों को साझा करने से नई दिशा मिलती है और प्रदेश के विकास में भागीदारी तय होती है। डॉ. अग्रवाल ने यहां एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि समय समय पर मेल-मिलाप से अनुभवों को साझा करने का अवसर मिलता है तो प्रदेश के विकास में भी भागीदारी तय होती है। उन्होंने कहा कि आईआइटी दिल्ली के पासआउट आज प्रदेश में उच्च पदों पर कार्य करते हुए नवाचारों को प्रोत्साहित कर रहे हैं वहीं प्रदेश में उद्योग धंधों, स्टार्टअप्स आदि के माध्यम से विकास की गंगा बहा रहे हैं। स्वरोजगार के साथ ही रोजगार के अवसर विकसित कर आर्थिक विकास में सहभागी बन रहे हैं। उन्होंने आईआईटी दिल्ली की तरह ही अन्य एलुमिनी एसोसिएशनों को गतिशील और सक्रिय बनाने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए प्रदेश के समग्र विकास में भागीदार बनने के लिए आगे आने का आह्वान किया।

मानव अस्तित्व के लिए जैव विविधता संरक्षण जरूरी

भीलवाड़ा। पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण संस्था पीपल फॉर एनिमल के राजस्थान प्रभारी बाबूलाल जाजू ने मानव अस्तित्व के लिए जैव विविधता संरक्षण जरूरी बताते हुए कहा है कि विवेकहीन विकास, प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन एवं प्रकृति से की जा रही छेड़छाड़ ने मानव को संकट में डाल दिया है। जाजू पीएफए द्वारा जैव विविधता दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मानव द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र में हस्तक्षेप मनुष्य जीवन के लिए खतरा साबित हुआ है। हम सबको सरकार के भरोसे न रहकर स्वयं प्रत्येक व्यक्ति को भूमि पर पाए जाने वाले पेड़ पौधों, पशु पक्षियों, झील जलाशयो, नदियों, गोचर भूमि, जंगल, झरनों एवं पहाड़ों के संरक्षण के लिये आगे आना चाहिए तथा जानलेवा डिस्पोजल एवं पॉलीथिन का उपयोग नहीं करना चाहिए तभी हमारा जीवन सुरक्षित रहेगा। संगोष्ठी में पीएफए के पदाधिकारी गुमान सिंह पीपाड़ा, मुकेश अजमेरा, विद्यासागर सुराणा, रामनिवास लड्डा एवं सुरेश सुराना ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

राहुल गांधी पर अमित शाह का निशाना, बोले- इटली का चश्मा उतारें, फिर दिखेगा विकास

ईटानगर। कैंब्रिज विश्वविद्यालय ने राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमला बोला था। इसके बाद भाजपा भी हमलावर है। रविवार को अरुणाचल प्रदेश में एक कार्यक्रम के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, कांग्रेस के हमारे दोस्त अकसर कहते हैं कि 8 साल की सरकार में भाजपा ने क्या किया? अगर कोई अपनी आंखें ही बंद कर ले तो क्या वह विकास देख सकेगा?

अमित शाह ने कहा, कांग्रेस के लोग आंखें बंद करके विकास ढूंढ रहे हैं। राहुल बाबा, आप अपनी आंखें खोलिया, इटली के चश्मे उतारकर भारत का चश्मा पहन लीजिए। इसके बाद आपको दिखने लगेगा कि आठ साल में क्या हुआ। इन सालों में हमने पर्यटन का विकास किया, कानून व्यवस्था दुरुस्त की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पेमा खांडू ने मिलकर वो काम किया जो 50 साल में नहीं हुआ था।

गृह मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर राज्यों का कई बार दौरा किया और अपने मंत्रियों से भी ऐसा करने को कहा है।

यह 14वीं बार है जब मैं यहां आया हूं। आप सोच सकते हैं कि हमारी सरकार पूर्वोत्तर को कितनी प्राथमिकता दे रही है। पूर्वोत्तर में लगभग 9 हजार बागियों ने हथियार डाल दिए। वे अब मुख्य धारा से जुड़ चुके हैं।

पूर्वोत्तर के राज्य जो कभी हिंसा और आतंकवाद के लिए सुर्खियों में रहते थे, आज उनकी संस्कृति और विविधता की चर्चा होती है।

गृह मंत्री ने कहा, हम असम और अरुणाचल प्रदेश में दशकों से चल रहे संघर्ष को खत्म करने में कामयाब हुए हैं।

मैं दोनों मुख्यमंत्रियों को इसके लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। बता दें कि अमित शाह की राहुल गांधी पर टिप्पणी तब आई है जब आइडिया फॉर लंदन इवेंट में शुक्रवार को राहुल गांधी ने कई भाजपा नेताओं पर अटैक किया था।

तेंदुओं के बढ़ते हमले को हाईकोर्ट में चुनौती, सरकार से मांगे निर्देश

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में तेंदुओं के बढ़ते हमले व मानव वन्य जीव संघर्ष की रोकथाम को लेकर दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ ने शनिवार को सरकार से निर्देश मांगे।

मामले को देहरादून के समाजसेवी अनु पंत की ओर से चुनौती दी गयी है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में मानव-वन्य जीव संघर्ष बढ़ रहा है।

पिथौरागढ़, बागेश्वर, पौड़ी, उत्तरकाशी व चंपावत जनपद इससे खासे प्रभावित हैं। यहां लोगों पर तेंदुए के हमले बढ़े हैं। कई लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा है। याचिका में यह भी कहा गया है कि प्रत्येक वर्ष औसतन 60 लोग तेंदुओं के हमले में मारे जाते हैं। प्रतिमाह औसतन पांच से सात लोगों की मौत हो रही है। वर्ष 2020 में तेंदुए के हमले में 30 लोग मारे गये थे जबकि 85 लोग घायल हुए थे। याचिकाकर्ता की ओर से आगे कहा गया है कि इससे पहाड़ों में पलायन भी बढ़ रहा है। पलायन आयोग ने भी माना है कि वर्ष 2016 में छह प्रतिशत लोग मानव-वन्य जीव संघर्ष के चलते पलायन को मजबूर हुए हैं।

वन्य जीवों के चलते पहाड़ी इलाकों में खेती चौपट हो गयी है। वन्य जीव घरों के नजदीक आ रहे हैं। याचिकाकर्ता की ओर से मांग की गयी कि एक कमेटी का गठन किया जाये और कमेटी अध्ययन कर इस मामले का समाधान निकाले। जिलों में प्रभागीय वनाधिकारी कमेटी का प्रतिनिधित्व करें।

तेदेपा ने वाईएसआरसीपी पर झूठ बोलने का लगाया आरोप

विजयवाड़ा। तेलुगू देशम पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता कोमारेड्डी पट्टाभि ने रविवार को युवजन श्रमिक रिथु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के मंत्रियों पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की लंदन यात्रा के बारे में दावोस के नाम पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। पट्टाभि ने कहा कि ज्यूरिख हवाई अड्डे की वेबसाइट ने स्पष्ट रूप से दिखाया कि जगन रेड्डी की उड़ान लंदन से आएगी। इससे यह स्पष्ट था कि जगन की लंदन यात्रा पूर्व नियोजित थी और सीबीआई अदालत को पूरी तरह से गलत जानकारी दी गई। तेदेपा नेता ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के लंदन उतरने पर आंध्र प्रदेश के लोगों को गुमराह करने के लिए मंत्रियों बुगना राजेंद्रनाथ रेड्डी और अमरनाथ की आलोचना की । जगन रेड्डी की उड़ान दो घंटे के लिए इस्तांबुल में ईंधन भरने के लिए रुकी थी। कोई देरी नहीं हुई लेकिन मंत्री कह रहे थे कि ईंधन भरने में देरी के कारण लंदन यात्रा अपरिहार्य हो गई। पट्टाभि ने इसे वित्त मंत्री बुगना राजेंद्रनाथ रेड्डी का मानसिक दिवालियापन बताते हुये कहा कि दस बजे बाद ज्यूरिख हवाई अड्डे पर किसी भी उड़ान की लैंडिंग की अनुमति नहीं दी जाएगी।

गांव वालों ने थाने में लगा दी आग, आरोपियों के घरों पर चला बुलडोजर

गुवाहाटी। असम के नागांव में कई लोगों के घरों पर बुलडोजर चल गए। दरअसल यहां एक दिन पहले कुछ लोगों ने थाने में आग लगा दी थी। इसके बाद आरोपियों के घरों पर प्रशासन ने बुलडोजर चलवा दिया। सलोनाबोरी गांव के लगभग 40 लोगों की भीड़ ने बाताद्रवा पुलिस स्टेशन में आग लगा दी थी। उनका कहना था कि एक शख्स की पुलिस हिरासत में मौत हो गई है।

नागांव जिला प्रशासन ने मौत की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। इसके अलावा पुलिस स्टेशन के प्रभारी को सस्पेंड कर दिया गया है। रविवार सुबह गांव में बुलडोजर पहुंचा और जो लोग थाने में आग लगाने में शामिल थे, उनके घर ढहा दिए गए।

असम स्पेशल डीजीपी जीपी सिंह ने कहा, भीड़ में 40 लोग थे। सात की पहचनान की जा चुकी है और उन्हें गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा 21 अन्य को भी पकड़ा गया है। उन्होने कहा, हिरासत में हुई मौत के मामले में पुलिसवालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लेकिन ऐसे आरोपों के बाद यह बिल्कुल रही नहीं है कि आप किसी पुलिस स्टेशन को आग लगा दें। उन्होंने कहा कि आरोपियों की पहचान करने के लिए वीडियो फुटेज देखा जा रहा है। घरों पर बुलडोजर चलाने के आदेश के बाद बारपेटा से कांग्रेस सांसद अब्दुल खलीक ने सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा, मैं पुलिस स्टेशन पर हमले का कभी समर्थन नहीं करता। लेकिन पुलिस द्वारा हमला करने वालों का घर ढहा दिया जाना, मानवाधिकार का उल्लंघन है। पुलिस के मुताबिक सलोनाबोरी गांव के एक मछली बेचने वाले के शराब पीने के कारण पुलिस उसे थाने ले गई थी।

अगले दिन पुलिस ने कहा कि शख्स की पत्नी उसे लेकर अस्पताल गई और वहां उसकी मौत हो गई। हालांकि परिवार का कहना है कि जब वे अस्पताल पहुंचे तो शख्स की मौत हो चुकी थी।

असम पुलिस के डीजीपी के मुताबिक शख्स को उसकी पत्नी के हवाले किया गया था और उन्होंने उसे खाना पानी भी दिया था। लेकिन बीमार होने की शिकायत के बाद उसे अस्पता ले जाया गया था। वहीं इस्लाम के परिवार का कहना है कि पुलिस ने उन्हें छोड़ने के लिए 10 हजार रुपये मांगे थे।

ईंधन पर लगने वाले उत्पाद शुल्क को कम करे तेलंगाना सरकार : भाजपा

हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तेलंगाना सरकार से पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में कटौती करने की मांग की है।

तेलंगाना प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता एन.वी. सुभाष ने रविवार को आम लोगों को राहत देने के लिए दोनों जीवाश्म ईंधनों के दामों में कमी करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्ति किया और कहा कि राज्य के मुख्य मंत्री के. चंद्रशेखर राव को भी पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में कटौती करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि देशव्यापी दौरे पर निकले श्री राव यदि सचमुच गरीबों के हितैषी है, तो उन्हें लोगों को राहत देने के लिए तत्काल अपने प्रशासन को इन दोनों जीवाश्म ईंधनों पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में कम करने का निर्देश देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब भाजपा सरकार ने पहली बार पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में कटौती की थी, तब तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) सरकार ने उत्पाद शुल्क नहीं घटाए थे।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक यात्रा पर निकले केसीआर के दौरे का भाजपा ने कभी विरोध नहीं किया। उन्होंने तेलंगाना के लोगों को राहत देने के बारे में सोचना चाहिए और उत्पाद शुल्क में कमी कर उनको राहत देनी चाहिए।

केसीआर जब भी कभी भ्रष्टाचार के आरोपों तथा अपनी सरकार की अक्षमता के कारण खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं, तो वह नाटक करने लगते हैं और विपक्षी नेताओं से मिलने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पहुंच जाते हैं।

सुभाष ने कांग्रेस पार्टी की उस टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें पार्टी ने इस कटौती को बहुत कम और बहुत देर से लिया गया फैसला करार दिया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को पहले लोगों के कल्याण के बारे में सोचना चाहिए और स्थिति के अनुसार कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा केंद्र की भाजपा सरकार के हर अच्छे काम का विरोध करती है क्योंकि एक पुरानी कहावत है देर है अंधेर नहीं।

सिख गुरु गोविन्द सिंह की तप स्थली हेमकुंड साहिब के कपाट खुले

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में हिमाच्छादित हिमालय पर्वत की श्रंखलाओं पर स्थित पाँचवें धाम के रूप में विश्व विख्यात सिखों के दशम गुरु श्री गोविंद सिंह जी के तप स्थान गुरुद्वारा श्री हेमकुण्ड साहिब जी के कपाट रविवार को श्रद्धालुओं के लिये, विधिवत अरदास के साथ खोल दिए गए। इस पावन अवसर पर लगभग 5000 संगतों की उपस्थिति में श्री हेमकुण्ड साहिब जी की यात्रा का भव्य शुभारम्भ हो गया।

आज प्रात: गुरुद्वारा गोबिंद घाट से आगे पैदल यात्रा मार्ग से चलकर पहला जत्था अपने मुख्य गंतव्य स्थल श्री हेमकुण्ड साहिब जी पहुंचा। पंज प्यारों की अगुवाई में गुरुद्वारा साहिब के मुख्य ग्रंथी सरदार मिलाप सिंह, मीत ग्रंथी सरदार कुलवंत सिंह एवं गुरुद्वारा के प्रबंधक सरदार गुरनाम सिंह द्वारा प्रात: 9:30 बजे गुरु ग्रंथ साहिब जी को सुखासन स्थल से पावन दरबार साहिब में ले जाया गया तथा पावन प्रकाश करते हुए अरदास की। तद्पश्चात ग्रंथी साहिब द्वारा सुखमनी साहिब का पाठ किया गया। विश्व प्रसिद्ध रागी भाई मोहकम सिंह एवं साथियों द्वारा किए गए गुरबाणी कीर्तन से दरबार साहिब में उपस्थित संगत निहाल हो उठी।

गुरु ग्रंथ साहिब जी के सभी पावन स्वरूपों को ले जाते समय गढ़वाल स्काउट बैंड तथा पंजाब से आये बैंड ने अपने बैंड-बाजों के साथ विभिन्न धुनें बजाई। संगतों द्वारा किये गये कीर्तन ने माहौल को और भी पवित्र व खुशनुमा बना दिया। इसके साथ ही निशान साहिब जी के वस्त्र भी बदले गए।

इस अवसर पर, 418 इंडीपेंडेंट कोर के सैनिक एवं गढ़वाल स्काउंट के सैनिकों के साथ गुरुघर के सेवादारों ने सहयोग देकर सेवा निभाई।

ट्रक में आग लगने से 20 मवेशियों की मौत

उज्जैन। मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले के खाचरोद थाना क्षेत्र में एक मिनी ट्रक में संदिग्ध परिस्थिति में आग लगने से लगभग 20 मवेशी जिंदा जल गए, जबकि 25 मवेशी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि खाचरोद से 15 किलोमीटर दूर नागदा-जावरा रोड पर स्थित फर्नाजी गांव के पास कल देर रात लगभग 4 दर्जन मवेशियों को तस्करी कर ले जा रहे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। आग देख कर आसपास के ग्रामीणों ने किसी तरह मवेशियों को बचाने का प्रयास किया। इस दौरान लगभग 20 गौवंश आग में जल गए, जबकि घायल 25 गौवंश को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। खाचरोद के पशु चिकित्सालय के अधिकारी घायल मवेशियों का उपचार कर रहे हैं। इस मामले में पुलिस आशंका व्यक्त की है कि इन मवेशियों को आरोपी ट्रक में भरकर अवैध रूप से अन्य जिलों के लिए ले जा रहे थे। ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। उसकी एवं अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही ट्रक में आग लगने का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

मेघालय विधानसभा का निर्माणाधीन गुंबद ढहा

शिलांग। मेघालय के न्यू शिलांग टाउनशिप के मावडिआंगडिआंग में निर्माणाधीन मेघालय विधानसभा का धातु का गुंबद शनिवार देर रात ढह गया।

एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

निर्माण कंपनी के एक अधिकारी ने यूनीवार्ता को फोन पर बताया कि शनिवार देर रात करीब 12:30 बजे डोम ढह गया। गुंबद ढहने से पहले रात

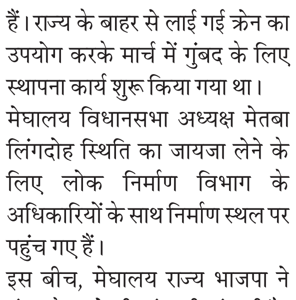

नौ बजे तक कर्मचारी गुंबद लगाने का काम कर रहे थे।

निर्माण कंपनी के अधिकारी अनुज कंसल ने कहा, हम आपको गुंबद के ढहने का सही कारण नहीं बता सकते हैं। राज्य के बाहर से लाई गई क्रेन का उपयोग करके मार्च में गुंबद के लिए स्थापना कार्य शुरू किया गया था।

मेघालय विधानसभा अध्यक्ष मेतबा लिंगदोह स्थिति का जायजा लेने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ निर्माण स्थल पर पहुंच गए हैं।

इस बीच, मेघालय राज्य भाजपा ने गुंबद के ढहने की जांच की मांग की है। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष बर्नार्ड मराक ने कहा, नए विधानसभा भवन के केंद्रीय गुंबद को गिराने वाले ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाए।

दो महीने पहले राज्य के बाहर से लाई गई क्रेन से गुंबद का काम शुरू हुआ था।

मेघालय के नए विधानसभा भवन का निर्माण न्यू शिलांग टाउनशिप के मावदियांगदियांग में 80 एकड़ भूमि पर किया जा रहा है।

करीब 127 करोड़ रुपये की यह परियोजना उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड को आवंटित की गई है जो उत्तर प्रदेश सरकार का एक सार्वजनिक उपक्रम है।

कांग्रेस सरकार को भी पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाकर जनता को देनी चाहिए राहत : वसुंधरा

एजेंसी

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा है कि केन्द्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम कर दी है और अब राज्य की कांग्रेस सरकार को भी पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाकर जनता को राहत देनी चाहिए।

राजे ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि पेट्रोल-डीजल के दामों को लेकर राजस्थान की कांग्रेस सरकार केन्द्र को कोसती रही है जबकि केन्द्र सरकार ने दो बार एक्साइज ड्यूटी कम कर दी है।

उन्होंने कहा कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क घटाने से अब देश में पेट्रोल 9.5 रूपए एवं डीजल सात रुपए प्रति

लीटर सस्ता मिलेगा। वहीं उज्जवला योजना में 12 सिलेंडर तक 200 रु प्रति गैस सिलेंडर सब्सिडी देने का निर्णय भी मोदी सरकार ने लिया है, जिससे नौ करोड़ माताओं-बहनों को बड़ी सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क आठ रूपए एवं छह रूपए प्रति लीटर घटाने का निर्णय लेकर देश की जनता को बड़ी राहत दी है।

इसी तरह उपनेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने पेट्रोल पर 9.50 रूपए और डीजल पर सात रुपए ड्यूटी घटाकर व गैस सिलेंडर पर 200 रुपये प्रति सिलेंडर सब्सिडी देकर आमजन को राहत दी है।

कटारिया ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से निवेदन करते हुए कहा कि अब उन्हें इसके लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद देना चाहिए और टैक्स कटौती कर जनता को राहत प्रदान करनी चाहिए।

उन्होंने पेट्रोल एवं डीजल के दाम घटाने पर प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री का आभार व्यक्त किया।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि दीपावली के बाद एक बार फिर केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर ड्यूटी घटाई है।

उन्होंने देशवासियों को महंगाई से राहत दिलाने के लिए गए जनहितकारी निर्णयों के लिए मोदी सरकार का आभार जताते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने तो आमजन को राहत दे दी है, अब बारी राज्य सरकार की है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सरकार वास्तव में आमजन को महंगाई से राहत दिलाना चाहती हैं तो उसे वैट की दरों को कम करके कम से कम पूर्ववर्ती भाजपा शासन के समय वसूले जा रहे पेट्रोल-डीजल पर वैट क्रमश-26 प्रतिशत एवं 18 प्रतिशत के स्तर पर लेकर आना चाहिए।

समस्तीपुर में सड़क दुर्घटना में छात्र की मौत, कृषि विश्वविद्यालय में तोड़फोड़

समस्तीपुर। बिहार मे समस्तीपुर जिले के पूसा स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के एक छात्र की सड़क दुघर्टना मे हुई मौत से आक्रोशित छात्रों ने विश्वविद्यालय में तोड़फोड़ और आगजनी की तथा कई वाहनों में आग लगा दी।

पुलिस सूत्रों ने रविवार को यहां बताया कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा बीटेक बायोटेक का छात्र अखिल साहू अपने दोस्त के साथ मोटरसाइकिल से समस्तीपुर के महमद्दा गांव जा रहा था। इस दौरान अनियंत्रित पिकअप ने उसे ठोकर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल छात्र को इलाज के लिए पूसा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसे दूसरे अस्पताल के लिए रेफर कर दिया लेकिन अस्पताल ले जाने के क्रम में अखिल साहू की मौत हो गयी।

सूत्रों ने बताया कि अखिल साहू की मौत की खबर मिलते ही छात्र उग्र हो गए और शव के साथ विश्वविद्यालय परिसर में ही अस्पताल प्रबंधन के विरुद्ध प्रदर्शन शुरू कर दिया। आक्रोशित छात्रों ने अकादमिक भवन में तोड़फोड़ भी की और कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम विश्वविद्यालय पहुंची। उग्र छात्रों को शांत करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिससे कई छात्र घायल हो गए है। घायल छात्रों को समस्तीपुर के सदर अस्पताल समेत अन्य अस्पतालों मे भर्ती कराया गया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मृतक छात्र राजस्थान के अजमेर का रहने वाला था। इधर, छात्रों का आरोप है कि अखिल की सड़क दुर्घटना में मौत की खबर के बाद अस्पताल प्रबंधन की ओर से उन्हें एंबुलेंस उपलब्ध नहीं कराया गया।

शार्ट न्यूज

पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यान माला का आयोजन किया गया

नई दिल्ली। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने शनिवार को पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यान माला का आयोजन किया। विश्व संस्कृति दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह को नामचीन सांस्कृतिक हस्ती जया जेटली ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि शिल्प परंपरा भारत की सॉफ्ट पावर का महत्वपूर्ण हिस्सा है जो भाषा, संगीत, खानपान, रीतिरिवाजों, खेलकूद आदि से परिलक्षित होती है और राग, सुर, ताल, छंद, लय की विविधता से आकार ग्रहण करती है। दुनिया भारत की इसी विविधता को जानने के लिए लालायित रहती है। इस अवसर पर मधुर पदवार के नेतृत्व में मुम्बई से आए सांस्कृतिक समूह फोक्स वैगन ने मनमोहक नृत्य-संगीत की प्रस्तुति की। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईसीसीआर अध्यक्ष डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे ने की। आईसीसीआर महानिदेशक कुमार तुहिन तथा अन्य पदाधिकारी, आमंत्रित अतिथि गण तथा आईसीसीआर के डेमोक्रेसी जेन नेक्स्ट कार्यक्रम के तहत नौ दिनों के भारत भ्रमण पर आए छह देशों के 27 युवा नेता भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

सचिव (विद्युत), भारत सरकार ने एनएचपीसी द्वारा आयोजित 'पावर कप 2022' टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। एनएचपीसी द्वारा आयोजित पावर कप 2022, एक टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 22 मई से 12 जून, 2022 तक विद्युत मंत्रालय/एमएनआरई के नियंत्रणाधीन विभिन्न विद्युत क्षेत्र के सीपीएसयू की टीमों के बीच आयोजित किया जा रहा है। अलोक कुमार, सचिव (विद्युत), भारत सरकार ने श्री ए.के. सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, श्री संजय श्रीवास्तव, अध्यक्ष, बीबीएमबी, श्री पी.के. दास, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, इरेडा और श्री ए.के. मिश्रा, सीईओ, ईईएसएल, श्री आर.पी. गोयल, निदेशक (वित्त), एनएचपीसी और भाग लेने वाले संगठनों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में दिनांक 22.05.22 को एनएमएकेपी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जामिया, नई दिल्ली में 'पावर कप 2022' का उद्घाटन किया।इस टूर्नामेंट में विद्युत मंत्रालय, एनएचपीसी, एनटीपीसी, पावरग्रिड, सीईए, इरेडा, आरईसी, ईईएसएल और पीएफसी की टीमें भाग ले रही हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, श्री अलोक कुमार, सचिव (विद्युत), भारत सरकार ने टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सभी टीमों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आगे कहा कि खेल विद्युत मंत्रालय और केंद्रीय विद्युत क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों के बीच टीम भावना और सौहार्द बनाने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करते हैं। अपने स्वागत भाषण में श्री ए.के. सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी ने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालने और टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सचिव (विद्युत), भारत सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आगे कहा कि खेल मन और शरीर दोनों के सर्वांगीण विकास को विकसित करने का एक शानदार तरीका है जो लंबे समय में कार्य कुशलता में सुधार करता है। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच विद्युत मंत्रालय और एनएचपीसी के बीच खेला गया। इस मैच को विद्युत मंत्रालय ने 5 विकेट से जीता।

दिल्ली में स्कॉर्पियो कार डिवाइडर से टकराई, कार से निकल फ्लाईओवर से नीचे गिरी महिला की मौत, बेटा घायल

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली में सत्यवती फ्लाईओवर पर रविवार तड़के स्कॉर्पियो कार डिवाइडर से टकरा जाने से एक 45 वर्षीय महिला की फ्लाईओवर से नीचे गिरकर मौत हो गई और उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने कहा कि मृतक महिला की पहचान पूनम भाटिया के रूप में हुई है, जबकि उसके 21 वर्षीय बेटे वत्स का अभी भी दीप चंद बंधु अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना उस समय हुई जब उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के अशोक विहार निवासी मां और बेटा एक समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि कार को बेटा चला रहा था। दुर्घटना इतनी जबर्दस्त थी कि महिला कार से बाहर निकलकर फ्लाईओवर से गिर गई। इस हादसे में कार सामने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पश्चिम) उषा रंगनानी ने बताया कि सुबह करीब पांच बजे भारत नगर थाने में सत्यवती फ्लाईओवर पर एक दुर्घटना के संबंध में एक पीसीआर कॉल आई। जब स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तो उन्हें दिल्ली नंबर वाली एक स्कॉर्पियो गाड़ी क्षतिग्रस्त अवस्था में मिली। प्रारंभिक जांच के अनुसार, सत्यवती फ्लाईओवर पर कार डिवाइडर से टकराने के बाद चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया, जिससे यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि दोनों को तुरंत दीप चंद बंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां महिला ने दम तोड़ दिया, जबकि उसके बेटे का अभी भी इलाज चल रहा है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने कहा कि डॉक्टरों द्वारा बेटे को फिट घोषित किए जाने के बाद उसका बयान दर्ज किया जाएगा, पुलिस ने कहा कि महिला का शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिवार को सौंप दिया जाएगा। डीसीपी ने कहा कि हमने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 279 (सार्वजनिक रास्ते पर तेज गति से गाड़ी चलाना या सवारी करना), 337 (दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कृत्य से चोट पहुंचाना), और 304 ए (लापरवाही से मौत का कारण) के तहत मामला दर्ज किया है। इस संबंध में आगे की जांच जारी है।

वसंत विहार में बुजुर्ग महिला ने दो बेटियों के साथ की आत्महत्या; पुलिस को मौके से मिला सुसाइड नोट

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के वसंत विहार इलाके में एक बुजुर्ग महिला ने अपनी दो बेटियों के साथ कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मामले की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है, जिसकी जांच की जा रही है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि घर में अंगीठी जल रही थी, हो सकता है उसकी गैस से उनका दम घुट गया हो। वहीं, परिवार काफी तनाव में था, क्योंकि महिला के पति की कोरोना से मौत हो गई थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात करीब 8 बजे सूचना मिली थी कि वसंत अपार्टमेंट में एक फ्लैट का गेट अंदर से बंद है। अंदर मौजूद लोग गेट भी नहीं खोल रहे हैं। पुलिस टीम के साथ एसएचओ तुरंत मौके पर पहुंचे, जहां टीम ने पाया कि घर का गेट और सभी खिड़कियां बंद थीं। पुलिस ने गेट तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां घर के अंदर अंगीठी जली हुई थी। पुलिस टीम ने फ्लैट के अंदर सभी कमरों की जांच की तो वहां तीन शव पड़े हुए थे। तीनों शव एक ही कमरे में थे। मृतकों की पहचान मां मंजू और उसकी दो बेटियों अंशिका और अंकू के रूप में हुई है। महिला की उम्र 60 साल है और बेटियों की उम्र 25 और 28 साल के आसपास है। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, दिल्ली पुलिस को वसंत विहार के एक फ्लैट से 3 शव मिले। फ्लैट अंदर से बंद था। पुलिस ने दरवाजा खोला और पाया कि गैस सिलेंडर आंशिक रूप से खुला था और एक सुसाइड नोट वहां पड़ा था। कमरे में 3 अंगठी रखी गई थीं। माना जा रहा है कि दम घुटने से उनकी मौत हुई है। इस माले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि वसंत विहार में कल एक घर से तीन शव बरामद होने के बाद किसी का कोई आरोप नहीं है।

नृत्यांगना गीता चन्द्रन के भावपूर्ण भरतनाट्यम संग दिल्लीवासियों ने की अनंत की खोज..

नाट्य वृक्ष द्वारा दो साल बाद दिल्ली में प्रख्यात नृत्यांगना गीत चन्द्रन की एकल नृत्य प्रस्तुति का आयोजन

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। प्रख्यात नृत्यांगना (पद्मश्री) गीता चन्द्रन ने महामारी के दौरान अपने अनुभवों के आधार पर आंतरिक नृत्या यात्रा की अवधारणा रखी है। दो साल के दौरान के उनके नये कार्यों को कला-संगीत प्रेमियों के समक्ष लाने के लिए नाट्य वृक्ष द्वारा दिल्ली स्थित इंडिया हैबीटेट सेंटर के स्टाइन सभागार में 'इन सर्च ऑफ इन्फिनिटी' यानि अनंत की खोज, शीर्षक से एक नृत्या संध्या का आयोजन किया गया। इस नृत्य संध्या के माध्यम से (पद्मश्री) गीता चन्द्रन ने लगभग दो वर्ष बाद दिल्लीवासियों के समक्ष मंच पर अपनी पहली एकल भरतनाट्यम प्रस्तुति दी। मंच पर गीता चन्द्रन को उनके साथी कलाकार शरण्या चंद्रन, के. वेंकटेश, मनोहर बालाचन्द्राणे, वरुण राजशेखर, सुजीत नायक, एवं वीएसके अन्नादोराय ने संगत दी।

पारम्परिक अंदाज में कार्यक्रम की शुरूआत हुई, जिसके बाद श्री राजीव चन्द्रन के कार्यक्रम एवं गीता चन्द्रन की प्रस्तुति के विषय से दर्शकों को रूबरू कराया।

'इन सर्च ऑफ इन्फिनिटी' शीर्षक से आयोजित इस संध्या में अपने नृत्य की शुरूआत गीता चंद्रन ने हिंदी कवि जय शंकर प्रसाद-जी की 'बीती विभावरी जाग री' से की। जिसे उन्होंने उस काले महामारी के रूपक के तौर पर इस्तेमाल किया और बताया कि अत्यधिक सावधानी के साथ एक बेहतर कल को गले लगाने के लिए अपने दूरी बनाने की आवश्यकता है।

गीता चन्द्रन की प्रस्तुति में महामारी के दौरान उनके अनुभवों को नृत्य के माध्यम से देखने का यह बेहतरीन अवसर था, उन्होंने विविधता के साथ अपने अनुभव को मंच पर सशक्तता के साथ उतारा। उनकी एक प्रस्तुति में भगवान कृष्ण द्वारा मानवता की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को उठाने का प्रसंग, नृत्य में विभिन्न नव-रस का संदर्भ बन जाता है। यहां नर्तकी का कहना है कि महामारी ने उसे दुख, आश्चर्य, घृणा और प्रेम की भावनाओं को समझने का गहरा अहसास कराया है। अगली प्रस्तुति में गीता चन्द्रन, अम्बा नीलांबरी में देवी को विराजमान करती है, जो वाग्येकरा श्री मुथुस्वामी दीक्षितर की एक भव्य कर्नाटक संगीत रचना है।

अलग-अलग प्रस्तुतियों में उनकी प्रस्तुति में बेहद मार्मिक और दिल छूती रही, जहां वह अपनी मातृ भावनाओं को कैद करते हुए, एक सुंदर लोरी प्रस्तुत करती है जिसमें माँ यशोदा नन्हे कृष्ण को सुलाते हुए राम की कहानी सुनाती हैं। इसके माध्यम से महामारी के दौरान गीता चन्द्रन ने अपने पोते के बड़े होने पर घर में आती खुशियों को भावपूर्ण रस में पिरोने का प्रयास किया है।

इन सर्च ऑफ इन्फिनिटी के विषय में गीता चन्द्रन ने बताया, कि महामारी ने सभी प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को गहराई से प्रभावित किया। चूंकि हमारी आय पूरी तरह से प्रदर्शन पर निर्भर थी, इसलिए लगभग ढाई वर्षों के लिए प्रदर्शन के अवसरों ना होने से यह समुदाय ठप हो गया और उन्हें तेजी से पाताल की ओर धकेल दिया, मैं भी इससे अछूती नहीं थी। एक संक्षिप्त अंतराल के बाद, मैंने पुनर्मूल्यांकन करना शुरू किया, जहां अधूरे विचारों के ढेर थे, उन्हें साकार करना था; और मेरे पास उन कार्यों को निपटाने के लिए निर्बाध समय था। इन्हीं विचारों व अनुभवों को मैंने अपने नृत्य के माध्यम से व्यक्त करने का सोचा और इन सर्च ऑफ इन्फिनिटी की अवधारणा बनी।

महामारी के दौरान मैंने काफी कुछ सीखा। मैंने महसूस किया कि मेरी कला परिपूर्ण है, मैंने यह भी महसूस किया कि मेरा आंतरिक परिदृश्य इतना मजबूत था कि मैं व्यस्त, व्यस्त और खुश रह सकती थी। मैंने वास्तव में अनंत काल का स्वाद चखा था। उन 30 महीनों के दौरान मैंने जिन रचनाओं पर काम किया है यहां उन्हें पहली बार लाइव प्रस्तुत किया है।

सांसद रमेश बिधूड़ी ने छतरपुर विधानसभा में जनसम्पर्क कर लोगों के सामने केजरीवाल द्वारा बोले गए झूठ को उजागर किया

शिक्षा मॉडल की बात करने वाली केजरीवाल सरकार के स्कूल मूलभूत सुविधाओं से भी वंचित है

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी द्वारा केजरीवाल सरकार के खिलाफ शुरू हुए पोल-खोल अभियान के तहत सांसद श्री रमेश बिधूड़ी ने अपने संसदीय क्षेत्र में अभियान को आगे बढ़ाते हुए आज भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ छत्तरपुर विधान सभा स्थित आया नगर वार्ड में प्रवास किया। जहाँ श्री बिधूड़ी ने बूथ अध्यक्षों की बैठक को सम्बोधित कर आया नगर गाँव, ई व एफ ब्लॉक में घर-घर जाकर लोगों से संपर्क किया। इस दौरान सांसद ने केजरीवाल द्वारा दिल्ली वासियों को परोसे गए झूठ, सरकार की नाकामियों व जनविरोधी नीतियों के विषय में बताया।

रमेश बिधूड़ी ने अवगत कराया कि केजरीवाल पिछले 7 वर्षों से सिर्फ झूठ की राजनीति कर लोगों को गुमराह करने का काम कर रहे हैं जो कि स्पष्ट रूप से दिल्ली में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा था कि दिल्ली को पेरिस व लंदन बनाएंगे, बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे, घरों में नल से जल देंगे, 12 लाख लोगों को नौकरी देंगे, अस्थाई कमर्चारियों को पक्का करेंगे। ऐसे अनेकों वायदे जनता से कर उन्हें मुंगेरीलाल के सपने दिखाए और सत्ता हासिल की। आज सात साल बाद भी उनके शिक्षा के नाम पर नए 20 कॉलेज, 500 स्कूल जो पूरी दिल्ली में कहीं भी दिखाई नहीं देते, बल्कि दिल्ली में जो पहले से मौजूद स्कूल हैं वो भी सुविधाओं से वंचित हैं।

रमेश बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल ने बेहतर शिक्षा मॉडल के नाम पर कुछ चुनिंदा स्कूलों को चमकवा कर विज्ञापनों के माध्यम से दिल्ली की जनता को गुमराह किया, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि आज भी सरकारी स्कूलों में एक-एक सेक्शन में 64 से अधिक बच्चे बैठते हैं व टीन के बने शेडों में पढ़ते हैं। बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर 900 मोहल्ला क्लीनिक खोले जाने थे, सिर्फ कुछ दिखावे के लिए क्लीनिक खोले गए और विज्ञापनों में उन्हें विश्वस्तरीय बताया गया। जबकि सच्चाई यह है कि मोहल्ला क्लीनिकों की स्थिति बद से बदतर है सुविधाओं के नाम पर उनमें कुछ भी नहीं है।

रमेश बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल दिल्ली की तरह अन्य राज्यों में जाकर लोगों को ठगने का कार्य कर रहे हैं। अभियान में जिला उपाध्यक्ष श्री रणवीर तंवर, जिला महामंत्री श्री पवन राठी व श्री रविन्द्र लोहिया सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

सांसद तथा विधायक के खिलाफ महापंचायत बुलाने का निर्णय, खेतों में तालाब का पानी घुसने से किसान परेशान

नई दिल्ली। पश्चिम दिल्ली में नजफगढ़ विधान सभा क्षेत्र के दिचाऊं कलां गांव में तालाब की दीवार नहीं होने से इसके पानी के खेतों में घुसने की वजह से किसान बहुत परेशान हैं और उन्होंने अब यहां के सांसद तथा विधायक के खिलाफ महापंचायत बुलाने का निर्णय किया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता और कांग्रेसी नेता डॉ नरेश कुमार ने आज इस मसले पर यहां के किसानों के साथ बातचीत करने के बाद पत्रकारों से कहा कि दिल्ली सरकार इन किसानों की मांगों पर विचार नहीं कर रही है जिसकी वजह से सैकड़ों किसान परेशान हैं। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों ने क्षेत्रीय भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा, विधायक कैलाश गहलोत, सिंचाई विभाग को अनेक बार पत्र लिखकर अपनी दशा से अवगत कराया है लेकिन कहीं भी कोई सुनवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के सांसद प्रवेश वर्मा को किसानों की समस्या से कोई लेना देना नहीं है और उन्होंने अपने पिता दिवंगत साहिब सिंह वर्मा का नाम मिट्टी में मिला दिया है। श्री वर्मा ने पूरे उत्तर भारत में एक किसान हितैषी नेता की पहचान बनाई थी लेकिन उनके पुत्र को लोगों की समस्याओं से कोई लेना देना नहीं हैं। डॉ कुमार ने कहा कि श्री प्रवेश वर्मा की असंवेदनशीलता का पता इसी बात से चलता है कि पिछले दिनों मुंडका में एक फैक्टरी में लगी आग में 27 से अधिक लोगों के मारे जाने के बाद भी वह अब तक वहां नहीं गए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा दिचाऊँ कलां के बिजेंद्र सिंह पुत्र मांगे राम ने दिल्ली सरकार के समक्ष एक आरटीआई भी डाली है लेकिन तालाब की समस्या से छुटकारा नहीं मिला है। कुमार ने कहा कि अगर किसानों की इस समस्या का अगर कोई हल नहीं निकला तो आने वाले दिनों में सांसद प्रवेश वर्मा और विधायक कैलाश गहलोत के खिलाफ महापंचायत बुलाकर उन्हें बेनकाब किया जाएगा ताकि उनका किसान विरोधी असली चेहरा जनता के सामने लाया जा सके।

दिल्ली-एनसीआर में झपटमारी करने वाले तीन गिरफ्तार

एजेंसी

गुरुग्राम। दिल्ली, गुरुग्राम व फरीदाबाद में झपटमारी की वारदातों को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को अपराध शाखा सेक्टर-39 की टीम ने गिरफ्तार किया है।

आरोपी के कब्जे से 35 हजार रुपये नगद, एक सोने की चेन, सोने को पिघलाने वाला सिलेंडर व दिया भारी बरामद किया है।

आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस ने पूछताछ के लिए दो दिन की रिमांड पर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार तीन अप्रैल को एक महिला ने सेक्टर-50 थाना में शिकायत देकर बताया था कि वो दो अप्रैल को अपने पति व बेटी के साथ यूनिटेक आर्केडिया मार्केट में शॉपिंग करने गई थी। वहां से बाहर निकल कर जब वो घर जा रहे थे तो मोटरसाईकिल पर सवार होकर आए युवकों ने इसके गले से सोन की चेन झपट ली थी और फरार हो गए थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था।

इस मामले में आगे कार्रवाई करते हुए सेक्टर-39 अपराध शाखा की टीम ने अलीगढ़ निवासी 27 वर्षीय संदीप रावल, दिल्ली से संगम विहार निवासी 35 वर्षीय अरविंद सोनी और उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर निवासी 24 वर्षीय ईश्वर पाल को बुधवार को गिरफ्तार किया।

आरोपी संदीप व अरविंद सोनी को देवली रोड गांव खानपुर दिल्ली से और ईश्वर को गांव सकतपुर से गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों को अदालत में पेश कर दो दिन की रिमांड पर लिया गया है।

मोदी सरकार निगमों में भाजपा के 15 साल के कुशासन से पैदा भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए एमसीडी को फण्ड मुहैया करे : चौ. अनिल कुमार

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली के एकीकृत नगर निगम के विशेष अधिकारी और आयुक्त की सर्वोच्च प्राथमिकता हो कि केंद्र की मोदी सरकार से निगम के लिए पर्याप्त फंड की व्यवस्था करे जो एमसीडी में भाजपा के 15 साल शासन ने 16,000 करोड़ रुपये से अधिक की सामूहिक देनदारी अदायगी नहीं की हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी ने मिलकर एमसीडी को इतना कंगाल बना दिया है कि ईस्ट एमसीडी ने पांच महीने और नॉर्थ एमसीडी ने तीन महीने का अपने कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया है।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि मोदी सरकार ने न केवल निगम की शक्तियों को हड़पने के लिए बल्कि अपनी पार्टी भाजपा के खिलाफ एक मजबूत सत्ता-विरोधी लहर को भांपते हुए, एमसीडी चुनावों में देरी करने के लिए एमसीडी को जल्दी से एकीकृत किया, क्योंकि अगर एमसीडी चुनाव होते तो लोग भाजपा को सत्ता से बाहर कर देते।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने एमसीडी के साथ सौतेला व्यवहार किया है क्योंकि दिल्ली नगर निगम को केंद्रीय बजट में कोई फंड आवंटन नहीं किया गया है जबकि देश की अन्य सभी नगर पालिकाओं को फंड का आवंटन किया गया है।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने लोगों से रिश्वत लेकर अनाधिकृत निर्माण की अनुमति देकर भ्रष्टाचार को एक नए स्तर पहुंचा दिया है, लेकिन भाजपा और आप नेताओं को रिश्वत देने वाले गरीब लोगों को अब भाजपा द्वारा बुलडोजर से भारी कीमत चुकानी पड़ रही है, गरीबों के घरों और दुकानों को गैरकानूनी तरीके से गिराया जा रहा है।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि भाजपा और आप सरकार ने बिना अग्नि सुरक्षा मंजूरी के भवनों को पानी और बिजली के कनेक्शन दिए, और उचित अग्नि सुरक्षा उपकरणों के बिना इमारतों को आग की मंजूरी दी गई, जिसके परिणामस्वरूप कई इमारतों में भयंकर आग की घटनाऐं घटीत हुई और अभी हाल ही में मुण्डका में लगी आग ने सभी के दिलों को दहला कर रख दिया है जिसमें लगभग 27 लोग अपनी जान गवां चुके है।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि गाजीपुर जैसे कूड़े के पहाड़ी लैंडफिल को समतल करने के लिए एमसीडी में भारी भ्रष्टाचार हुआ है, यह इस बात से स्पष्ट है कि औपचारिक प्रभार लेने से पहले ही विशेष अधिकारी और आयुक्त ने अधिकारियों को उच्च क्षमता वाली ट्रॉमेल मशीन लगाने के निर्देश दिए हैं ताकि सफाई की जा सके।

उन्होंने कहा कि लैंडफिल में बार-बार आग लगाने से न केवल हवा प्रदूषित हो रही थी बल्कि भूजल को प्रदूषित करने के अलावा लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य खतरा भी पैदा हो रहा था।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि एमसीडी में भाजपा द्वारा अपने 15 साल के कुशासन के दौरान पैदा की गई गड़बड़ी को तभी बदला जा सकता है जब भाजपा और आप नेताओं के हस्तक्षेप न हो और ईमानदारी और पारदर्शी तरीके से काम किया जाए।

बीजेपी एमसीडी की फिर दिल्ली की सड़कों को जलमग्न करने की तैयारी, नालों की सफाई की कोई तैयारी नहीं

भाजपा शासित एमसीडी को अबतक जेसीबी की व्यवस्था कर लेनी चाहिए थी लेकिन उन्होंने इसकी शुरुआत तक नहीं की है : दुर्गेश पाठक

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी नालों की सफाई ना करके दिल्ली को इस वर्ष भी जलमग्न करना चाहती है। दिल्ली में मॉनसून कभी भी आ सकता है लेकिन भाजपा ने अपने अंतर्गत आने वाले नालों की सफाई अबतक शुरू नहीं की है। उन्होंने कहा कि नालों की सफाई के लिए जेसीबी की कमी के कारण बीजेपी एमसीडी को जेसीबी किराए पर लेना पड़ता है। भाजपा शासित एमसीडी को अबतक जेसीबी की व्यवस्था कर लेनी चाहिए थी लेकिन उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया की शुरुआत तक नहीं की है। दुर्गेश पाठक ने भाजपा शासित एमसीडी से 60 फुट से छोटे सभी नालों की जल्द से जल्द सफाई कराने की मांग की है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में 5 जून के बाद कभी भी मॉनसून आ सकता है। पिछले कई सालों से हम देख रहे हैं कि भाजपा की एमसीडी के कारण दिल्ली बारिश के पानी से सराबोर हो जाती है। आपलोगों ने ऐसे कई वीडियो और फोटो देखे होंगे जिसमें बसों के अंदर तक पानी पहुंच जाता है। पिछले साल इसी कारण से एक साथी का देहांत हो गया था। दुर्गेश पाठक ने कहा कि दिल्ली में 60 फुट व उनसे छोटे सभी नाले भाजपा शासित एमसीडी के अंतर्गत आते हैं। मॉनसून में सिर्फ 10-15 दिनों का समय बचा है। जहां इन नालों-नालियों की सफाई का काम अबतक खत्म हो जाना चाहिए था, एमसीडी ने सफाई की शुरुआत तक नहीं की है। छोटे-बड़े सभी नालों के लिए 1000 से अधिक संख्या में जेसीबी की आवश्यकता पड़ती है। तीनों निगमों को मिलाकर भी उनके पास 50 से अधिक जेसीबी उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए आवश्यकता अनुसार जेसीबी को किराए पर लिया जाता है, जिसमें कुछ वक्त लगता है। यह काम अबतक हो जाना चाहिए था लेकिन भाजपा ने इस प्रक्रिया की तक शुरुआत नहीं की है। एमसीडी प्रभारी ने कहा कि मैं भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से पूछना चाहता हूं कि क्या आप दिल्ली को फिर से जलमग्न करना चाहते हैं? जिस प्रकार पिछले साल की बारिश में करोलबाग की झुग्गियां बह गई थीं, क्या आप वैसा वाक्या फिर से दोहराना चाहते हैं? आप दिल्लीवालों की जिंदगी के साथ खेल रहे हैं। अभी भी 10-15 दिनों का वक्त बचा है तो मैं भाजपा शासित एमसीडी के लोगों से कहना चाहता हूं कि राजनीति छोड़ थोड़ा काम पर ध्यान देना शुरु करें। भाजपा शासित एमसीडी से मेरा आग्रह है कि 60 फुट से छोटे जितने भी नालें हैं, उनकी जल्द से जल्द सफाई करें। यदि ऐसा नहीं होता है तो यह दिल्लीवालों के साथ बहुत बड़ा धोखा होगा।

अब दिल्ली सरकार पेट्रोल 10 रुपए और डीजल 15 रुपए लीटर करे सस्ता: बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने केजरीवाल सरकार से मांग की है कि वह वैट कम करके डीजल की कीमतों में 15 रुपए और पेट्रोल की कीमतों में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती करे। अगर केजरीवाल सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक सप्ताह में कटौती नहीं की तो भाजपा आन्दोलन चलाने के लिए मजबूर होगी। आज बदरपुर में भाजपा के पोल-खोल अभियान के दौरान बिधूड़ी ने घर-घर जाकर दिल्ली की सरकार की असफलताओं को उजागर किया। खासतौर पर केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल की कीमतों में की गई कटौती जनता ने काफी तारीफ की। बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल सरकार लगातार तीसरी बार संकट के समय जनता के साथ खड़े होने में विफल साबित हो रही है। बदरपुर में एक आम सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने एक बार फिर उत्पाद शुल्क में कमी कर दी है जिससे दिल्ली में पेट्रोल 9.50 रुपए प्रति लीटर और डीजल सात रुपए प्रति लीटर सस्ता हो गया है। केंद्र सरकार ने राज्यों से अनुरोध किया है वह भी अपने वैट में कमी करे ताकि जनता को महंगाई से निजात दिलाई जा सके।नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 2018 में भी केंद्र सरकार इसी तरह जनता को पेट्रोल-डीजल की महंगाई से जनता को राहत देने के लिए आगे आई थी और पेट्रोल व डीजल का उत्पाद शुल्क 5 रुपए प्रति लीटर कम करके राज्य सरकारों से भी ऐसा ही करने का अनुरोध किया था। तमाम पड़ोसी राज्यों ने केंद्र के फैसले का अनुसरण किया था, लेकिन दिल्ली सरकार ने तब ऐसा करने से इनकार कर दिया। इसके बाद नवंबर 2021 में भी केंद्र सरकार ने डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर उत्पाद शुल्क में कटौती की। दिल्ली सरकार ने डीजल पर कोई भी कटौती करने से इनकार कर दिया। अब तीसरी बार केंद्र सरकार ने उत्पाद शुल्क कम किया और दूसरी राज्य सरकारें ऐसे में जनता को राहत देने के लिए आगे आ रही हैं लेकिन दिल्ली सरकार ने अभी ऐसा कोई कदम नहीं उठाया। बिधूड़ी ने कहा कि अब दिल्ली सरकार पेट्रोल की कीमत में कम से कम 10 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत में कम से कम 15 रुपए प्रति लीटर की कटौती करे ताकि जनता का जीवन सुगम हो सके। उन्होंने कहा कि यों तो दिल्ली सरकार राजधानी में पीने का पानी मुहैया कराने में असफल साबित हुई है, पब्लिक ट्रांसपोर्ट में पूरी तरह फेल हुई है, दिल्ली की सड़कों की हालत बहुत खराब है, स्कूलों में प्रिंसिपल और टीचर्स नहीं हैं और अगले मानसून में फिर से दिल्ली के डूबने का खतरा बना हुआ है-तो भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी करके केजरीवाल सरकार जनता को कुछ राहत तो दे ही सकती है।

भोंडसी जेल में क्षय रोगियों की पहचान के लिए अभियान चलाया

गुरुग्राम। भोंडसी जेल में बंद दो कैदियों की गत दिनों में बीमारी से मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। दोनों ही बंदी क्षय रोगी थे, जिनकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद जिला स्वास्थ्य विभाग ने भोंडसी जेल में बंद कैदियों में से क्षय रोगियों की पहचान के लिए अभियान शुरू कर दिया है। शनिवार को विभाग के चिकित्सकों की एक टीम भोंडसी जेल गई और कुछ मरीजों की जांच की।

सभी बैरेक में बंद कैदियों में अब क्षय रोग के लक्षणों की पहचान की जाएगी। यदि किसी में भी खांसी व बुखार के लक्षण मिलेंगे तो उनके नमूने लेकर जांच के लिए भिजवाए जाएंगे।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी अनुसार भोंडसी जेल में क्षय रोग से पीड़ित कुल 17 कैदी बंद थे। इनमें से दो कैदियों का क्षय रोग का कोर्स पूरा हो चुका है और वह अब स्वस्थ हैं। वहीं 12 कैदियों का क्षय रोग का इलाज अभी चल रहा है, लेकिन उसकी तबीयत में पहले से सुधार है। जबकि क्षय रोग से पीड़ित तीन कैदियों की मौत हो गई है। जिनमें से दो की मौत हाल ही में हुई है।

संपादकीय

क्रांतिकारी भगवतीचरण वोहरा की याद मे

भगत सिंह के महत्वपूर्ण साथी भगवतीचरण वोहरा का जन्म 4 नवंबर, 1903 को लाहौर में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है। वे एक गुजराती ब्राह्मण थे। उनके पिता पंडित शिवचरण वोहरा रेलवे में एक उच्च पदस्थ अधिकारी थे। उन्हें अंग्रेजों द्वारा रायसाहब की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया था। चूंकि उस समय टाइपराइटर नहीं था, इसलिए भगवती चरण के दादाजी आगरा को जीवन निर्वाह के लिए लिखते (किताबत) थे। उनके पूर्वज गुजरात से आगरा और आगरा से लाहौर चले गए। उपनाम वोहरा (संस्कृत मूल- व्यूह) का अर्थ उर्दू में व्यापारी भी है। माना जाता है कि भगवतीचरण के परिवार ने अपना अंतिम नाम खो दिया था क्योंकि उन्होंने लाहौर के मुस्लिम-बहुल इलाके में ब्राह्मण के रूप में अपनी नौकरी छोड़ दी थी। भगवती चरण के दादाजी के बारे में एक मजेदार कहानी है। उस समय वह एक रुपया प्रतिदिन कमाते थे, और एक रुपया कमाने के बाद वह काम करना बंद कर दिया करते थे। डेढ़ सौ साल पहले आज की तरह असुरक्षा और लालच नहीं था। 1918 में, जब वह सिर्फ 14 साल के थे, उनके माता-पिता ने उनकी शादी 11 वर्षीय दुर्गावती देवी से कर दी, जिन्होंने 5 वीं कक्षा तक पढ़ाई की थी।

विज्ञान विषयों में इंटर के बाद भगवतीचरण वोहरा असहयोग आंदोलन में कूद पड़े। इस आंदोलन में भगतसिंह, सुखदेव आदि भी थे। लेकिन चौरीचौरा हिंसा के बाद गांधीजी ने जिस एकतरफा तरीके से आंदोलन वापस ले लिया उससे युवाओं मे निराशा का माहौल फ़ेल गया। उसके बाद वोहरा ने लाहौर के नेशनल कॉलेज से बीए किया। वहां उनकी मुलाक़ात भगत सिंह और कई अन्य सहयोगियों से हुई। भगतसिंह और सुखदेव इसके मुख्य सदस्य थे जिन्होंने %देश की गुलामी और मुक्ति का सवाल' नामक एक अध्ययन समूह चलाया। नौजवान भारत सभा का गठन 1923 में भगत सिंह की पहल पर हुआ था। भगवती चरण को उस संगठन का प्रचार सचिव नियुक्त किया गया। नौजवान भारत सभा का कार्य लोगों में क्रांतिकारी विचारों का प्रसार करना था। भगवती चरण, भगत सिंह, सुखदेव, धन्वंतरी, एहसान इलाही, पिंडीदास सोढ़ी बैठक की योजना बनाने से लेकर बैठक तक ले जाने तक सभी काम करते थे। संगठन राजनीतिक व्याख्यानों के अलावा सामाजिक भोज का आयोजन करता था। इसमें सभी धर्मों और जातियों के लोगों को एक साथ बैठकर खिचड़ी जैसा सादा भोजन करने के लिए आमंत्रित किया गया था। नौजवान भारत सभा ने जानबूझकर वंदे मातरम, सत-श्री अकाल, अल्लाहु अकबर के नारों के बजाय इंकलाब जिंदाबाद, जय हिंद, हिंदुस्तान जिंदाबाद के व्यापक और धर्मनिरपेक्ष नारों का उपयोग करने का फैसला किया।

भगत सिंह हमेशा अपनी जेब में क्रांतिकारी करतार सिंह सराभा की एक छोटी सी तस्वीर रखते थे, जिन्हें 1914 में गदर आंदोलन के दौरान फांसी दी गई थी। नौजवान भारत सभा ने एक बार हिम्मत करके लाहौर के ब्रैडली हॉल में सराभा के लिए एक स्मृति कार्यक्रम का आयोजन किया। भगवती चरण ने अपने पैसे का इस्तेमाल एक छोटी सी तस्वीर से बड़ी तस्वीर बनाने के लिए किया। तस्वीर के ऊपर सफेद खादी का पर्दा लटका हुआ था। इस समय भगवती चरण के मुख्य भाषण ने पूरे माहौल को अभिभूत कर दिया। उनकी पत्नी दुर्गावती और सुशीला दीदी नामक एक नौजवान भारत सभा कार्यकर्ता ने उनकी उंगली काटकर, अपने खून के छींटें उस सफेद पर्दे पर बिखेर दिए और मरने तक स्वतंत्रता के लिए काम करने की शपथ ली।

समाज की कुरीतियों को दूर कर आधुनिक भारत की नींव रखने वाले राजा राममोहन राय

निधि अविनाश

18वीं शताब्दी के अंतिम वर्षों के दौरान, रॉय ने ईस्ट इंडिया कंपनी के लिए कलकत्ता में काम करने वाले अंग्रेजों को पैसा उधार देना शुरू किया, जबकि अंग्रेजी अदालतों में ब्राह्मण विद्वान के रूप में अपना काम जारी रखा और ग्रीक और लैटिन का अध्ययन करना शुरू किया।

बंगाल के हुगली जिले के राधानगर में संस्कृत, फारसी और अंग्रेजी भाषाओं के एक महान विद्वान राजा राममोहन राय का जन्म 22 मई, 1772 को हुआ था। रॉय की प्रारंभिक शिक्षा गाँव के स्कूल में शुरू हुई जहाँ उन्होंने बंगाली और कुछ संस्कृत सीखी। माना जाता है कि बाद में, वह पटना के एक मदरसे में शामिल हो गए, जहाँ उन्होंने फ़ारसी और अरबी की शिक्षा हासिल की। बाद में वह काशी चले गए, जहाँ उन्होंने संस्कृत और हिंदू पवित्र पुस्तकों जैसे वेदों और उपनिषदों का अध्ययन किया, उन्होंने बहुत बाद में अंग्रेजी भी सीखी।

कॅरियर

18वीं शताब्दी के अंतिम वर्षों के दौरान, रॉय ने ईस्ट इंडिया कंपनी के लिए कलकत्ता में काम करने वाले अंग्रेजों को पैसा उधार देना शुरू किया, जबकि अंग्रेजी अदालतों में ब्राह्मण विद्वान के रूप में अपना काम जारी रखा और ग्रीक और लैटिन का अध्ययन करना शुरू किया। 1803 से 1815 तक, उन्होंने मुर्शिदाबाद में अपीलीय न्यायालय के रजिस्ट्रार थॉमस वुडरोफ के लिए एक मुंशी के रूप में काम किया। रॉय ने पद से इस्तीफा दे दिया और फिर ईस्ट इंडिया कंपनी के कलेक्टर जॉन डिग्बी के लिए काम किया। उन्होंने अनुमान लगाया कि भारत में एकत्रित कुल राजस्व का लगभग आधा इंग्लैंड भेजा जाता था। 1810 और 1820 के बीच, उन्होंने धर्म और राजनीति सहित कई विषयों पर कई रचनाएँ प्रकाशित कीं। 1830 में, राममोहन राय ने मुगल साम्राज्य के एक राजदूत के रूप में यूनाइटेड किंगडम की यात्रा की। इसके अलावा, उन्होंने ब्रिटिश सरकार को मुगल सम्राट के वजीफे को 30,000 पाउंड तक बढ़ाने के लिए राजी किया।

सामाजिक सुधार

1828 में, रॉय ने ब्रह्म समाज की स्थापना की, जो हिंदू धर्म का एक सुधारवादी आंदोलन था, जिसका उद्देश्य समाज में प्रचलित सामाजिक बुराइयों से लड़ना था। उन्होंने अंधविश्वासी प्रथाओं, सती प्रथा, बहुविवाह, बाल विवाह, जाति व्यवस्था की कठोरता और इसकी ज्यादतियों का विरोध किया और महिलाओं के लिए संपत्ति के उत्तराधिकार की मांग की। सती से लड़ने में अपनी कड़ी मेहनत के परिणामस्वरूप, बंगाल प्रेसीडेंसी के गवर्नर लॉर्ड विलियम बेंटिक ने औपचारिक रूप से 4 दिसंबर, 1829 में इस प्रथा पर प्रतिबंध लगा दिया।

शैक्षिक सुधार

रॉय, जो शिक्षा को सामाजिक सुधार का एक प्रभावी माध्यम मानते थे, भारत में पश्चिमी शिक्षा को शुरू करने के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने डेविड हरे के सहयोग से 1817 में कलकत्ता में हिंदू कॉलेज सहित कई संस्थानों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने 1830 में स्कॉटिश चर्च कॉलेज की स्थापना में भी मदद की। उनकी पत्रिका, सांबद कौमुदी जो विभिन्न विषयों को छूती थी, बहुत लोकप्रिय थी।

मौत

ब्रिटेन की यात्रा के दौरान, उन्हें मेनिन्जाइटिस का पता चला था और 27 सितंबर, 1833 को ब्रिस्टल के उत्तर-पूर्व में स्टेपलटन में उनकी मृत्यु हो गई थी। उन्हें दक्षिणी ब्रिस्टल में अर्नोस वेले सिमेट्री में दफनाया गया था। हाल ही में, ब्रिटिश सरकार ने महान सुधारवादी की स्मृति में ब्रिस्टल में एक सड़क का नाम भी रखा है।

परवानों को बुलाते हैं शम्मा दिखा के हम

तनवीर जाफ़री

गांधीवादी सिद्धांतों व विचारधारा पर चलने वाली कांग्रेस पार्टी देश की स्वतंत्रता से लेकर अब तक दुर्भाग्यवश अनेक बार विभाजित हो चुकी है। ब्रह्मानंद रेड्डी से लेकर बाबू जगजीवन राम, हेमवती नंदन बहुगुणा,नारायण दत्त तिवारी,मोहसिना क़िदवई,देव राज अर्स,ममता बनर्जी और शरद पवार जैसे और भी अनेक बड़े से बड़े नेताओं ने कांग्रेस पार्टी से समय समय पर किसी न किसी मतभेद के चलते अपना नाता तोड़ा। परन्तु चूँकि यह नेता गांधीवादी व धर्मनिरपेक्ष विचारधारा पर चलने वाले तथा व्यक्तिगत जनाधार रखने वाले नेता थे लिहाज़ा इन्होंने सत्ता हासिल करने के लिये किसी धुर विरोधी विचारधारा की दक्षिणपंथी पार्टी में शामिल होने के बजाये स्वयं अपना संगठन खड़ा किया। परन्तु वर्तमान दौर में जबकि बेरोज़गारी व मंहगाई अपने चरम पर है देश की अर्थव्यवस्था चौपट होने की कगार पर है। डॉलर के मुक़ाबले रुपया अपने रिकार्ड स्तर तक गिर चुका है।

सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के पास अपनी साख बचाने के केवल दो ही उपाय हैं जिनके सहारे वह जनता में विशेषकर देश के बहुसंख्य समाज में लोकप्रिय बने रहने की कोशिश कर रही है।

एक तो मुख्यधारा के मीडिया विशेषकर टी वी चैनल्स को अपने पक्ष में कर सत्ता के क़सीदे पढ़वाना और समाज को धर्म के आधार पर विभाजित करने की पूरी छूट देना तथा दूसरे विवादित अविवादित धार्मिक मुद्दों को हवा देकर लोगों की धार्मिक भावनाओं को उकसाकर तथा धार्मिक विवाद पैदा कर धर्म आधारित ध्रुवीकरण कर बहुंसख्यवाद की राजनीति करना। भारतीय जनता पार्टी इस रास्ते पर चलते हुये भले ही स्वयं को संख्याबल के हिसाब से मज़बूत स्थिति में क्यों न पा रही हो परन्तु देश का एक बड़ा वर्ग ख़ासकर पढ़ा लिखा,गंभीर चिंतन करने वाला वर्ग,उदारवादी समाज यहाँ तक कि विदेशी मीडिया व अनेक विदेशी राजनेता भी भरतीय राजनीति की वर्तमान शैली की आलोचना करते रहते हैं।

इस वर्ग का मानना है कि जो भारतवर्ष गाँधी का भारत कहा जाता है,जिस गाँधी के सत्य,अहिंसा के सिद्धांत की पूरी दुनिया क़ायल हो व अनुसरण करती हो,उस देश में गाँधी के हत्यारे गोडसे की विचारधारा का पनपना और सत्ताधारी नेताओं व उनके समर्थकों द्वारा गोडसे का गुणगान किया जाना आख़िर क्या सन्देश दे रहा है ?

और इसी सन्दर्भ में दूसरा सबसे बड़ा सवाल यह कि उपरोक्त हालात के बावजूद आख़िर क्या वजह है कि एक और जहाँ सत्ताधारी दल के क़द्दावर मंत्री नितिन गड़करी तक यह महसूस कर रहे हों कि-%स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कांग्रेस का मज़बूत होना ज़रूरी है और यह उनकी ईमानदारी से इच्छा है कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर मज़बूत बने। लोकतंत्र दो पहियों के सहारे चलता है जिनमें से एक पहिया सत्ताधारी पार्टी है जबकि दूसरा पहिया विपक्ष है। लोकतंत्र के लिए मज़बूत विपक्ष की ज़रूरत है और इसलिए मैं हृदय से महसूस करता हूं कि कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर मज़बूत होना चाहिए %। गडकरी का यह भी कथन है कि -%चूंकि कांग्रेस कमज़ोर हो रही है, अन्य क्षेत्रीय पार्टियां उसका स्थान ले रही हैं,यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है कि अन्य क्षेत्रीय पार्टियां कांग्रेस का स्थान लें।

सवाल यह है कि जब सत्ता पक्ष का एक क़द्दावर नेता व केंद्रीय मंत्री कांग्रेस के बारे में ऐसी उम्मीद व विचार रख रहा हो ऐसे में क्या वजह है कि आये दिन कांग्रेस का ही कोई न कोई प्रमुख नेता किसी न किसी बहाने से न केवल कांग्रेस छोड़ रहा है बल्कि कांग्रेस की धुर विरोधी विचारधारा रखने वाली भारतीय जनता पार्टी में ही शामिल भी हो रहा है ?

वे कांग्रेसी नेता जो संसद से सड़कों तक भाजपा को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संरक्षण में चलने वाली सांप्रदायिक,नाज़ीवादी,गाँधी की हत्यारी,गोडसे का गुणगान करने वाली देश को धर्म जाति भाषा आदि के नाम पर विभाजित करने वाली तथा अंग्रेज़ों से मुआफ़ी मांगने वाले नेताओं की पार्टी बताया करते थे,क्या वजह है कि आज वही नेता उसी भाजपा में शामिल हो रहे हैं ?

एक बात तो स्पष्ट हो चुकी है आज के दौर में कांग्रेस छोड़ भाजपा में जाने वाले नेताओं में गांधीवादी सिद्धांतों पर चलने अथवा वैचारिक प्रतिबद्धता नाम की कोई चीज़ बाक़ी नहीं रही है।

न ही उनमें इतना दम है कि वे अपने बल पर कोई नया राजनैतिक संगठन खड़ा कर सकें। इनके लिये इससे भी महत्वपूर्ण उनका राजनैतिक भविष्य अर्थात सत्ता में बने रहना है। यही वजह है कि कल तक गांधीवादी विचारधारा की माला जपने वाले और संघ व भाजपा को पानी पी पी कर कोसने वाले सुष्मिता देव,रीता बहुगुणा जोशी,हेमंत विस्वा सरमा,माणिक साहा,ज्योतिरादित्य सिंधिया,जितिन प्रसाद,आर पी एन सिंह जैसे और भी कई नेता और पिछले दिनों सुनील जाखड़ जैसे नेता उसी भाजपा में शामिल हो गये। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तो मध्य प्रदेश में अपने समर्थक विधायकों के साथ कांग्रेस पार्टी छोड़ कर मध्य प्रदेश में कांग्रेस की कमल नाथ सरकार तक गिरा दी और राज्य में भाजपा सरकार बनने रास्ता साफ़ किया।

ज़ाहिर है जब कांग्रेस पार्टी में ही ऐसे रीढ़ विहीन सिद्धांत विहीन तथा विचार विहीन सत्ताभोगी नेताओं की भरमार हो तो कांग्रेस को रसातल में जाने से भला कौन बचा सकता है। कांग्रेस और भाजपा के इस अंतर से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि जहाँ कांग्रेस पार्टी ने अपने गठन से लेकर अब तक पार्टी विभाजन में कीर्तिमान स्थापित किये हैं और नेताओं के दल बदल व पलायन में भी रिकार्ड बनाये हैं वहीँ भाजपा, जनसंघ से लेकर आज की भाजपा तक कभी विभाजित नहीं हुई। और नेताओं के पार्टी छोड़ने का भी सिलसिला नाम मात्र ही रहा। नि: संदेह भाजपा इस मामले अति अनुशासित कैडर्स पर आधारित पार्टी है।

उत्तरांचल,गुजरात,त्रिपुरा जैसे विभिन्न राज्यों में मुख्यमंत्रियों को रातों रात बदलने के बावजूद कोई नेता विद्रोही स्वर नहीं बुलंद कर सका। जबकि कांग्रेस में कमलनाथ बनाम सिंधिया,कैप्टन अमरेंद्र सिंह बनाम नवज्योत सिंह सिद्धू और अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट खींचतान के नतीजे सबके सामने हैं।

कांग्रेस के नेताओं के भाजपा में शामिल होने की दूसरी महत्वपूर्ण वजह यह भी है कि भाजपा अपने अनुशासित कैडर्स पर भरोसा रखते हुए कभी आसाम में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुये हेमंत बिस्वा सरमा को मुख्यमंत्री पद दे देती है तो कभी त्रिपुरा में अपनी पार्टी के विप्लव कुमार देव को हटाकर कर कांग्रेस से ही भाजपा में आये माणिक साहा को रातों रात मुख्य मंत्री बना देती है। कभी मणिपुर में कांग्रेस से आये एन बीरेन सिंह को मुख्यमंत्री बनाती है, कभी ज्योतिरादित्य सिंधिया को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करती है तो कभी रीता बहुगुणा को मंत्री बनाती या लोकसभा का टिकट देकर सांसद निर्वाचित कराती है तो कभी जतिन प्रसाद को मंत्री बनाती है। इस तरह के और भी अनेक उदाहरण हैं जिनसे पता चलता है कि भाजपा के इसतरह के आकर्षक ऑफ़र्स भी कांग्रेस नेताओं के लिये भाजपा की पनाहगाह बनने में सहायक साबित हो रहे हैं। हर सिद्धांत व विचारविहीन नेता यही सोचता है कि भाजपा में जाते ही सत्ता हासिल हो जायेगी।

गोया भाजपा अपनी रणनीति में सफल दिखाई देती है कि बक़ौल शायर परवानों को बुलाते हैं शम्मा दिखा के हम।

आखिर क्यों कहते है लोग बच्चे मन के सच्चे होते है....

बच्चे मन के सच्चे होते हैं। इनका मन कोरे कागज की तरह होता है। हम जो छाप बच्चों के मन मस्तिष्क पर डालेंगे उसका असर आजीवन दिखेगा। बच्चों को संस्कारवान, गुणवान, चरित्रवान व देश का योग्य नागरिक बनाना हम सबका अहम दायित्व है। हम बच्चों को जिम्मेदार बना रहे हैं। इसका असर भी दिख रहा है। योग्य नागरिक बनने के लिए बच्चों को शिक्षा व अपने कार्यों का आत्मावलोकन कर बुद्धिमता का हर क्षण प्रयोग करना होगा।

बच्चों को खेलने, पढ़ने व बोलने में पूरी आजादी दें तो बच्चों में निश्चित रूप से विकास होगा। हमें बच्चों की भावनाओं का भी कद्र करना होगा। इन्हें अबोध व छोटा समझकर यूं ही टाल देने के निर्णय पर विराम लगाना होगा।

बच्चों की मांगों को सहज रूप से नहीं टाल देना चाहिए। अन्यथा इनके कोमल मन मस्तिष्क पर नकारात्मक प्रभाव पडेगा। अभिभावक बच्चों के कार्यों का मूल्यांकन करते हुए हर पल इनके सहयोग में लगे रहें तो स्कूल व घर के आपसी सामंजस्य से बच्चों की शैक्षणिक यात्रा की मंजिल सहज ही पूरी हो जाएगी।

बच्चों में बुद्धिमता बड़ों से तनिक भी कम नहीं होती। इनकी सोच, इनकी परिकल्पना का दायरा भले ही सीमित होता, लेकिन अपने सीमित दायरे में भी इनकी सोच औरों की तरह ही होती। इनके कोमल मन मस्तिष्क से भय दूर करना, इन्हें आत्मविश्वासी बनाना, सोचने, निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना, खेलकूद व विभिन्न शिक्षणेत्तर गतिविधियों के माध्यम से इनको हम उम्र में बेहतर बनाना ही हम सबका का मूल मकसद है।जो मां-बाप चौबीस घंटो में दो घंटे को भी मौन होकर नहीं बैठते, उनके बच्चों के जीवन में मौन नहीं हो सकता। जो मां-बाप घंटे दो घंटे को घर में प्रार्थना में लीन नहीं हो जाते हैं, ध्यान में नहीं चले जाते हैं, उनके बच्चे कैसे अंतर्मुखी हो सकेंगे? बच्चे देखते है मां-बाप को कलह करते हुए, द्वंद्व करते हुए, संघर्ष करते हुए, लड़ते हुए, दुर्वचन बोलते हुए बच्चे देखते हैं, मां-बाप के बीच कोई गहरा प्रेम संबंध नहीं देखते, कोई शांति नहीं देखते, कोई आनंद नहीं देखते; उदासी,ऊब, घबड़ाहट, परेशानी देखते हैं। ठीक इसी तरह की जीवन दिशा उनकी हो जाती है।

बच्चों को बदलना हो तो खुद को बदलना जरुरी है। अगर बच्चों से प्रेम हो तो खुद को बदल लेना एकदम जरुरी है। जब तक आपके कोई बच्चा नहीं था, तब आपकी कोई जिम्मेवारी नहीं थी। बच्चा होने के बाद एक अदभुत जिम्मेवारी आपके ऊपर आ गई। एक पूरा जीवन बनेगा या बिगड़ेगा। और वह आप पर निर्भर हो गया। अब आप जो भी करेंगी उसका परिणाम उस बच्चे पर होगा।

अगर आप का बच्चा परीक्षा में अच्छे नम्बर लाता है तो बहुत अच्छी बात है, लेकिन अगर उसे ज्यादा माक??र्स न मिलें तो भी कोई बात नहीं। ऐसी स्थिति में आप उससे उसका आत्म विश्वास एवं उसका आत्म सम्मान न छीनें, उस पर कुठाराघात न करें। फिर देखियेगा, आपका बच्चा एक दिन परीक्षा क्या दुनिया भी जीत लेगा।

हमने अपने बच्चों को खेलते हुए देखना लगभग भुला दिया है। हम सब कुछ देखते हैं, बच्चों का खेल नहीं। आखिर ऐसा क्या है, इसे खेलने में जो हमें देखना चाहिए?

बच्चे अपनी इस दुनिया को पूरी तरह भुलाकर खेलते हैं। अपनी एक अलग ही सुंदर दुनिया की रचना कर लेते हैं। वे जब खेलते हैं, उन्हें अपनी भूख-प्यास की कतई चिंता नहीं रहती। वे लगभग अपनी भूख-प्यास को भुलाकर खेलते हैं। यह मगन रहना है, अपनी दुनिया में। वे अपनी आड़ी-तिरछी लाइनों को बनाएँगे तो इतना मगन होकर कि वह उनके आनंद में बदल जाती है। उनमें कोई आकांक्षा नहीं, महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि बनाने का आनंद है। क्या हम मगन रहते हुए यह आनंद हासिल कर पा रहे हैं?आप उन्हें देखिए। उनका खेल देखिए। वे एक-दूसरे का हाथ थामे खेलते हैं। कई ऐसे खेल हैं बच्चों के जो वे एक-दूसरे का हाथ थामकर खेलते हैं। उनमें सहज विश्वास होता है कि वे एक-दूसरे का हाथ थामे पकड़े रहेंगे। कभी छोड़ेंगे नहीं?

बड़े बुजुर्ग हमारे थिंक टैंक हैं

जनरेशन गैप की वर्तमान में बढ़ती समस्या- समाधान आपस में ढूंढना ज़रूरी

बच्चों और अभिभावकों में आपस में मैत्रिता का भाव जगाने की कोशिश होना चाहिए- एड किशन भावनानी

गोंदिया - जनरेशन गैप एक प्राकृतिक क्रिया है। इस दिशा में किए गए अध्ययनों से पता चला है कि एक पीढ़ी दूसरी पीढ़ी से अलग क्यों है? ऐसा कुछ है जो स्वाभाविक रूप से उनमें आता है और यह एक तरह से एक अच्छी बात है क्योंकि इस तरह से मानव प्रजाति विकसित हो रही है। परंतु इस तरह विकसित मानव प्रजाति से बड़े बुजुर्गों, जो हमारे थिंकटैंक हैं को कम आंकने की दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को रेखांकित करना जरूरी है। यह बात दूर तलक और पीढ़ियों तलक जाएगी, क्योंकि यह एक जीती जागती सत्यता वर्तमान समाज में दिख रही है।अत: आज हम जनरेशन गैप की वर्तमान बढ़ती समस्या और उसके समाधान आपस में ही ढूंढने पर अनेक तर्कों पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम जनरेशन गैप की करें तो, जनरेशन गैप तब होता है जब दो लोगों के बीच उम्र (एक पूरी पीढ़ी) का काफी अंतर होता है। यह अक्सर माता-पिता और बच्चों के बीच टकराव का एक कारण बन जाता है। जनरेशन गैप को दो अलग-अलग पीढ़ियों से संबंधित लोगों के बीच के विचारों और विचारधाराओं के अंतर के रूप में समझाया गया है। यह राजनीतिक विचारों, धार्मिक विश्वासों या जीवन के प्रति सामान्य दृष्टिकोण में अंतर हो सकता है।जनरेशन गैप तब होता है जब दो लोगों के बीच उम्र (एक पूरी पीढ़ी) का काफी अंतर होता है। यह अक्सर माता-पिता और बच्चों के बीच टकराव का एक कारण बन जाता है। जनरेशन गैप को दो अलग-अलग पीढ़ियों से संबंधित लोगों के बीच के विचारों और विचारधाराओं के अंतर के रूप में समझाया गया है। यह राजनीतिक विचारों, धार्मिक विश्वासों या जीवन के प्रति सामान्य दृष्टिकोण में अंतर हो सकता है।

साथियों वर्तमान बदलते आधुनिक परिवेश में आज की जनरेशन की पौराणिक कथाओ, कहानियों पर रुचि नहीं है पौराणिक परंपराओं, प्रथाओं, रीति-रिवाजों से भी बहुत बड़ा हिस्सा आज किनारा करने की कोशिश कर रहा है। मेरी यह निजी राय है कि इसका एक बहुत बड़ा कारण आज वर्तमान डिजिटल युग में विभिन्न मोबाइल ऐप्स और अनेक इलेक्ट्रॉनिक प्रोग्राम सहित वर्तमान परिवेश के की नशीली चीजें, खेल अब शामिल हैं जिसके कारण जनरेशन गैप के विपरीत में बहुत बड़ा बल मिला है, जिसके कारण बच्चे उनमें समाहित हो कर पुराने तौर-तरीकों को नापसंद करते हैं।

साथियों, एक सत्यता यह भी है कि, अगर आज के जमाने के बच्चे आधुनिकता से नहीं परिपक्व होते हैं तो समाज, रिश्तेदार और आस पड़ोस के लोग उन्हें पुराने विचारों और दब्बू किस्म के नौजवान समझते हैं।इन परिस्थितियों में हम अभिभावकों की जवाबदारी बहुत बढ़ जाती है। हमें अब जनरेशन गैप की कड़ी को समझना होगा याने बच्चे अनुशासन, मर्यादा, सटीक हो बिगड़े नहीं, इसके कारण अनेक आधुनिकता के सही प्रयासों में उनका साथ देना होगा।

अपने पुराने विचारों से कुछ हद तक पीछे हटना होगा।बच्चोंमें अगर असभ्य और अनैतिक आचरण समाहित है तो उनसे वह सख्ती से छुड़वाना होगा। याने आज के युग में पालकों को अभिभावकों को एक रणनीतिक के तहत बच्चों का मार्गदर्शक, दोस्त, साथी, सलाहकार सब बनना होगा। और उनसे ऐसा माहौल पैदा करना होगा कि उनके समझ में बात आ जाए कि मेरे अभिभावक जो कर रहे या कह रहे हैं वह सत्य है।

साथियों, बच्चों की उम्र का एक दौर ही ऐसा होता है कि, किसी भी परिस्थिति में हम उसका दोष कोई नहीं निकाल सकते क्योंकि एक निश्चित उम्र तक यह दौर ऐसा होता है कि हमारा बच्चा केवल बच्चा बनकर ही रहता है। आगे तो हमको ही सोचना होता है ,वह तो केवल बच्चा समझकर ही छूट जाता है। और जब उनकी उम्र का तकाजा परिपक्व हो जाता है तो, बात उन्हें समझ में आ जाती है। और इस परिपक्वता तक के समय का हर अभिभावक या पालक को संयमता से इंतजार करना होता है। बच्चों को मार्गदर्शन, अच्छी सीख, सलीका अच्छी आदतें, अच्छे विचार अच्छे कार्य, को सिखाने का काम करना होता है और आज के दौर में तो यह सब प्लानिंग और रणनीति के तहत करना होता है ताकि सटीकता से काम भी हो जाए और बच्चों की को हवा भी न लगे कि क्या हो रहा है। आज अगर हम अपने बचपन और अभिभावकों की बात करें, और तुलना करके देखें तो बहुत बड़ा फर्क हम महसूस करेंगे। क्योंकि दशकों पहले का दौर कुछ और था अभी वर्तमान दौर कुछ और है। हमारे अभिभावक जिस प्रकार से हमारे साथ कड़ाई, गुस्सा या दंड दिए जाने का दौर था और हम वर्तमान जनरेशन के साथ ऐसा नहीं कर सकते।

एक मेरी अपनी सोच और सटीक विचार है कि दशकों पूर्व अभिभावकों की अपनी नेक्स्ट जनरेशन में चलती थी, वह बात आगे हम अपने नेक्स्ट जनरेशन में नहीं चला सकते ,दूसरे शब्दों में दशकों पूर्व हम अपने अभिभावकों का बहुत सम्मान करते थे आज की जनरेशन में वह गुण कम दिखाई दे रहा है।

अत: अगर हम सभी मुद्दों की चर्चा के परिपेक्ष में विश्लेषण कर निष्कर्ष निकालेंगे तो हम पाएंगे कि वर्तमान जनरेशन के साथ हमको केवल अभिभावक, सटीक दोस्त, साथी ,बच्चा, मार्गदर्शक, सभी रूपों में उनके साथ खड़ा होना पड़ेगा उनकी नई सोच के साथ को कुछ हद तक हामी भरनी पड़ेगी ,और उनके विचारों के साथ कुछ हद तक खड़ा होना पड़ेगा ।परंतु यह विशेष ध्यान रखना होगा कि कहीं हमारे बच्चे मर्यादा की सीमा ना लांघे, अश्लील हरकतें ना करें सामाजिक व्यवस्था, आर्थिक सजगता, नैतिक मूल्य, स्कूल कॉलेज प्रशासन की मर्यादा, में कहीं भी चूक ना करें।

चालाक लोमड़ी!

भरी दोपहर में एक दिन लोमड़ी भटके,
कर रही थी भोजन की तलाश,
दिखे उसे बेल में अंगूर लटके,
किया उसे तोड़ने का प्रयास!

लालची लोमड़ी कहने लगी स्वयं से,
इन स्वादिष्ट अंगूर को मुझे है खाना,
लगाई उसने छलांग जम जम के,
थक हार के बैठी और किया बहाना!

उसने अपने मन को समझाया,
बहुत ऊंचाई पर है,इसमें मेरा क्या कसूर,
अपनी कमजोरी को छुपाया,
और कहां, यह तो अंगूर खट्टे होंगे जरूर!

अगर हम कुछ प्राप्त ना कर पाए,
कीमती वस्तु को तुच्छ साबित ना करें,
जीवन में परिश्रम करते जाए,
रहे आखरी तक अपने लक्ष्य पर अड़े!!

डॉ. माध्वी बोरसे!
(स्वरचित व मौलिक रचना)

शार्ट न्यूज

उज्ज्वला लाभार्थियों को सौगात, 200 रुपए मिलेगी रसोई गैस सब्सिडी

लखनऊ। अभी तक उज्जवला की सब्सिडी 35.25 रुपए आ रही थी। अब यह सब्सिडी 200 रुपये कर दी गई है। राजधानी में एक लाख 92 हजार 969 लाभार्थियों को इसका फायदा मिलेगा। राजधानी में मौजूदा समय 14.2 किलो वाले घरेलू सिलेंडर का दाम 1037.50 रुपए चल रहा है। अभी तक जो सब्सिडी मिल रही थी उसके बाद उज्ज्वला लाभार्थी को सिलेंडर 1,002.25 रुपये का पड़ रहा है। सब्सिडी के बाद यह सिलेंडर 837 रुपए 50 पैसे का पड़ेगा।

लखनऊ में 16 लोग कोरोना पॉजिटिव

लखनऊ। कोरोना का प्रकोप कम नहीं हो रहा है। रविवार को 16 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। 12 मरीजों ने वायरस को मात देने में कामयाबी हासिल की है। सक्रिय मरीजों के ग्राफ में भी कमी आ रही है। 103 सक्रिय मरीज हैं। सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल ने बताया कि सभी सक्रिय मरीज होम आईसोलेशन में हैं। 95 फीसदी मरीज बिना लक्षणों के हैं। जबकि पांच फीसदी मरीजों में हल्के सर्दी-जुकाम व बुखार के लक्षण हैं। उन्होंने बताया कि संक्रमित के संपर्क में आने वाले कम से कम 50 लोगों की जांच कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण के गंभीर खतरों से बचने के लिए बारी आने पर वैक्सीन की सभी डोज लगवाएं।

जनता को राहत देने को पेट्रोल-डीज़ल पर वैट कम करे योगी सरकार, मायावती की अपील

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि यूपी अब जनता को महंगाई से राहत देने के लिए पेट्रोल और डीज़ल पर वैट की दरें कम करे। उन्होंने रविवार को ट्वीट कर कहा है कि काफी समय बाद अब केन्द्र ने देश में हर तरफ बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी व तनाव आदि की मार से त्रस्त बदहाल जीवन जीने को मजबूर लोगों को पेट्रोल-डीजल के शुल्क में थोड़ी राहत दी है अब यूपी व अन्य राज्यों की जिम्मेदारी बनती है कि वे केन्द्र की बात मानकर इन पर तत्काल वैट कम करे। उन्होंने कहा है कि इसी प्रकार केन्द्र व राज्य की सरकारें, राजनीतिक स्वार्थ व आपसी नफा-नुकसान को त्यागते हुए, साथ मिलकर दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही इन राष्ट्रीय समस्याओं पर समुचित ध्यान दें, ताकि यहाँ आम जनजीवन सामान्य हो सके।

राशन कार्ड सरेंडर अथवा रिकवरी का कोई आदेश नहीं : खाद्य आयुक्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने रविवार को साफ किया है कि प्रदेश में राशन कार्ड सरंडेर करने अथवा उनके निरस्तीकरण के सम्बन्ध में कोई नया आदेश जारी नहीं किया गया है। मीडिया पर इस संबंध में प्रसारित भ्रामक व तथ्यों से परे खबरों का खण्डन करते हुए राज्य के खाद्य आयुक्त सौरव बाबू ने कहा कि राशनकार्ड सत्यापन एक सामान्य प्रक्रिया है जो समय समय पर चलती है। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड सरेंडर करने और पात्रता की नई शर्तों के संबंध में आधारहीन प्रचार हो रहा है। सत्यता यह है कि पात्र गृहस्थी राशनकार्डों की पात्रता / अपात्रता के सम्बन्ध में सात अक्टूबर, 2014 के शासनादेश के मानक निर्धारित किए गए थे जिसमें वर्तमान में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनान्तर्गत आवंटित पक्का मकान, विद्युत कनेक्शन, एक मात्र शस्त्र लाइसेंस धारक, मोटर साइकिल स्वामी, मुर्गी पालन / गौ पालन होने के आधार पर किसी भी कार्डधारक को अपात्र घोषित नहीं किया जा सकता है। इसी प्रकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 तथा प्रचलित शासनादेशों में अपात्र कार्डधारकों से वसूली जैसी कोई व्यवस्था भी निर्धारित नहीं की गयी है और रिकवरी के सम्बन्ध में शासन स्तर से अथवा खाद्यायुक्त कार्यालय से कोई भी निर्देश निर्गत नहीं किए गए है। उल्लेखनीय है कि विभाग सदैव पात्र कार्डधारकों को नियमानुसार उनकी पात्रता के अनुरूप नवीन राशनकार्ड निर्गमित करता है तथा एक अप्रैल, 2020 से अब तक प्रदेश में कुल 29.53 लाख नवीन राशनकार्ड विभाग द्वारा पात्र लाभार्थियों को जारी किए गए है।

अगले माह से देश में पशुओं के लिय मुफ्त एंबुलेंस सेवा

मेरठ। पशुपालन डेयरी और मत्स्य पालन राज्य मंत्री संजीव कुमार बालियान ने रविवार को कहा कि किसानों के पशुओं को घर दरवाजे पर मुफ्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से देश भर में अगले माह से एंबुलेंस सुविधा शुरू की जाएगी। बालियान ने हरित प्रदेश दुग्ध उत्पादक कंपनी का उद्घाटन करने के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पूरे देश में 4500 एंबुलेंस के माध्यम से यह सेवा शुरु की जाएगी । एंबुलेंस में एक चिकित्सक , एक फार्मासिस्ट और एक चालक होंगे । इस सेवा के माध्यम से पशुओं को किसानों के घर दरवाजे पर उपचार किया जाएगा और उसकी निगरानी भी की जाएगी। श्री बालियान ने बताया कि एंबुलेंस सेवा के लिए राज्यो को धन उपलब्ध करा दिया गया है। एक एंबुलेंस के लिए 16 लाख रुपए आवंटित किए गए हैं । इस सेवा पर 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि इस सेवा के लिय टोल फ्री नंबर होगा और एंबुलेंस जीपीएस प्रणाली से जुड़ा होगा । उत्तर प्रदेश को इस सेवा के लिय 450 एंबुलेंस उपलब्ध कराए जाएंगे। बालियान ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि देश में हरे और सूखे चारे कि भारी कमी है और इस कमी को दूर करने के लिय साइलेज उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है ।

एनटीपीसी संयंत्र में कोयला लेकर आयी मालगाड़ी में मिला शव

रायबरेली। उत्तर प्रदेश में रायबरेली के ऊंचाहार स्थित नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन (एनटीपीसी) में कोयला लेकर आई मालगाड़ी में युवक का शव बरामद होने से सनसनी फैल गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रविवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एनटीपीसी ऊंचाहार में कोयला लेकर आई मालगाड़ी में 35 वर्षीय अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ है। मालगाड़ी धनबाद से कोयला लेकर एनटीपीसी आयी थी। जब एनटीपीसी कर्मियों ने कोयला निकालने के उद्देश्य से मालगाड़ी के पास गए तो उसके एक डिब्बे में एक शव बरामद हुआ जिससे हड़कंप मच गया। मृतक की शिनाख्त नही हो पाई है तथा मृत्यु का कारण भी अज्ञात है। बताया गया कि मृतक देखने श्रमिक वर्ग का प्रतीत होता है जिसने चड्ढी पहन रखी थी और शव पर कोयला लगा था। ऊंचाहार इलाके की पुलिस सूत्रों का कयास है कि सम्भवत: मृतक कोयला चोरी के उद्देश्य से मालगाड़ी पर चढ़ा होगा और कहीं बिजली की लाइन जो ऊपर से जा रही होगी उसे छू गयी होगी जिससे उसकी मृत्यु हो गयी होगी क्यों कि प्रथम दृष्टया शव विशेषकर कंधा कुछ जला हुआ प्रतीत होता है हालांकि अभी पुलिस इस बार से इंकार नही कर रही है कि यह मात्र दुर्घटना है अथवा हत्या है। पुलिस शव की शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

शहजिल मामले की जांच क्राइम ब्रांच के हवाले

बरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ विवादित बयान देकर फंसे समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक शहजिल इस्लाम प्रकरण की जांच अब क्राइम ब्रांच करेगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण ने मामले की जांच क्राइम ब्रांच को स्थानांतरित कर दी है। बरेली के बारादरी थाने में दर्ज मुकदमे में शहजिल के साथ सपा के विशेष आमंत्रित सदस्य संजीव सक्सेना भी नामजद हैं। सजवाण ने रविवार को बताया कि भोजीपुरा से विधायक शहजिल और सपा जिला उपाध्यक्ष संजीव कुमार सक्सेना और अन्य अज्ञात के खिलाफ जिला प्रभारी हिंदू युवा वाहिनी अनुज वर्मा की ओर से चार अप्रैल को धारा 153 ए , 504 और 506 के तहत थाना बारादरी में मुकदमा दर्ज हुआ था। बंदूक से धुआं नहीं गोली निकलने.. वाले बयान और मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक बयांन को लेकर विधायक शहजिल इस्लाम आदि ने दर्ज एफआईआर से राहत पाने के लिये 22 अप्रैल को अग्रिम जमानत का आवेदन किया था जिसे एडीजे प्रथम ने नामंजूर कर दिया था। गौरतलब है कि बरेली विकास प्राधिकरण ने विधायक के बयान दिए जाने के बाद दिल्ली हाईवे पर स्थित स्वीकृत मानचित्र के बिना बने पेट्रोल पंप को गिरा दिया था।

मिड डे मील बनाने वाली रसोइयों का वेतन बढ़ा

5 लाख के बीमा लाभ के साथ अब हर माह मिलेंगे इतने रुपये

एजेंसी

गाजियाबाद। परिषदीय स्कूलों में बच्चों के लिए मिड-डे मील तैयार करने वाली रसोइयों को अब हर माह दो हजार रुपये मानदेय मिलेगा। प्रदेश स्तर से इस प्रस्ताव पर पहले ही मुहर लग चुकी है। अभी तक इन्हें 15 सौ रुपये का भुगतान किया जाता था। जुलाई से इन्हें बढ़े हुए वेतन के हिसाब से भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा दो साड़ियां और पांच लाख के बीमा का भी लाभ मिलेगा।

गाजियाबाद जनपद में 448 परिषदीय स्कूल हैं।

इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए मिड-डे मील तैयार करने के लिए 489 रसोइया तैनात हैं। पूरे माह खाना बनाने के बाद इन रसोइयों को अभी तक केवल 1500 रुपये का भुगतान किया जाता है।

अल्प मानदेय पर काम करने वाले बेसिक शिक्षा विभाग के रसोइयों की ओर से काफी लंबे समय से वेतन बढ़ाने की मांग की जा रही थी। हालांकि, शासन की ओर से पिछले साल भी वेतन बढ़ाने की बात कही गई थी, लेकिन अब वेतन बढ़ाकर देने की पूरी तैयारी कर ली गई है। जानकारी के मुताबिक, स्कूल खुलने के बाद जुलाई माह से ही बढ़े हुए वेतन का भुगतान किया जाएगा।

हर रसोइया को दी जाएंगी दो साड़ी

500 रुपये वेतन बढ़ाने के साथ ही रसोइयों को यूनिफॉर्म के रूप में हर साल दो साड़ियां भी दी जाएंगी। वहीं, खाना बनाने के दौरान एप्रन और हेयर कैप का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करना होगा।

एप्रन और हेयर कैप खरीदने के लिए पैसा सीधा रसोइयों के बैंक खाते में भेजा जाएगा। खाते में रुपये भेजने की व्यवस्था बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से की जाएगी।

पांच लाख के बीमा का भी लाभ मिलेगा

500 रुपये अतिरिक्त मानदेय, दो साड़ी, एप्रन और हेयर कैप के अलावा सरकार की ओर से रसोइयों के लिए पांच लाख तक के स्वास्थ्य बीमा कवर का भी ऐलान किया गया है। हर रसोइया को पांच लाख तक के बीमा का भी लाभ मिलेगा। इसके लिए तैयारी की जा रही है। जल्द ही सभी रसोइयों का बीमा भी करा दिया जाएगा।

बीएसए बृज भूषण चौधरी ने कहा कि रसोइयों के वेतन में 500 रुपये की वृद्धि की गई है। छुट्टियों के बाद स्कूल खुलने पर जुलाई माह से हर रसोइया को 2000 रुपये मासिक का भुगतान किया जाएगा।

कानपुर में नाबालिग से रेप में लखनऊ का छात्र गिरफ्तार

कानपुर। फेसबुक पर नाबालिग छात्रा से दोस्ती कर रेप करने का मामला प्रकाश में आया है। रविवार को धोखेबाज ने छात्रा को फुसलाकर मेस्टन रोड के एक होटल में बुलाया फिर कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने लखनऊ निवासी डी फार्मा छात्र वीरेन्द्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी अशोक कुमार का कहना है कि पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज पर कार्रवाई की जा रही है।

छात्रा के चिल्लाने पर बची जान

छात्रा का आरोप है कि फेसबुक दोस्त लखनऊ निवासी वीरेंद्र सिंह रविवार को कानपुर आया और घुमाने के बहाने मेस्टन रोड स्थित एक होटल में ले गया। जहां कोल्ड ड्रिंक में नशा मिलाकर रेप करने लगा। नशे की हालत में मैंने जैसे ही शोर मचा अगल-बगल के रूम में ठहरे लोग आ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मदद की और आरोपी को पकड़कर कोतवाली ले आई। एसीपी अशोक कुमार ने बताया कि आरोपित छात्र वीरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़ित छात्रा को मेडिकल परिक्षण के लिए भेजा गया है। आगे की कार्रवाई मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद की जाएगी। आरोपित वीरेंद्र सिंह डी-फार्मा सेकेंड इयर का छात्र है।

पेट्रोल के दाम घटे, आसमान छू रहे सब्जियों के भाव

प्रयागराज। सरकार की ओर से पेट्रोल और डीजल के दामों में कमी कर दी गई है। आज रविवार से पेट्रोल 9.50 रुपये और डीजल 7 रुपये सस्ते दामों में मिल रहे हैं। प्रयागराज की बात करें तो आज पेट्रोल का दाम घटकर 96.53 रुपये हो गया है तो डीजल 89.74 रुपये में प्रति लीटर के हिसाब से मिल रहे हैं। गाड़ी के शौकिनों के लिए तो यह राहत की खबर है लेकिन घर का खर्च चलाने वाला परिवार का मुखिया महंगाई के बोझ से दबता जा रहा है। सब्जियों के भाव इतने बढ़ गए हैं कि सब्जी का रेट पूछने के बाद लोग चौंक जा रहे हैं। सब्जियों में परवल का रेट सबसे उपर है। शहर में फुटकर सब्जी दुकान पर

परवल 70 रुपये किलो बेचा जा रहा है जबकि टमाटर का भाव अचानक बढ़ गया। टमाटर यहां 60 रुपये किलो के हिसाब से मिल रहे हैं। सब्जी विक्रेता हरिओम बताते हैं कि वह प्रतिदिन हथिगहां सब्जी मंडी से सब्जी लाते हैं। आज परवल और टमाटर महंगा रहा।

यूपी के जिन मदरसों को कैबिनेट से मिली मंजूरी, उनकी मान्यता ही नहीं

लखनऊ। यूपी सरकार की कैबिनेट बैठक में जिस मदरसे को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए अनुदान सूची पर लिये जाने का निर्णय लिया गया, दरअसल वह मान्यता प्राप्त मदरसा है ही नहीं। बीते मंगलवार 17 मई को हुई कैबिनेट बैठक में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की ओर से लाये गये एक प्रस्ताव पर मुहर लगी। मऊ के रहीमाबाद के मदरसा इस्लामिया सफीनतुल हैदाया की मान्यता एक महीने पहले ही मानकों को पूरा न करने की वजह से निरस्त कर दी गयी थी। मगर विभाग के जिम्मेदारों ने इस पर ध्यान नहीं दिया और कैबिनेट में बगैर इस मदरसे की मान्यता निरस्त करने की जानकारी दिये इसे अनुदान सूची पर लिये जाने का प्रस्ताव मंजूर करवा लिया गया। अब कोई भी

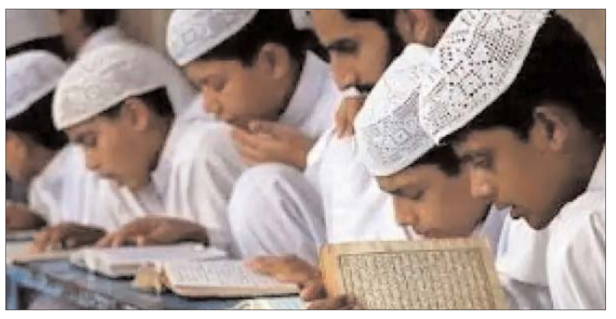

अधिकारी इस पर कुछ भी कहने को तैयार नहीं है। यह भी पता चला कि 17 मई को कैबिनेट के इस फैसले के बाद 19 मई को इस मदरसे की प्रबंध कमेटी ने अदालत से मान्यता निरस्त किये जाने पर स्टे भी हासिल कर लिया। मगर अब इस स्टे का भी लाभ इस मदरसे को नहीं मिल सकता क्योंकि मान्यता निरस्त होने के एक माह बाद कैबिनेट में बगैर इस मदरसे की मान्यता निरस्त किये जाने की जानकारी दिये प्रस्ताव पारित करवाया गया। अब यह पूरा मामला जांच के दायरे में आ गया है। इसी तरह महाराजगंज के मदरसा अरबिया अताउल रसूल सिसवा बाजार के चार शिक्षकों को अदालत में तीन-तीन याचिकाएं विचाराधीन होने के बावजूद इनके बकाया वेतन भत्ते का 2 करोड़ 71 लाख रुपये का भुगतान करवा दिया गया। सवाल यह उठाया जा रहा है कि अगर यह शिक्षक अदालत में मुकदमा हार गये तो फिर इनसे इतनी भारी रकम की वसूली कैसे करवायी जाएगी। मदरसे के प्रबंधक आशिक अली राईनी ने इस बारे में प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह को हाल ही में शिकायती पत्र भेजा है।

उ.प्र.मदरसा शिक्षा बोर्ड चेयरमैन डा.इफ्तेखार अहमद जावेद ने बताया कि यह दोनों मामले शासन स्तर के हैं। मदरसों के मामले हैं और काफी गम्भीर हैं इसलिए मदरसा बोर्ड के चेयरमैन के नाते हमने शासन से इन दोनों मामलों की रिपोर्ट मंगवाई है। रिपोर्ट मिलने पर उस पर विचार करके समुचित निर्णय बोर्ड द्वारा लिया जाएगा।

कचहरी के सामने गरजा बुलडोजर, विरोध करने वाले वकील हिरासत में

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में जारी अतिक्रमण अभियान के तहत रविवार को बाराबंकी-लखनऊ-अयोध्या मार्ग पर कचहरी के सामने अतिक्रमण पर प्रशासन का बुलडोजर चला। सड़क के किनारे बनी वकीलों के चेंबर को को तोड़ दिया गया और विरोध कर रहे दो वकीलों को पुलिस ने हिरासत में लिया।

अधिकृत सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अतिक्रमण हटाने के आदेश पर अमल करते हुए जिला प्रशासन ने कचहरी और रजिस्ट्री ऑफिस के सामने सड़क से सटे अतिक्रमण को बुलडोजर से हटाया। इस दौरान विरोध कर रहे बार एसोसिएशन के महामंत्री रितेश मिश्रा समेत दो वकीलों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सुमित यादव, अपर पुलिस अधीक्षक और नगरपालिका की टीम ने रविवार सुबह

कचहरी के पास अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। जिला प्रशासन चार बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंची। यह देख धीरे-धीरे वकीलों की भीड़ भी जुटना शुरू हो गई। अधिवक्ताओं ने प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई का विरोध करते हुए एक हफ्ते का समय और मांगा।

एसडीएम ने स्पष्ट कहा कि 24 घंटे का समय दिया गया था, बावजूद इसके तहसील प्रशासन 48 घंटे बाद कार्रवाई शुरू कर रहा है। एसडीएम ने पुलिस फोर्स को आदेश देते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू करा दी। बुलडोजर के गरजते ही अधिवक्ता पंकज यादव और बार एसोसिएशन के महामंत्री रितेश मिश्रा बुलडोजर के आगे खड़े हो गए। पुलिस और इन दोनों वकीलों को हिरासत में लेकर बंद कर दिया और देखते ही देखते प्रशासन के चारों बुलडोजर अतिक्रमण पर चलने लगे।

अधिवक्ताओं ने प्रशासन मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। टीन शेड और लोहे की जाली से बने वकीलों के चेंबर पल भर में जमींदोज हो गए। वहीं वकीलों का कहना है कि उनके चेंबर में रजिस्ट्री के कागजात और भारी संख्या में स्टांप रखे थे जो बर्बाद हो गए हैं। बार एसोसिएशन के महामंत्री अधिवक्ता रितेश मिश्रा ने कहा कि यह सब बार अध्यक्ष की साजिश के तहत हो रहा है जिसका विरोध किया जाएगा और अधिवक्ता कार्य बहिष्कार कर भूख हड़ताल शुरू करेंगे।

राधारमण मन्दिर के मुख्य विगृह के प्राकट्योत्सव पर भक्ति कर रही है नृत्य

मथुरा। कान्हा नगरी मथुरा में राधारमण मन्दिर के 480वें प्राकट्योत्सव के अवसर पर वृन्दावन का कोना कोना कृष्णमय हो गया है और यहां चहुंओर भक्ति नृत्य कर रही है।

राधारमण मन्दिर में विगृह न केवल स्वयं प्राकट्य है बल्कि यहां की परंपराएं आज भी अपने भीतर प्राचीनता को समेटे हुए हैं। मन्दिर की स्थापना से लेकर आज तक पूजन में माचिस का प्रयोग नही किया गया। अरण्य मन्थन से 480 वर्ष पूर्व मन्दिर के रसोईघर में प्रज्वलित की गई अग्नि आज भी प्रज्वलित हो रही है।

मन्दिर के सेवायत आचार्य अनिल गोस्वामी ने बताया कि इस मन्दिर का विगृह महान भक्त गोपाल भट्ट गोस्वामी को नेपाल में गंडकी नदी में स्वयं ठाकुर ने उपलब्ध कराया था। स्नान के दौरान उनकी धोती में आए शालिग्राम को

गोस्वामी ने जब ग्रहण नहीं किया तो आकाशवाणी से उन्हें इसे ले जाने का आदेश हुआ था। यह उनकी अनन्य भक्ति का ही प्रभाव है कि शालिग्राम से ठाकुर स्वयं प्रकट हुए जो आज मुख्य विगृह के रूप में पूजित हैं।

उन्होंने बताया कि ठाकुर के विगृह का श्रृंगार करने माहिर होने के कारण गोपाल भट्ट स्वामी गोविन्ददेव, गोपीनाथ और मदनमोहन मन्दिर में भी नित्य ठाकुर का श्रृंगार करने जाते थे और राधारमण महराज का भी श्रृंगार करते थे। जब वे बहुत अधिक वृद्ध हो गए तो उनके लिए अन्य मन्दिरों मे जाना मुश्किल हो गया। एक शाम उन्होंने ठाकुर से प्रार्थना की कि तीनो विगृह के रूप में वे उन्हें सेवा का अवसर दें। कहते हैं कि सच्चे भक्त को भगवान कभी निराश नही करते और ऐसा ही गोस्वामी के साथ हुआ। जब अगले दिन वे ठाकुर का श्रृंगार करने लगे तो उनके अचानक अश्रु धारा बह निकली क्योकि ठाकुर ने उनकी विनती स्वीकार कर ली और उन्होने अपने अन्दर तीनो मन्दिरों के विगृह समेट लिया था।

उनका मुख गोविन्ददेव , वक्षस्थल गोपीनाथ की तरह का एवं चरण मदनमोहन जी श्री राधारमण के विगृह में समाहित हो गए थे।

बुजुर्ग सास को नदी में फेंकने की साजिश का ग्रामीणों ने किया भंडाफोड़

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में एक महिला ने अपनी सास को मारने के लिए हाथ पैर बांध नहर में डालने का प्लान बनाया, जिसे अंजाम देने के लिए उसने अपने भाई व बहनोई को लगाया। दोनो बुजुर्ग महिला को बाइक पर बैठा कर नहर में डालने जा रहे थे कि तभी रास्ते में ग्रामीणों ने उन्हे घेर कर पुलिस को सौंप दिया। थाने में पुलिस बुजुर्ग महिला समेत दोनों लोगों से पूछताछ कर रही है।

आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि कानपुर देहात जिले के थाना मंगलपुर के गांव रायपुर कसोलर निवासी 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला सिया देवी के इकलौते पुत्र राकेश का विवाह फफूंद थाना क्षेत्र के गांव गमनामऊ निवासी राम जीत की पुत्री पूजा देवी से हुआ था। शादी के बाद किसी बात को लेकर सास बहू में झगड़ा होता रहता था। इस बार झगड़े में बहू ने अपने भाई और बहनोई को बुला लिया।

पूजा देवी के भाई सुखवीर व मिरगावा फफूंद निवासी बहनोई दलेल ने बुजुर्ग महिला के हाथ बांध दिए और मुंह में कपड़ा बांधकर बाइक के बीच में बिठाकर ले जाने लगे। जैसे ही देवरपुर गांव पहुंचे कि ग्रामीणों की नजर बुजुर्ग महिला की तरफ पड़ी तो उन्होंने पीछा करके पकड़ लिया और पुलिस को फोन कर जानकारी दी।

मौके पर पहुची पुलिस ने बुजुर्ग महिला व दोनों लोगो को लेकर थाने आई, जहां पर जांच पड़ताल की। पुलिस ने बुजुर्ग महिला के पुत्र को फोन कर थाने फफूंद बुलाया है। इधर पीड़ित सिया देवी ने बताया कि यह लोग उसे नहर में फेकने की बात कहकर ले जा रहे थे। मुंह मे कपड़ा लगा दिया जिससे वह बोल न पाए। पीड़ित का पुत्र राकेश पूरे मामले में कुछ भी बोलने को तैयार नही था।

इस सम्बंध में प्रभारी निरीक्षक ललिता कुमारी ने बताया कि बुजुर्ग महिला के हाथ पैर बांध कर दो लोग लेकर जा रहे थे। जिनको ग्रामीणों ने पकड़ लिया था।

कानपुर देहात की मंगलपुर थाना पुलिस को भी सूचित किया है। पीड़ित महिला या उसका पुत्र जो तहरीर देगा उसी अनुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

एसआई भर्ती फर्जीवाड़े के 10 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ पुलिस ने यूपी पुलिस एसआई भर्ती में फर्जीवाड़ा कर परीक्षा पास होने वाले 10 और अभ्यर्थियों को शनिवार शाम को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में तीन युवतियां भी शामिल हैं। सभी 35वीं वाहिनी पीएसी में फिजिकल टेस्ट और दस्तावेज सत्यापन के लिए आए हुए थे।

रुपए देकर एप के जरिये उत्तर पुस्तिका भरी थी

इंस्पेक्टर महानगर दिनेश चंद्र मिश्र के मुताबिक, शनिवार देर शाम हाथरस निवासी कुमारी पूजा, बृजेश कुमार, हापुड़ के अनुज कुमार, मुजफ्फनगर के कुलदीप, हरियाणा रोहतक के रविंद्र, बिहार पटना के गौतम कुमार, सहारनपुर के गोपाल कुमार, प्रयागराज के अंशुमान सिंह, मुजफरनगर के कौशर और हरियाणा सोनीपत के दीपक कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इंस्पेक्टर के मुताबिक सभी आरोपियों ने ऑनलाइन परीक्षा पास करने के लिए रुपये देकर एप के जरिये उत्तर पुस्तिका भरी थी। 35वीं वाहिनी पीएसी में चेकिंग के दौरान अभ्यर्थियों की कॉल लॉग रिकॉर्ड में अंतर मिला, जिसके आधार पर उनसे पूछताछ किए जाने पर रुपये देकर परीक्षा पास करने की पुष्टि हुई थी।

महानगर थाने में भर्ती बोर्ड की तरफ से आगरा स्थित आरपी ऑनलाइन सेंटर के दुष्यंत शर्मा, गाजियाबाद आधुनिक इंस्टीट्यूट के गौरव शर्मा, मेरठ राधेश्याम विद्यापीठ के अमित अग्रवाल, आगरा एलडब्लू सेंटर के भारतेंदु लवानिया, कानपुर रामलखन महाविद्यालय के सनत शर्मा, वाराणसी मंगलमूर्ति इंस्टीट्यूट के अमित कुमार और नोएडा जीएनआईवीएम इंफोटेक के लायक सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस इस मामले में 108 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

मुजफ्फरनगर में किसान के घर से 10 लाख की लूट

रात में बंदूक दिखाकर घर में घुसे 6 बदमाश, महिलाओं के जेवर लेकर भागे

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के गांव कयामपुर में बीती रात 1 बजे किसान परिवार को गन प्वाइंट पर लेकर 6 बदमाशों ने मारपीट कर लूटपाट की। इस दौरान बदमाश घर की 3 महिलाओं सहित पुरुषों से जेवर, नगदी व बाइक आदि सामान लूटकर फरार हो गए। लूटी गई बाइक गांव में एक खेत से बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी। डकैती की घटना से पीड़ित परिवार सहित आसपास के क्षेत्र में भी दहशत फैल गई। एसपी सिटी अर्पित विजयवर्गीय ने जानकारी ली। थाना चरथावल क्षेत्र के गांव कयामपुर स्थित किसान परिवार के घर को डकैतों ने निशाना बनाया। पीड़ित किसान फर्जंद ने बताया कि शनिवार रात परिवार के सभी लोग खाना खाकर सो गए थे। वह घर के बाहर सो रहा था। रात करीब 1 बजे कुछ लोगों ने उसे आकर उठाया और

खाना खाने की ख्वाहिश जाहिर की। जिसके बाद उन्होंने घर की कुंडी खुलवाकर महिलाओं से खाना बनाने की बात कही। इसी दौरान उक्त लोगों ने अपने हथियार निकाल लिये और एक-एक कर सभी सदस्यों को हथियारों से डराकर घर के एक कमरे में बैठा लिया। जिसके बाद उसकी पत्नी तथा दो बेटों की बहुओं एवं विवाहिता बेटी से जेवर की मांग की। न देने पर जान से मारने की धमकी दी। जिसके बाद घर की सभी महिलाओं ने अपना-अपना जेवर बदमाशों के हवाले कर दिया। करीब एक घंटे तक सभी बदमाशों ने घर के सामान की तलाशी ली।

जिसके बाद सभी को बैड की चादर काटकर उनकी कत्तरों से बांध अलग-अलग कमरों में बंद कर दिया गया। जाते समय घर में खड़ी बाइक से दो बदमाश लूटी गई नगदी तथा अन्य सामान लेकर फरार हो गए। जबकि बाकी बदमाश अलग-अलग गए। सुबह के समय लूटी गई बाइक गांव के बाहर से बरामद हुई। जिसमें पंक्चर पाया गया। पीड़ित परिवार के अनुसार डकैती की घटना के बाद बदमाशों के घर से जाते ही घर की महिलाओं ने किसी तरह अपने बंधन खोलकर परिवार के अन्य लोगों को भी मुक्त कराया। सूचना पर डायल-112 पुलिस रात करीब 2.30 बजे मौके पर पहुंची।

शार्ट न्यूज

सोना, चांदी में जोरदार उछाल

इंदौर। सप्ताहांत सोना तथा चांदी में तेजी दर्ज की गई। सप्ताहांत सोना 750 रुपये तथा चांदी 1700 रुपये उछलकर बिकी। कारोबार की शुरुआत में सोना 51850 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार के दिन 52500 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में व्यापार की शुरुआत 61300 रुपये पर हुई वहीं शनिवार के दिन 63000 रुपये बिकी। कामकाज में सोना ऊंचे में 52500 नीचे में 51700 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 63200 तथा नीचे 61200 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। विदेशी बाजार में सोना 1845 डॉलर तथा चांदी 2171 सेन्ट प्रति औंस बिकी।

मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड में गिरावट

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में खरीदी सुस्ती से भाव गिरावट लिए रहे। कारोबार में मूंगफली तेल 30 रुपये नीचा बिका। तिलहनों में भाव नरम बताए गए। कपास्या खली महंगी बिकी। कारोबार की शुरूआत में मूंगफली तेल 1630 से 1650 रुपये प्रति किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1610 से 1620 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर बंद हुआ। सोयाबीन रिफाइंड 1580 से 1582 रुपये पर खुलकर 1545 से 1550 रुपये बिका। पाम तेल 1660 से 1665 रुपये खुलकर 1610 से 1615 रुपये होकर पर बंद हुआ। तिलहन जिन्सों में भाव नरमी लिए बताए गए। सप्ताहांत सरसो में मांग सुस्ती से घटी। खली में 25 रुपये की मजबूती दर्ज की गई।

मूंग में गिरावट, चना कांटा, मसूर महंगा, दालों में घटबढ़

इंदौर। स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में मांग के साथ सप्ताहांत दलहन जिन्सों में मिश्रित रंगत दर्ज की गई। मूंग नीची तथा चना, मसूर बढ़कर बिकी। इस दौरान दालों के भाव भी कम-ज्यादा हुए। चावल में पूछपरख रही। सप्ताहांत चना कांटा 4800 से 4825 रुपये खुलने के बाद 4800 से 4850 रुपये होकर बंद हुआ। मूंग 6500 से 6550 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 5800 रुपये बिकी। हालांकि सप्ताहांत इसमें सौदे 6350 से 6450 रुपये प्रति क्विंटल पर हुए। कारोबार में तुअर 5500 से 6600 रुपये रही। उड़द 6800 से 7000 रुपये खुलकर इसी स्तर पर थमा। मसूर 6550 से 6600 रुपये के स्तर पर खुलने के बाद 6750 से 6775 रुपये होकर प्रति क्विंटल बिकी। दालों में मांग से घटबढ़ दर्ज की गई। सप्ताहांत मसूर दाल बढकर बिकी। मूंग मोगर तथा तुअर दाल घटकर बिकी। चावल तथा पोहा में ग्राहकी बढ़ी बताई गई।

शक्कर, खोपरा बूरा, खोपरा गोला में गिरावट

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में सप्ताहांत ग्राहकी ऊपर नीचे होती रही। शक्कर में गिरावट दर्ज की गई। खोपरा बूरा तथा खोपरा गोला मांग कमी से नीचा बिका। साबूदाना में मांग से भाव ऊंचे रहे। स्थानीय किराना बाजार में सोमवार को शक्कर 3600 से 3650 रुपये प्रति क्विंटल खुलने के शनिवार को 3580 से 3620 रुपये बोली गई। शक्कर की दैनिक आवक 07 से 08 गाड़ी की रही। खोपरा गोला सस्ता बिका। सोमवार को खोपरा गोला 200 से 220 रुपये प्रति किलो के स्तर पर खुला था जो सप्ताहान्त 185 से 200 रुपये बिका। हल्दी 120 से 165 रुपये की रंगत लिए रही। खोपरा बूरा में लिवाली सुस्ती से नरमी रही। इसमें कामकाज 2150 से 3850 रुपये प्रति 15 किलोग्राम पर चला। साबूदाना में उठाव बताया गया। इससे तेजी दर्ज की गई।

जिंसों के दाम गिरे

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर आवक के बराबर उठाव नहीं होने से दिल्ली थोक जिंस बाजार में बीते सप्ताह खाद्य तेल समेत सभी जिंसों के भाव गिर गए। तेल तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 20 रिंगिट चढ़कर 6690 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा सप्ताहांत पर 2.41 सेंट लुढ़ककर 80.28 सेंट प्रति पाउंड पर रहा। बीते सप्ताह सरसों तेल 294 रुपये, सूरजमुखी तेल 293 रुपये, सोया रिफाइंड 366 रुपये, पाम ऑयल 659 रुपये और वनस्पति तेल के भाव 952 रुपये प्रति क्विंटल गिर गए जबकि मूंगफली तेल में 293 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। सप्ताहांत पर सरसों तेल 19047 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 20805 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 20952 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 18388 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 16923 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 18095 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। दाल-दलहन :बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में गिरावट का रुख रहा। सप्ताहांत पर चना 100 रुपये, चना दाल 100 रुपये, मसूर दाल 100 रुपये, मूंग दाल 100 रुपये, उड़द दाल 50 रुपये और अरहर दाल 200 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। सप्ताहांत पर चना 4500-4600, दाल चना 5500-5600, मसूर काली 8600-8700, मूंग दाल 8800-8900, उड़द दाल 9900-10000, अरहर दाल 8200-8300 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज : बीते सप्ताह अनाज के बाजार में नरमी रही। सप्ताहांत पर गेहूं 30 रुपये और चावल 50 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। सप्ताहांत पर अनाज (भाव प्रति क्विंटल) : गेहूं दड़ा 2270-2370 रुपये और चावल : 2500-2600 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। चीनी-गुड़ : आलोच्य सप्ताह मीठे के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। सप्ताहांत पर चीनी 40 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई वहीं गुड़ के भाव 100 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गए। सप्ताहांत पर चीनी एस. 3360-3460, चीनी एम. 3700-3800, मिल डिलीवरी 3310-3410 और गुड़ 3500-3600 रुपये प्रति क्विंटल पर रहे।

यूपी में परिवार कार्ड बनाने पर विचार कर रही सरकार

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ की सरकार उत्तर प्रदेश के लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति की स्थिति के सटीक आकलन के लिए परिवार कार्ड बनाने पर विचार कर रही है. इसके लिए उच्च स्तर पर एक विशेषज्ञ ग्रुप बना कर योजना बनेगी. यह कार्ड आधार से लिंक होगा. एक परिवार को कम से कम एक रोजगार की दिशा में यह कार्ड बड़ा कदम साबित होगा. फिलहाल राशन कार्ड के आधार पर परिवार की सूचनाएं उपलब्ध हैं। संकल्प पत्र में अगले पांच वर्षों में एक परिवार को कम-से-कम एक रोजगार देने का संकल्प लिया था. इसके लिए योगी सरकार लगातार प्रयत्नशील है. सरकार विभिन्न योजनाओं और रिक्त पदों पर भर्ती करके इसे पूरा करने में जुटी हुई है. इसके लिए सरकार को प्रदेश में सभी परिवारों की सामाजिक और रोजगार संबंधी स्थिति की जानकारी आवश्यक है। योगी सरकार इसके लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है. सरकार सभी परिवारों का कार्ड बनाने पर विचार विमर्श चल रहा है. इस कार्ड में परिवार के बारे में सभी जानकारियां दर्ज होंगी. परिवार में कितने सदस्य हैं, उनकी उम्र क्या है, कौन-कौन नौकरी करता है या रोजगार से जुड़ा हुआ है, यह सभी जानकारियां दर्ज होंगी। परिवार कार्ड को आधार से लिंक किया जाएगा. इस आधार पर सरकार के पास सटीक जानकारी होगी कि किन परिवारों में एक भी व्यक्ति रोजगार से नहीं जुड़ा हुआ है. परिवार की सामाजिक स्थिति क्या है. इस आधार पर सरकार अपनी विभिन्न रोजगार योजना से जोड़कर रोजगार उपलब्ध कराएगी. यह इस दिशा में योगी सरकार का बड़ा कदम साबित होगा. जब तक लोगों का परिवार कार्ड नहीं बन जाता है तब राशन कार्ड को ही आधार माना जाएगा।

शेयर बाजार में अगले सप्ताह भी रहेगा उतार-चढ़ाव

एजेंसी

मुंबई। अमेरिका में बेरोजगारी दर अनुमान से कम रहने और चीन के ब्याज दर में पंद्रह आधार अंक की कटौती से वैश्विक अर्थव्यवस्था के मजबूत बने रहने की उम्मीद में हुई लिवाली से बीते सप्ताह लगभग तीन प्रतिशत की तेजी में रहे शेयर बाजार में अगले सप्ताह भी उतार-चढ़ाव रहेगा।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1532.77 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 54 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 54326.39 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 484 अंक की बढ़त लेकर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर 16266.15 अंक पर रहा।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली हुई। इससे मिडकैप 691.19 अंक चढ़कर 22506.85 अंक और स्मॉलकैप 1035.54 अंक उछलकर 26351.29 अंक पर पहुंच गया।

निवेश सलाह देने वाली कंपनी स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति और मंदी निवेशकों के लिए चिंताजनक है। इसलिए, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार बिकवाली कर रहे हैं। हालांकि घरेलू निवेशकों के समर्थन के कारण भारतीय शेयर बाजार बेहतर स्थिति में हैं।

उन्होंने कहा कि मई वायदा सौदा निपटान को लेकर अगले सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। वैश्विक फ्रंट पर अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओपन मार्केट कमेटी की बैठक के मिनट्स 25 मई को जारी होंगे, जिसका असर बाजार पर देखा जा सकेगा। साथ ही

डॉलर इंडेक्स और अन्य कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव अगले सप्ताह बाजार की दिशा निर्धारित करने वाले अन्य महत्वपूर्ण कारक होंगे।

वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर दूरसंचार, यूटिलिटीज, ऑटो, पावर और रियल्टी समेत 16 समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में सोमवार को पिछले लगातार पांच कारोबारी दिवस के बाद तेजी लौट आई। सेंसेक्स 180.22 अंक चढ़कर 52973.84 अंक और निफ्टी 60.15 अंक बढ़कर 15842.30 अंक पर रहा।

इसी तरह चीन में कोविड प्रतिबंधों में ढील दिये जाने की तैयारी से वैश्विक स्तर पर मांग बढ़ने की उम्मीद में मंगलवार को हुई चौतरफा लिवाली से शेयर बाजार आज गुलजार हो गया। सेंसेक्स 1344.63 अंक की उड़ान भरकर पांच दिन बाद 54 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 54318.47 अंक और निफ्टी 417 अंक की छलांग लगाकर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर 16259.30 अंक पर पहुंच गया।

वहीं, विदेशी बाजारों में जारी तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर एसबीआई, एलटी, एयरटेल, एनटीपीसी, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी समेत 17 कंपनियों में हुई बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार ने बुधवार को पिछले लगातार दो दिन की तेजी गंवा दी।सेंसेक्स 109.94 अंक गिरकर 54208.53 अंक और निफ्टी 19 अंक फिसलकर 16240.30 अंक पर रहा।

इसी तरह वैश्विक बाजार के कमजोर रुख के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से गुरुवार को शेयर बाजार में हाहाकार मच गया। सेंसेक्स 1416.30 अंक का गोता लगाकर 53 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 52792.23 अंक और निफ्टी 430.90 अंक लुढ़ककर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 15809.40 अंक पर रहा।

वहीं, अमेरिका में बेरोजगारी दर अनुमान से कम रहने और चीन के ब्याज दर में पंद्रह आधार अंक की कटौती से वैश्विक अर्थव्यवस्था के मजबूत बने रहने की उम्मीद में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली से शुक्रवार को शेयर बाजार पिछले दो दिवस की भारी गिरावट से उबरते हुए ढाई प्रतिशत से अधिक की तेजी पर रहे।

सेंसेक्स 1534.16 अंक की छलांग लगाकर 54 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 54326.39 अंक और निफ्टी 456.75 अंक उछलकर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर 16266.15 अंक पर पहुंच गया।

भारतीय रेलवे वित्त निगम का वित्त वर्ष 2021-22 में शुद्ध लाभ 6,090 करोड़ रुपये

एजेंसी

नयी दिल्ली। रेलवे के लिए कर्ज जुटाने वाली कंपनी भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) ने 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में 37.90 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6,090 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। इससे पिछल वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी का शुद्ध लाभ 4,416 करोड़ रुपये था।

आईआरएफसी ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में उसकी परिचालन आय 28.71 प्रतिशत बढ़कर 20,298.27 रही जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 15,770.22 करोड़ रुपये थी। जनवरी-मार्च 2022 तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 5,931.12 करोड़ रुपये रही जो इससे पिछली अक्टूबर-दिसंबर 2021 तिमाही की परिचालन आय 5,095.81 करोड़ रुपये से 16.39 करोड़ रुपये अधिक है। आईआरएफसी के निदेशक मंडल ने 10 रुपये अंकित मूल्य शेयर पर 0.63 रुपये का अंतिम लाभांश देने का प्रस्ताव किया है। इससे पहले कंपनी 01, नवंबर 2021 में 0.77 रुपये के अंतरिम लाभांश की घोषणा कर चुकी है। इससे कंपनी प्रति शेयर पर कुल 1.40 रुपये का लाभांश दे रही है।

आईआरएफसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अमिताभ बनर्जी ने कहा, कंपनी ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी दरों और उपयुक्त समय पर धन जुटाने के दम पर लगातार बढ़ते हुए मजबूत वित्तीय प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा कि आईआरएफसी, रेलवे क्षेत्र पर विशेष प्रोत्साहन के साथ बुनियादी ढांचा क्षेत्र के विकास और विस्तार में देश के संकल्प में अपने योगदान के लिए प्रतिबद्ध है। रेल मंत्रालय ने उसे चालू वित्त वर्ष में 66,500 रुपये का कर्ज जुटाने का लक्ष्य दिया है।

पेट्रोल-डीजल के दामों में भारी गिरावट

नयी दिल्ली। देश में पेट्रोल-डीजल के दामों में 45वें दिन स्थिरता के बाद रविवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गयी। तेल विपणन कंपनियों ने यह फैसला केंद्र सरकार के पेट्रोल-डीजल पर क्रमश: आठ रुपये और छह रुपये का उत्पाद शुल्क कम करने के बाद लिया। उत्पाद शुल्क घटने के बाद आज राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत में 8.69 रुपये और डीजल के दाम में 7.05 रुपये की कमी देखी गयी। इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल का दाम 96.72 रुपये और डीजल का दाम 89.62 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि मुंबई में पेट्रोल की कीमत 111.35 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 97.28 रुपये प्रति लीटर पर आ गयी है। देश की आम जनता को बड़ी राहत देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को उत्पाद शुल्क घटाने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि उत्पाद शुल्क में इस कटौती के साथ पेट्रोल-डीजल की कीमत क्रमश: 9.5 रुपये और सात रुपये तक घट जाएगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत इस दौरान 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चल रही है। लंदन ब्रेंट क्रूज की कीमत 112.55 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.42 प्रतिशत बढ़कर 110.35 डॉलर प्रति बैरल है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं। जिससे 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की गयी। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी थी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले, केंद्र सरकार ने तीन नवंबर 2021 को पेट्रोल पर 10 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 5 रुपये प्रति लीटर का उत्पाद शुल्क घटाया था। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

इस्पात और प्लास्टिक उद्योग के लिए कच्चा माल सस्ता करने के लिए शुल्क में बदलाव

नयी दिल्ली। सरकार ने कोयला लोहा इस्पात और प्लास्टिक जैसे कच्चे माल की बढ़ती कीमतों से राहत दिलाने के लिए कोकिंग कोल और फेरोनिकेल पर आयात शुल्क 2.5 प्रतिशत घटाकर शून्य कर दिया है। शनिवार को जारी अधिसूचना के अनुसार कोक और सेमी कोक पर आयात शुल्क पांच प्रतिशत घटाकर शून्य कर दिया गया है। घरेलू बाजार में लौह अयस्क और इस्पात के कुछ मध्यवर्ती उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए उन पर निर्यात शुल्क बढ़ा दिया गया है। इन उपायों के अंतर्गत लौह अयस्क और कंसंट्रेट पर निर्यात शुल्क 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत लौह अयस्क पेलेट पर निर्यात शुल्क बढ़ाकर 45 प्रतिशत कर दिया गया है। अधिसूचना के अनुसार कुछ श्रेणी के फ्लैट रोल्ड आयरन उत्पाद अथवा गैर मिश्रित इस्पात पर अब 15 प्रतिशत की दर से निर्यात शुल्क लगेगा जबकि अभी इन पर निर्यात शुल्क शून्य था। स्थानीय स्थानीय प्लास्टिक उद्योग को राहत देने के लिए सरकार ने नाथा प्रोपिलीन ऑक्साइड और पॉलीमर्स विनाइल क्लोराइड के पॉलीमर्स पर आयात शुल्क में कमी करने की घोषणा की है नाप्था पर आयात शुल्क 2.5 प्रतिशत से घटाकर एक प्रतिशत कर दिया गया है इसी तरह प्रोपिलीन ऑक्साइड पर शुल्क की दर आधा कर ढाई प्रतिशत कर दी गई है।

लगातार दसवें सप्ताह गिरा विदेशी मुद्रा भंडार, 2.7 अरब डॉलर घटकर 593.3 अरब डॉलर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 मई को समाप्त सप्ताह में लगातार दसवें सप्ताह कम होता हुआ 2.7 अरब डॉलर घटकर 593.3 अरब डॉलर पर आ गया।

इससे पूर्व विदेशी मुद्रा भंडार 06 मई को समाप्त सप्ताह में 1.8 अरब डॉलर कम होकर 595.9 अरब डॉलर, 29 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.7 अरब डॉलर घटकर 597.7 अरब डॉलर, 22 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 3.3 अरब डॉलर लुढ़ककर 600.4 अरब डॉलर, 15 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 31.1 करोड़ डॉलर फिसलकर 603.7 अरब डॉलर, 08 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.5 अरब डॉलर गिरकर 604 अरब डॉलर, 01 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में रिकॉर्ड 11.2 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 606.5 अरब डॉलर पर आ गया।

इसी तरह 25 मार्च को समाप्त सप्ताह में दो अरब डॉलर कम होकर 617.6 अरब डॉलर, 18 मार्च को समाप्त सप्ताह में 2.6 अरब डॉलर घटकर 619.7 अरब डॉलर और 11 मार्च को समाप्त में 9.6 अरब डॉलर लुढ़ककर 622.3 अरब डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 13 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.3 अरब डॉलर घटकर 529.5 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.2 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 40.6 अरब डॉलर रह गया।

आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 16.5 करोड़ डॉलर की कम होकर 18.2 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 3.9 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 4.9 अरब डॉलर रह गई।

मुजफ्फरपुर की लीची को लगे पंख, बेंगलुरू-हैदराबाद के ग्राहकों का जीत रही है दिल

नई दिल्ली। बिहार के मुजफ्फरपुर की शाही लीची को इस बार पंख लग गए हैं. दरभंगा में नया एयरपोर्ट शुरू होने के बाद मुजफ्फरपुर और आसपास के इलाके से लीची फ्लाइट के जरिए देश के दूरदराज के इलाकों में पहुंच रही है।

बिहार की पहचान बन चुकी लीची को चखने की चाह दुनिया के हर उस व्यक्ति को होती है जिसने एक बार भी इसके बारे में सुना है. मुजफ्फरपुर और उसके आसपास के इलाके में उगने वाली लीची अपनी सुगंध और स्वाद के लिए दुनिया भर में मशहूर है।

लीची की शेल्फ लाइफ बहुत कम होती है और ट्रेन या ट्रक के जरिए ट्रांसपोर्ट करने में इसके जल्द खराब होने की आशंका होती है. कार्गो फ्लाइट से लीची देश के दूसरे हिस्से में कुछ घंटे में ही पहुंच जाती है जिस वजह से लीची बेचने वालों के पास ग्राहकों तक Litchi पहुंचाने के लिए अधिक समय मिल जाता है. बिहार समेत मुजफ्फरपुर की शाही लीची इस बार हवाई जहाज में उड़ान भरकर बेंगलुरु और हैदराबाद के लोगों को खुश करने में जुट गई है।

केंद्र सरकार ने कुछ दिन पहले ही दरभंगा एयरपोर्ट को मंजूरी दी थी, जहां से अब देश के अलग-अलग शहरों के लिए यात्री और कार्गो दोनों फ्लाइट शुरू हो चुकी है. मुजफ्फरपुर से दरभंगा की दूरी करीब 100 किलोमीटर है, इस वजह से दरभंगा एयरपोर्ट तक लीची पहुंचाना तुलनात्मक रूप से बहुत आसान हो गया है।

दरभंगा से उड़ने वाली फ्लाइट में लीची बेंगलुरु या हैदराबाद जैसे शहरों तक तीन-चार घंटे में पहुंच जाती है. बिहार और मुजफ्फरपुर जैसे इलाकों में यह लीची का पीक टाइम चल रहा है. लीची उपजाने वाले किसानों ने देश के प्रमुख शहरों में लीची भेजने के लिए अब फ्लाइट की सुविधा शुरू कर दी है। पिछले शुक्रवार को दरभंगा एयरपोर्ट से 1 टन लीची की पहली खेप बेंगलुरु के लिए भेजी गई है. किसानों का कहना है कि आने वाले दिनों में लीची मुंबई, हैदराबाद और गुजरात भेजने की भी व्यवस्था की जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब दरभंगा एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था तब यह कहा जा रहा था कि यह एयरपोर्ट इस इलाके के लोगों और कारोबारियों के लिए वरदान साबित हो सकता है. अब जब किसानों की लीची को पंख लग गए हैं, तो यह इलाके के किसानों और कारोबारियों के लिए सुखद खबर है।

दरभंगा एयरपोर्ट से रोजाना 6 टन लीची देश के अलग-अलग शहरों में भेजने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. इसके लिए अलग से कार्गो की व्यवस्था की गई है. सभी कार्गो में एसी लगे हुए हैं जिससे कि लीची उस शहर में पहुंचने तक ताजी रहेगी. दरभंगा एयरपोर्ट पर लीची की क्वालिटी चेक करने के लिए अलग से व्यवस्था की गई है।

इंडियन रेलवे के पहिये बनाने वाली कंपनी में दिक्कत, चीन की कंपनी को इसलिए पहिये बनाने का 170 करोड़ का मिला ठेका

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे एक चीनी कंपनी को वंदे भारत ट्रेन के 39,000 पहिए की आपूर्ति के लिए 170 करोड़ रुपए का ठेका दिया है. इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर काफी बवाल मच गया है।

सोशल मीडिया पर कहा जा रहा है कि एक तरफ भारत सरकार चीन से सामान आपूर्ति पर रोक लगाना चाहती हैं और दूसरी तरफ भारतीय रेल के लिए पहिए बनाने का ठेका चीनी कंपनियों को दे रही है. रेल के पहिए की आपूर्ति करने का यह कॉन्ट्रैक्ट सॉलिड फोर व्हील के लिए हॉन्ग कोंग इंटरनेशनल लिमिटेड के साथ करार किया गया है।

रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि रेलवे के ये पहिए वंदे भारत ट्रेन के लिए हैं. भारत में रेल पहिया बनाने वाली कंपनियों की कमी है और इस वजह से भारत सरकार ने चीन की एक कंपनी को इसका ठेका दे दिया है।

भारतीय रेलवे ने वंदे भारत ट्रेन के पहिए बनाने का ठेका चीन की कंपनी को इसलिए दिया है क्योंकि राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के रायबरेली के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में दिक्कत आ रही है. रायबरेली के व्हील मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में आ रही दिक्कत की वजह से सरकार को ग्लोबल टेंडर जारी करना पड़ा जिसमें चीन की एक कंपनी ने बोली जीत ली है।

रायबरेली के व्हील मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की कैपेसिटी सालाना 1,00,000 पहिए बनाने की है. राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के रायबरेली मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से पहिये की सिर्फ रेलवे को सप्लाई की जाती है.

इस बारे में एक सरकारी अधिकारी ने कहा, सितंबर 2021 में रायबरेली से ट्रेन के पहिये बनाने का कमर्शियल ऑपरेशन शुरू हुआ है लेकिन कामकाजी दिक्कत की वजह से राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड का यह प्लांट अभी ठीक तरीके से नहीं चल पा रहा है. रायबरेली प्लांट से पहिए की आपूर्ति सुधारने में कुछ समय लग सकता है।

भारतीय रेल हर साल रु 60,000 पहिये का आयात करती है. यह एलएचबी कोच के रोलिंग स्टॉक के लिए मंगाया जाता है. एलएचबी कोच सुरक्षित और आरामदेह माने जाते हैं।

विनती ऑर्गेनिक्स में एक लाख का निवेश करने वाले बने 28 करोड़ के मालिक, शेयरों में अब भी बचा है दम!

नई दिल्ली। शेयर बाजार में निवेश कर कमाई करना कौन नहीं चाहता अगर आप भी शेयरों में निवेश से कमाई करना चाहते हैं तो आपको उन कंपनियों की पहचान करने की जरूरत है जो लंबी अवधि में अच्छा कारोबार कर आपकी पूंजी को बढ़ाने में मदद कर सकती है. इस तरह के शेयरों को मल्टीबैगर शेयर कहते हैं. आज हम इसी तरह के एक शेयर विनती ऑर्गेनिक्स की बात कर रहे हैं. विनती ऑर्गेनिक्स के शेयरों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है. विनती ऑर्गेनिक्स के शेयर 75 पैसे के भाव से बढ़कर रु 2000 के पार पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में रु 1,00,000 का निवेश करने वाले लोग करोड़पति बन गए हैं. विनती ऑर्गेनिक्स के शेयरों का 52 हफ्ते का उच्च स्तर 2290 रुपए के करीब है. इस समय विनती ऑर्गेनिक्स के शेयर का भाव 2104 रुपए के लेवल पर है. विनती ऑर्गेनिक्स के शेयर 7 नवंबर 2003 को मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में 75 पैसे के लेवल पर थे. Vinati कंपनी के शेयर 20 मई 2022 को बीएसई में 2104 रुपए के लेवल पर पहुंच गए हैं. विनती ऑर्गेनिक्स के शेयरों ने इस अवधि में 2,00,000 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है. अगर किसी व्यक्ति ने 7 नवंबर 2003 को विनती ऑर्गेनिक्स के शेयरों में रु 1,00,000 का निवेश किया होगा और वह अपने निवेश पर कायम होंगे तो इस समय यह पैसा रु 28 करोड़ के करीब हो गया होगा।

विनती ऑर्गेनिक्स के शेयरों ने पिछले 9 साल से कम समय में जबरदस्त रिटर्न दिया है. इस अवधि में विनती ऑर्गेनिक्स के शेयर रु 50 के भाव से रु 2100 के लेवल पर पहुंच गए हैं।

शार्ट न्यूज

सर्कल में बाकी खिलाड़ी आश्वस्त नहीं थे, इसलिये रिव्यू नहीं लिया : डेविड के विकेट पर पंत

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियन्स के बीच शनिवार को खेले गये आईपीएल मैच में जब टिम डेविड बल्लेबाज़ी करने आये तो मुंबई को 33 गेंदों पर 65 रन चाहिये थे। डेविड की पारी की पहली गेंद उनके बल्ले का किनारा छूकर रिषभ पंत के दस्तानों में जा पहुंची। हल्की आवाज़ आने पर पंत ने अपील भी की, लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया और कुछ सोच-विचार करने के बाद पंत ने रिव्यू भी नहीं लिया। उस समय दिल्ली कैपिटल्स के पास दोनों रिव्यू बाकी थे। इसके बाद डेविड ने 10 गेंदें खेलकर ताबड़तोड़ 34 रन बनाये और मुंबई पांच गेंदें रहते मैच जीत गयी। मैच के बाद स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए पंत ने कहा कि मैदान पर मौजूद अन्य खिलाड़ी विकेट को लेकर आश्वस्त नहीं थे इसलिये उन्होंने रिव्यू नहीं लिया। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि वहां कुछ था, इसलिये मैंने बाकियों से पूछा कि क्या हमें रिव्यू लेना चाहिये। सर्कल में खड़े अन्य लोग पूरी तरह आश्वस्त नहीं थे। अंततः, मैंने रिव्यू नहीं लिया। दूसरी ओर दिल्ली के हेड कोच रिकी पॉन्टिंग ने कहा कि उनकी टीम सिर्फ एक निर्णय की वजह से मैच नहीं हारी, बल्कि उनकी हार के अन्य कारण भी थे। उन्होंने पोस्ट मैच कांफ्रेंस में कहा, मैच के एक पहलू पर उंगली रखकर बताना हमेशा मुश्किल होता है। मैच की शुरुआत में हमारे ऊपरी क्रम के बल्लेबाज़ों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हमने करीब 30-40 रन पर चार विकेट खो दिये थे। यह एक टी20 मैच की अच्छी शुरुआत नहीं थी। खासकर ऐसे मैच की जिसे जीतना हमारे लिये आवश्यक था।

मध्यप्रदेश को 3-0 से पीटकर यूपी तीसरे स्थान पर

इंफाल। बेहतरीन तालमेल और तेजतर्रार खेल का प्रदर्शन करते हुये उत्तर प्रदेश ने 12वीं हाकी इंडिया सब जूनियर महिला हाकी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश को 3-0 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त कर लिया। प्रतियोगिता का फाइनल आज शाम छह बजे हरियाणा और झारखंड के बीच खेला जायेगा। खुमार लंपाक हाकी स्टेडियम में रविवार सुबह खेले गये मुकाबले में यूपी की लड़कियां पूरे मैच में प्रतिद्वंदी टीम पर हावी रहीं। मैच के पहले क्वार्टर के चौथे और पांचवें मिनट पर पीताबंरी कुमारी और प्रीति पटेल ने मध्य प्रदेश की रक्षा पंक्ति को तहस नहस करते हुये शानदार फील्ड गोल किये जबकि मैच के 58वें मिनट पर कंचन कुमारी ने एमपी की गोलकीपर कृषा परिहार को चकमा देते हुये तीसरा गोल दाग कर अपनी टीम की जीत की पटकथा लिख दी। प्रतियोगिता में यूपी की लड़कियों का प्रदर्शन शानदार रहा है। यूपी टीम ने पहले लीग मैच में गुजरात को 21-0 से रौंद कर अपने सफर की शुरूआत की थी जबकि बाद में उसने छत्तीसढ़ को 8-2 से हरा कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी, और चंडीगढ को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हरा कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में यूपी को कड़े संघर्ष में झारखंड से 1-2 से शिकस्त झेलनी पड़ी और उसका खिताब जीतने का सपना चकनाचूर हो गया।

स्वदेशी मार्शल आर्ट कलारीपयट्टू के लिये यूपी टीम ने कमर कसी

लखनऊ। पंचकूला हरियाणा में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्वदेशी मार्शल आर्ट कलारीपयट्टू के लिये उत्तर प्रदेश टीम के चयन और प्रशिक्षण के लिये शनिवार को तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। चौक स्टेडियम इंडोर हॉल में शिविर का उद्घाटन पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर केरल से आए कलारीपयट्टू प्रशिक्षक एक्सपर्ट्स व प्रदेश के खिलाड़ियों ने खेल की विभिन्न तलवारबाजी, लाठी, उर्मी जैसी पारंपरिक विधाओं का प्रदर्शन भी किया। यूपी कलारीपयट्टू एसोसिएशन के सीईओ प्रवीण गर्ग ने बताया कि तीन दिवसीय शिविर में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये केरल से खेल के एक्सपर्ट श्रीजयन, अनश्वरा, श्रीलक्ष्मी, कीर्थना कृष्ण को बुलाया गया है ताकि प्रदेश की टीम खेलो इंडिया में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक प्राप्त कर देश का नाम रोशन करे। उन्होंने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब ढ़ाई सौ खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। शिविर के समापन के साथ प्रदेश टीम की घोषणा 23 मई को की जाएगी।

गूगल ने मनाया गामा पहलवान का जन्मदिन

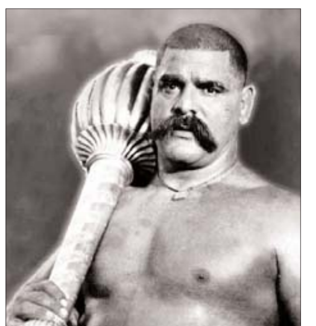

नयी दिल्ली। गूगल ने रविवार को अपने सर्च इंजन को पहलवान गुलाम मोहम्मद बख्श बट की डूडल कला से सजाया, जिन्हें द ग्रेट गामा के नाम से जाना जाता है। रुस्तम-ए-हिंद की उपाधी से नवाज़े गये मोहम्मद बख्श बट गामा का जन्म 22 मई, 1878 को अमृतसर में हुआ था। कुश्ती प्रतियोगिताओं में गामा की सफलता ने उन्हें पूरे भारत में प्रसिद्धि दिलाई। अपने 52 साल लंबे कुश्ती करियर में वह एक भी मुकाबला नहीं हारे। 10 साल की उम्र से ही गामा ने अपने नियमति व्यायाम में 500 पुश-अप शामिल कर लिये थे। सन् 1988 में गामा ने जोधपुर की एक व्यायाम प्रतियोगिता में हिस्सा लिया जिसमें देशभर से 400 पहलवान आये थे। अंतिम 15 में जगह बनाने के बाद गामा को जोधपुर के महाराज ने विजेता घोषित कर दिया। वहां से दतिया के महाराज ने उन्हें कुश्ती सिखाने की ज़िम्मेदारी ले ली। उन्होंने 15 साल की उम्र में कुश्ती शुरू की और 1910 तक गामा ने तभी बड़े पहलवानों को हरा दिया था। वह राष्ट्रीय हीरो और विश्व चैम्पियन के रूप में अख़बारों में छपने लगे थे। उन्होंने अपने करियर के दौरान कई खिताब अर्जित किए, विशेष रूप से 1910 में विश्व हैवीवेट चैम्पियनशिप का भारतीय संस्करण और 1927 में विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप, जहां उन्हें टूर्नामेंट के बाद टाइगर की उपाधि से सम्मानित किया गया। प्रिंस ऑफ वेल्स ने अपनी भारत यात्रा के दौरान गामा को सम्मानित करने के लिए उन्हें एक चांदी की गदा भी भेंट की थी। 1947 में बंटवारे के दौरान गामा को कई हिन्दुओं की ज़िन्दगी बचाने के लिये भी सराहा जाता है। बंटवारे के बाद वह पाकिस्तान चले गये और 1960 में देहांत से पहले तक लाहौर में ही रहे।

बसाक ने बिन ऑक्सीजन एवरेस्ट पर फहराया तिरंगा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल से आने वाली पर्वतारोही पियाली बसाक ने रविवार को एक नयी उपलब्धि हासिल करते हुए बिना पूरक ऑक्सीजन के माउंट एवरेस्ट (8848 मी) की चढ़ाई पूरी की। एक अक्टूबर, 2021 को माउंट धौलागिरी-1 (8167 मीटर) को सफलतापूर्वक फतह करने वाली बसाक पूरक ऑक्सीजन के बिना दुनिया के सातवें सबसे ऊंचे पर्वत के शिखर पर पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। एक रिपोर्ट में काठमांडू में उनके एजेंट कार्यालय मेसर्स पायनियर के हवाले से कहा गया कि उन्होंने एवरेस्ट पर पहुंचने के बाद लगभग सुबह नौ बजे राष्ट्रीय तिरंगा फहराया। संदेश में कहा गया, पियाली बसाक बिना पूरक ऑक्सीजन समर्थन के दुनिया के शीर्ष पर पहुंच गई हैं। पियाली बसाक पूरक ऑक्सीजन समर्थन के बिना माउंट एवरेस्ट और माउंट ल्होत्से को फतह करने के लिए निकली थीं। धन की कमी के कारण उन्हें अपना अभियान लगभग छोड़ना पड़ा था, लेकिन आखिरकार उन्हें शुक्रवार की सुबह एवरेस्ट के लिये अनुमति मिल गई। पियाली बसाक ने शनिवार को शाम सात बजे (नेपाली समय) के आसपास अपना सफ़र शुरू किया और नेपाल की ओर से एक शेरपा गाइड के साथ लगभग सुबह नौ बजे (नेपाली समय) शिखर पर पहुंच गयीं। पियाली बंगाल की पहली महिला हैं जिन्होंने बिना ऑक्सीजन की बोतल के एवरेस्ट पर चढ़ाई की है, जो कम से कम 27,000 फीट ऊपर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक दिन के आराम के बाद, हुगली जिले के चंदननगर की पियाली सोमवार को बिना ऑक्सीजन की बोतल के 8,516 मीटर की ऊंचाई पर दुनिया के चौथे सबसे ऊंचे पर्वत ल्होत्से पर चढ़ाई का प्रयास करेंगी।

एशिया कप के पहले दिन भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

जकार्ता। हीरो एशिया कप का मौजूदा चैम्पियन भारत इस बार के अपने एशिया कप की शुरुआत सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ जीबीके एरिना में करेगा।

रोमांच से भरपूर पहले दिन में मलेशिया का सामना ओमान से होगा, जो एक पखवाड़े पहले थाईलैंड में अपने एशियाई खेलों के क्वालीफायर की सफलता के बाद आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। एशियाई चैम्पियन्स ट्रॉफी खिताब धारक कोरिया पूल बी मैचों में बांग्लादेश से खेलेगा, जबकि जापान, जो एशियाई खेलों का गत चैंपियन भी है, मेजबान इंडोनेशिया से भिड़ेगा।

एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) कैलेंडर में इस टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में, जो विश्व कप क्वालीफायर भी है, भारत ने ढाका में आयोजित फाइनल में मलेशिया को 2-1 से हराया था। भारत और पाकिस्तान दोनों ने तीन-तीन बार एशिया कप का अपने नाम किया है, जबकि दक्षिण कोरिया सबसे सफल टीम है जिसने पिछले 10 संस्करणों में से चार बार टूर्नामेंट जीता है।

भारत ने अनुभवी कप्तान बीरेंद्र लाकड़ा और उपकप्तान एसवी सुनील के साथ खेलने के लिये एक युवा टीम का चयन किया है। टोक्यो ओलंपिक खेलों में स्टार प्रदर्शन करने वाले सिमरनजीत सिंह लंबी चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। टीम को दो बार के ओलंपियन और पूर्व कप्तान सरदार सिंह टीम के साथ कोच के रूप में जुड़ेंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ अपने शुरुआती मैच की पूर्व संध्या पर बोलते हुए, लाकड़ाऔर सुनील दोनों ने उच्च दबाव वाले खेल में युवाओं का मार्गदर्शन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सुनील ने कहा, दबाव हमेशा (पाकिस्तान के खिलाफ) होता है। पाकिस्तान के खिलाफ कोई भी मैच हमेशा हाई वोल्टेज वाला होता है। सीनियर के तौर पर हम ज्यादा उत्साहित नहीं हो सकते वरना जूनियर खिलाड़ी दबाव में आ जाएंगे। इसलिए, हमें इसे एक सामान्य मैच के रूप में लेने की जरूरत है।

लाकड़ा ने कहा, दोनों टीमें युवा हैं। हमारे लिए मैच दर मैच टूर्नामेंट को गुज़ारना महत्वपूर्ण है। प्रदर्शन अच्छा रहा तो परिणाम निश्चित रूप से आएगा। अगर हम अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो आत्मविश्वास का स्तर ऊंचा होगा।

सुनील ने इस बात पर ज़ोर दिया कि एक अच्छे दिन में सभी टीमें एक-दूसरे के बराबर होती हैं। उन्होंने कहा, किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। हर कोई यहां अगले साल विश्व कप में जगह बनाने के लिए आया है और गत चैंपियन के रूप में हमारा ध्यान अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर होगा।

मैच का समय

मलेशिया बनाम ओमान स्थानीय समयानुसार सुबह 11:45 बजे
कोरिया बनाम बांग्लादेश स्थानीय समयानुसार दोपहर 02:00 बजे
जापान बनाम इंडोनेशिया स्थानीय समयानुसार शाम 04:15 बजे
भारत बनाम पाकिस्तान स्थानीय समयानुसार शाम 06:30 बजे

हरियाणा ने जीता महिला जूनियर हॉकी का खिताब

एजेंसी

इंफाल। खेल के हर विभाग में झारखंड को 19 साबित करते हुये हरियाणा ने रविवार को 12वीं हाकी इंडिया सब जूनियर महिला हाकी राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। इससे पहले सुबह के सत्र में उत्तर प्रदेश ने मध्य प्रदेश को 3-0 से हरा कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

खुमार लंपाक हाकी स्टेडियम में रविवार शाम खेले गये फाइनल मुकाबले में हरियाणा के खिलाड़ियों ने तालमेल और सूझबूझ के खेल का प्रदर्शन करते हुये झारखंड पर शुरू से ही दबाव बनाना शुरू कर दिया, नतीजन खेल के 13वें मिनट में रिया ने झारखंड की रक्षा पंक्ति को भेदते हुये अपनी टीम के लिये पहला गोल दागा। बाद के क्वार्टर में दोनो ही टीमों ने एक दूसरे पर हमले किये मगर कोई भी टीम इसे गोल में तब्दील नहीं कर सकी। हरियाणा की ओर से दूसरा निर्णायक गोल 39वें मिनट में सेजल ने किया और अपनी टीम को ड्राइविंग सीट पर बैठा दिया।

आखिरी के 15 मिनट झारखंड की लड़कियों ने गोल करने का भरपूर प्रयास किया जिसे हरियाणा की चपल रक्षा पंक्ति ने विफल कर दिया और अंततः हरियाणा को चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त हुआ।

सुबह खेले गये मुकाबले में यूपी की लड़कियां पूरे मैच में प्रतिद्धंदी मध्यप्रदेश की टीम पर हावी रहीं। मैच के पहले क्वार्टर के चौथे और पांचवें मिनट पर पीताबंरी कुमारी और प्रीति पटेल ने मध्य प्रदेश की रक्षा पंक्ति को तहस नहस करते हुये शानदार फील्ड गोल किये जबकि मैच के 58वें मिनट पर कंचन कुमारी ने एमपी की गोलकीपर कृषा परिहार को चकमा देते हुये तीसरा गोल दाग कर अपनी टीम की जीत की पटकथा लिख दी।

प्रतियोगिता में यूपी की लड़कियों का प्रदर्शन शानदार रहा है।

मैं पहली बार ख़राब फ़ॉर्म से नहीं जूझ रहा हूं : रोहित शर्मा

मुम्बइ। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा इस आईपीएल में अपने प्रदर्शन से काफ़ी निराश हैं लेकिन उनका मानना है कि वह जल्द ही वापसी करेंगे। इस सीज़न खेले कुल 14 मुक़ाबलों में वह केवल 19.14 की औसत और 120 के स्ट्राइक रेट से 268 रन ही बना पाए। ऐसा पहली बार हुआ जब आईपीएल के किसी सीज़न में वह एक अर्धशतक तक नहीं बना पाए।

रोहित ने अपनी फ़ॉर्म पर चर्चा करते हुए कहा, काफ़ी चीज़ें मेरे अनुरूप नहीं गईं। हालांकि यह चीज़ें पहले भी मेरे साथ हो चुकी हैं लिहाज़ा मैं पहली बार इन परिस्थितियों का सामना नहीं कर रहा हूं। मुझे पता है कि क्रिकेट यहां समाप्त नहीं होती अभी आगे काफ़ी क्रिकेट खेलनी है। इसलिए मुझे मानसिक पहलू पर थोड़ा काम करने की ज़रूरत है ताकि मैं वापस अपनी लय प्राप्त कर सकूं। मुझे बस थोड़े से समायोजन की दरकार है और जब भी मुझे खाली समय मिलेगा मैं इस पर काम करूंगा।

रोहित की ख़राब फ़ॉर्म का खामियाज़ा टीम को भी भुगतना पड़ा। मुंबई इस सीज़न के पहले आठों मुक़ाबले हार गई। पिछले छह मुक़ाबलों में उन्होंने चार मुक़ाबले ज़रूर अपने नाम किए लेकिन तब तक काफ़ी देर हो चुकी थी।

रोहित ने इस सीज़न मुंबई के प्रदर्शन पर बात करते हुए कहा, यह सीज़न हमारे लिए काफ़ी निराशाजनक रहा, हम सीज़न की शुरुआत में अपनी योजनाओं को धरातल पर नहीं उतार सके। आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में आपको मॉमेंटम बनाना पड़ता है। शुरुआत में हम एक के बाद एक लगातार मुक़ाबले हारते रहे। हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह था कि हम योजनाओं को अपने हिसाब से मैदान में लागू करें लेकिन चीज़ें वैसी घटित नहीं हुईं जैसा हम चाहते थे। हालांकि एक नई टीम के साथ ऐसा होता है क्योंकि खिलाड़ियों को अपनी भूमिकओं को समझने में समय लगता है। कुछ खिलाड़ी इस फ़्रैंचाइज़ी के लिए पहली बार खेल रहे थे, अपनी राष्ट्रीय, राज्य या दूसरी लीग में वह जो भूमिका निभाते हैं उसके मुक़ाबले यहां उन्हें दूसरी भूमिकाएं दी गई थीं और यही वजह रही कि उन्हें नई भूमिकाओं से तालमेल बनाने में समय लग गया।

रोहित ने टूर्नामेंट के दूसरे चरण में टीम के प्रदर्शन को लेकर कहा, दूसरे फ़ेज़ में हमने बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी दोनों ही क्षेत्रों में अच्छा किया। यह हमारे लिए सकारात्मक पहलू है, जब आप बड़ा मैच या कोई बड़ा टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं तो आपको कुछ ऐसा ही प्रदर्शन करना होता है।

अल्बनीज हैं ऑस्ट्रेलिया के नए प्रधानमंत्री, दो बार आ चुके हैं भारत

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में आम चुनावों के परिणाम आ चुके हैं। इस चुनाव में प्रधानमत्री स्कॉट मॉरिसन की पार्टी को करारी हार मिली है और लेबर पार्टी के नेता एंथनी अल्बनीज ने जीत हासिल की है। अल्बनीज अब ऑस्ट्रेलिया के नए पीएम होंगे। इस मौके पर पीएम मोदी ने उनको बधाई दी है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि एंथनी अल्बनीज को ऑस्ट्रेलियाई लेबर पार्टी की जीत और प्रधानमंत्री के रूप में उनके चुनाव के लिए बधाई। मैं अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा प्राथमिकताओं के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

इसी बीच लोग एंथनी अल्बनीज के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। ऑस्ट्रेलिया के राजनीतिक गलियारों में एंथनी अल्बनीज कोई नया नाम नहीं हैं, वे चुनाव से पहले लंबे समय तक विपक्ष के मुख्य नेता थे। इतना ही नहीं एंथनी अल्बनीज दो बार भारत की यात्रा पर आ चुके हैं। एंथनी अल्बनीज ने अपने चुनाव प्रचार अभियान में भी भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को मजबूत बनाने और रणनीतिक साझेदारी पर

जोर देने का वादा किया था। फिलहाल अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में अल्बनीज के जीवन के बारे में कई जानकारियां सामने आ रही हैं।

दो बार कर चुके हैं भारत की यात्रा

कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओफरेल ने बताया है कि अल्बनीज भारत से अनजान नहीं हैं। वह 1991 में एक बैक-पैकर की तरह भारत भ्रमण कर चुके हैं। वहीं 2018 में एक संसदीय दल की अगुवाई करते हुए भारत आए थे। इतना ही नहीं जहां एक तरफ स्कॉट मॉरिसन ने अपने प्रचार में भारतीय मूल के वोटरों को कई तरीके से लुभाने की कोशिश की थी तो वहीं एंथनी अल्बनीज ने मजबूत भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों और रणनीतिक साझेदारी पर जोर दिया था।

बेहद सामान्य पृष्ठिभूमि से पीएम तक का सफर

दो मार्च 1963 को एंथनी अल्बनीज का जन्म ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में ईसाई परिवार में हुआ। उन्हें बताया गया था कि उनके पिता की मौत हो गई है और उनकी परवरिश आयरिश-ऑस्ट्रेलियाई मूल की मां ने की। हालांकि एंथनी जब 14 साल के थे तो उनकी मां ने बताया कि उनके पिता जिंदा है। उनकी मां की पिता के साथ कभी शादी ही नहीं हुई थी। फिलहाल कमजोर आर्थिक हालत के बीच एंथनी राजनीतिक रूप से सक्रिय हुए और कई आंदोलनों में भाग लेने लगे।

चुनाव में मुकाबला मॉरिसन बनाम अल्बनीज

वैसे तो ऑस्ट्रेलिया के इस आम चुनाव में छह प्रत्याशी पीएम पद की रेस में थे लेकिन मुख्य मुकाबला मॉरिसन और अल्बनीज के बीच ही था। मॉरिसन 2019 के चुनाव में भी पूर्ण बहुमत हासिल नहीं कर पाए थे और छोटी पार्टियों के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। इस बार हुए चुनाव में क्लाइमेंट चेंज बड़ा मुद्दा रहा था। जंगलों में लगी आग और बाढ़ को लेकर मॉरिसन सरकार घिरती रही।

मॉरिसन ने अंतिम चुनाव परिणाम घोषित होने से पहले ही अपनी हार स्वीकार कर ली। मॉरिसन ने मीडिया को बताया कि रात को मैंने विपक्ष के नेता और आने वाले प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से बात की है और मैंने उन्हें उनकी चुनावी जीत पर बधाई दी है। मॉरिसन ने यह भी कहा कि वे अपनी पार्टी की हार की जिम्मेदारी लेते हैं और वह लिबरल पार्टी के नेता के रूप में इस्तीफा देंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी पार्टी और देश का नेतृत्व करने का मौका मिला, इसके लिए वह सभी को धन्यवाद देते हैं।

उधर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नए ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री से टोक्यो में होने वाली क्वाड शिखर बैठक के दौरान द्विपक्षीय मुलाकात होगी। इससे पहले तक प्रधानमंत्री पद संभाल रहे स्कॉट मॉरिसन से भी पीएम मोदी की पहली मुलाकात जापान में ही हुई थी।

दक्षिण कोरिया में कोविड 19 के 19298 नये मामले

सोल। दक्षिण कोरिया कोविड-19 के 19,298 कोविड -19 के नये मामले दर्ज किये जाने के बाद कुल संक्रमितों को आंकडा 1,79,57,697 हो गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी के अनुसार, रोज आने वाले मामलो के हिसाब से पिछले दिन यह आकड़ा 23,462 का था जबकि एक सप्ताह पहले यह संख्या 25,425 थी। नए मामलों में, 24 विदेशों से आये हुये है , कुल मिलाकर संख्या 32,511 हो गयी है । गंभीर संक्रमित मरीजो की संख्या पिछले दिन की तुलना में 6 घटकर 229 रह गयी।

उ कोरिया के परीक्षण को लेकर तैयार है अमेरिका : जो बिडेन

सोल। राष्ट्रपति के रूप में एशिया महाद्वीप की पहली यात्रा पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने रविवार को साफ किया कि उत्तर कोरिया के किसी भी संभावित मिसाइल प्रक्षेपण पर प्रतिक्रिया के लिए अमेरिका पूरी तरह से तैयार है।

बिडेन ने कहा, उत्तर कोरिया जो भी करता है हम उसके लिए तैयार हैं। जैसा वह करता है हम उसी के अनुसार प्रतिक्रिया देंगे। इसको लेकर मैं बहुत चिंतित नहीं हूं।

वॉल स्ट्रीट समाचारपत्र ने व्हाइट हाउस के हवाले से बताया कि श्री बिडेन की एशिया महाद्वीप की राष्ट्रपति के रूप से पहली यात्रा के दौरान ही उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण या सांतवा परमाणु परीक्षणा करने की संभावना है।

दोनों नेताओं ने कहा कि उत्तर कोरिया द्वारा एक के बाद एक किये जा रहे मिसाइल प्रक्षेपणों को देखते हुए हम दोनों देश भी संयुक्त सैन्य अभियानों को बढाने को लेकर विचार विमर्श शुरू करेंगे।

अभी तक मिली उपग्रहीय तस्वीरों को देखकर लग रहा है कि उत्तर कोरिया सातवें परमाणु परीक्षण की तैयारी में है। इस साल उत्तर कोरिया ने अभी तक एक दर्जन से भी अधिक मिसाइल परीक्षण किये हैं जिसमें अंतरमहाद्वीपीय बैलास्टिक मिसाइल और समुद्री बैलास्टिक मिसाइल का परीक्षण भी शामिल है।

पाकिस्तान : पीटीआई नेता आलमगीर के खिलाफ मामला दर्ज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पुलिस ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेशनल असेंबली के सदस्य आलमगीर खान के खिलाफ सुरक्षा संस्थानों को कथित रूप से बदनाम करने और सैनिकों को उनके कर्तव्य से दूर करने का प्रयास करके विद्रोह को उकसाने के लिए मामला दर्ज किया है। खान ने कथित तौर पर शुक्रवार रात गुलशन-ए-इकबाल में एक क्रिकेट मैदान के अंदर भित्तिचित्रों का लगाया था, जिसमें लिखा था, मैं निष्पक्ष हूं। उनके खिलाफ कानून की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। बाद में पुलिस ने सांसद को गिरफ्तार करने के लिए गुलशन-ए-इकबाल स्थित उनके घर पर छापा मारा लेकिन वह वहां नहीं मिले। इस छापेमारी को लेकर पीटीआई नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी।

पाकिस्तान : बिलावल ने चीनी समकक्ष वांग यी से की मुलाकात

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने रविवार को चीन के अपने पहले द्विपक्षीय दौरे के दौरान ग्वांगझू में चीनी स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री वांग यी के साथ बैठक की। बिलावल ने विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार के साथ अपने चीनी समकक्ष से मुलाकात की। विदेश मंत्री बिलावल की चीन यात्रा चीन के साथ पाकिस्तान के राजनयिक संबंधों की स्थापना की 71वीं वर्षगांठ के साथ मेल खाती है और पाकिस्तान में गठबंधन सरकार की स्थापना के बाद दोनों देशों के बीच पहली उच्च स्तरीय बातचीत है। रिपोर्टों में कहा गया है कि दोनों नेताओं के बीच व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा, जिसके दौरान पाकिस्तान और चीन के बीच मजबूत व्यापार और आर्थिक सहयोग पर विशेष ध्यान देने के साथ द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। दोनों पक्षों के बीच प्रमुख क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का व्यापक आदान-प्रदान भी होगा

'दक्षिण कोरिया को क्वाड में शामिल करने पर विचार नहीं कर रहा अमेरिका'

वाशिंगटन। अमेरिका, दक्षिण कोरिया को क्वाड सुरक्षा मंच में शामिल करने पर विचार नहीं कर रहा है, जिसे चीन का मुकाबला करने के लिए साझेदारी के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अमेरिकी अधिकारी ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ सियोल में अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान यह टिप्पणी की, जिसके बाद मंगलवार को होने वाले चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता (क्वाड) के शिखर सम्मेलन के लिए टोक्यो की यात्रा पर जाएंगे। क्वाड चार सदस्यीय साझेदारी है, जिसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जेई इन ने अपने चुनाव अभियान के दौरान दक्षिण कोरिया और क्वाड के बीच सहयोग का धीरे-धीरे विस्तार करने के लिए क्वाड के विभिन्न कार्य समूहों जैसे जलवायु परिवर्तन और प्रौद्योगिकियों में भाग लेने का वादा किया था।

ऑस्ट्रेलिया : अल्बनीज़ ने जलवायु नीति में बदलाव का दिया संकेत

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के नए प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि वह जलवायु नीति में बड़े बदलाव के साथ देश को एक नयी दिशा में ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया को अक्षय ऊर्जा महाशक्ति बनाना चाहते हैं। अल्बनीज़ को सोमवार को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेनी है, लेकिन यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि उनकी पार्टी के पास संसद में अपेक्षित बहुमत होगा या नहीं। पिछले कुछ वर्षों में कई प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए, इस चुनाव में जलवायु परिवर्तन एक प्रमुख विषय था। मतगणना अभी भी जारी है, और यह स्पष्ट नहीं है कि संसद के 151 सदस्यीय निचले सदन में बहुमत हासिल करने के लिए लेबर पार्टी को 76 सीटें मिल सकती हैं या नहीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

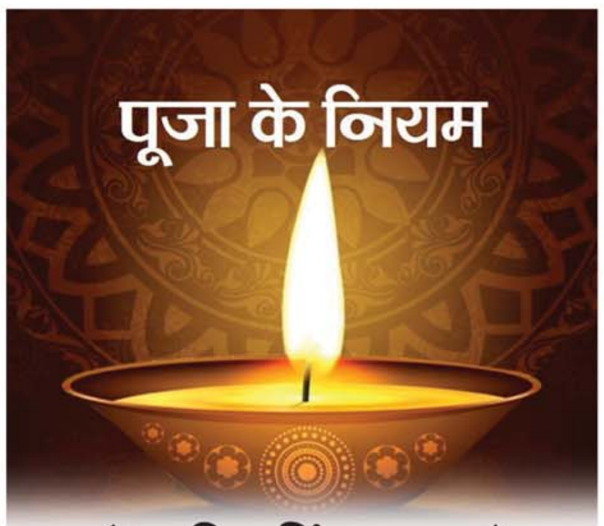

घर में 2 शिवलिंग, 3 गणेश, 2 शंख, और 3 दुर्गा मूर्ति भूलकर भी न रखें

हम सभी के घर में भगवान का मंदिर होता है लेकिन अज्ञानतावश हम कुछ गलतियां कर जाते हैं। प्रस्तुत है कुछ आवश्यक महत्वपूर्ण जानकारियां.

एक घर में कम से कम पांच देवी देवताओं की पूजा होनी ही चाहिए–गणेश, शिव, विष्णु, सूर्य, दुर्गा। किसी भी देव या देवी के पूजन के प्रति संकल्प, एकाग्रता, श्रद्धा होना बहुत ही आवश्यक है।

गृहे लिंगद्वयं नाच्यं गणेशत्रितयं तथा।
शंखद्वयं तथा सूर्यो नार्च्यो शक्तित्रयं तथा।
द्वे चक्रे द्वारकायास्तु शालग्राम शिलाद्वयम।
तेषां तु पुजनेनैव उद्वेगं प्राप्नुयाद् गृही।

अर्थ– घर में दो शिवलिंग, तीन गणेश, दो शंख, दो सूर्य, तीन दुर्गा मूर्ति, दो गोमती चक्र और दो शालिग्राम की पूजा करने से गृहस्थ मनुष्य को अशांति होती है।

- शालिग्राम जी की प्राण प्रतिष्ठा की आवश्यकता नहीं होती।
- दुर्गा की एक,सूर्य की सात,गणेश की तीन,विष्णु की चार और शिव की आधी ही परिक्रमा करनी चाहिए।
- तुलसी के बिना ईश्वर की पूजा पूर्ण नहीं मानी जाती। तुलसी की मंजरी सब फूलों से बढ़कर मानी जाती है।
- अमावस्या,पूर्णिमा,द्वादशी और रात्रि और संध्या काल में तुलसी दल नहीं तोड़ना चाहिए।
- प्रतिदिन पंचदेव पूजा अवश्य करनी चाहिए।
- यदि कोई मंत्र कंठस्थ न आता हो तो बिना मंत्र के ही जल, चंदन ,फूल आदि चढ़ाकर पूजा करनी चाहिए। फूल चढ़ाते समय ध्यान रखें कि उसका मुख ऊपर की ओर हो।
- सदैव दाएं हाथ की अनामिका एवं अंगूठे की सहायता से फूल अर्पित करने चाहिए। चढ़े हुए फूल को अंगूठे और तर्जनी की सहायता से उतारना चाहिए।
- फूल की कलियों को चढ़ाना मना है,किंतु यह नियम कमल के फूल पर लागू नहीं है।

जानिए गंगा का जल क्यों नहीं होता कभी खराब

भारतीय संस्कृति में नदियों को देवी के रूप में पूजा जाता है। प्रमुख वार-त्योहारों पर श्रद्धालु इन्ही नदियों के घाट किनारे स्नान करने जाते है और पात्रों में भरकर इन नदियों के जल को अपने घरों में भी लाते हैं। इस जल का उपयोग घर की शुद्धि करने, चरणामृत में मिलाने, पूजा या अनुष्ठान करने जैसे कई धार्मिक कार्यों में किया जाता है। लगभग हर हिन्दू परिवार में आपको एक कलश मिल ही जाएगा जिसमे गंगाजल होता है। भारत में लोग गंगा जल को सबसे ज्यादा पवित्र मानते हैं और बताते हैं कि इसका पानी कभी खराब नहीं होता। अब सवाल ये है कि इतने अवांछित पदार्थों के मिल जाने के बाद भी गंगा जल आखिर खराब क्यों नहीं होता? हिन्दू वेद-पुराणों और धार्मिक ग्रंथों की माने तो उनमें गंगा की महिमा का वर्णन कई कथाओं के माध्यम से मिल जाएगा। इस विषय में एक घटना ये भी प्रचलित है कि एक ब्रिटिश वैज्ञानिक ने वर्ष 1890 में गंगा के पानी पर रिसर्च भी की थी। दरअसल, उस दशक में भारत के कई हिस्सों में हैजा का भयंकर प्रकोप था, जिसने कई लोगों की जान ली थी। उस समय लोग लाशों को गंगा नदी में फेंक जाते थे। गंगा के उसी पानी में नहाकर या उसे पीकर अन्य लोग बीमार ना पड़ जाए, इसी बात की चिंता उस वैज्ञानिक को थी। लेकिन, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और गहन शोध के बाद उसने यह पाया की गंगा नदी के पानी में विचित्र वायरस है जो इसमें मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है। इस वजह से गंगा के पानी को घरों में कई दिनों तक रखा जाने के बाद भी उसमें से दुर्गंध नहीं आती।

'पवित्रता के पर्याय' गंगाजल का नाम आते ही ये सवाल हमारे मन में जरूर आता है। लेकिन इसका जवाब भी वैज्ञानिकों ने खोज निकाला है। दरअसल, हिमालय में स्थित गंगोत्री से निकली गंगा का जल इसलिए कभी खराब नहीं होता, क्योंकि इसमें गंधक, सल्फर इत्यादि खनिज पदार्थों की सर्वाधिक मात्रा पाई जाती है। राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान रूड़की के वैज्ञानिकों का कहना है कि गंगा का जल हिमालय पर्वत पर उगी कई उपयोगी जड़ी-बूटियों को स्पर्श करते हुए आता है। एक अन्य रिपोर्ट ये भी दावा करती है कि गंगा जल में' बैक्ट्रिया फोस' नामक एक विशेष बैक्टीरिया पाया जाता है, जो इसमें पनपने वाले अवांछित पदार्थों को खाता रहता है, जिससे इसकी शुद्धता बनी रहती है।

गंगा हिमालय से शुरू होने के बाद कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे शहरों तक पहुंचती है जहां खेतीबाड़ी का कचरा-कूड़ा और औद्योगिक रसायनों की भारी मात्रा इसके पानी में मिल जाती है , इसके बाद भी गंगा का पानी पवित्र बना रहता है। इसका एक और वैज्ञानिक कारण है कि इसे शुद्ध करने वाला तत्त्व गंगा की तलहटी में ही मौजूद है। कई वर्षों से गंगा के पानी पर शोध करने वाले आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों ने ये निष्कर्ष निकाला है कि गंगा के पानी में वातावरण से आक्सीजन सोखने की अद्भुत क्षमता है, जो दूसरी नदियों के मुकाबले कम समय में पानी में मौजूद गंदगी को साफ करने में मदद करती है।

ज्येष्ठ मास की बड़ी बातें, क्या और क्यों है महत्व इस माह का

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार फाल्गुन माह अंतिम माह होता है इसके बाद चैत्र माह वैशाख और फिर ज्येष्ठ। इस बार ज्येष्ठ का प्रारंभ अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 17 मई 2022 से ज्येष्ठ माह प्रारंभ हो गया है। आओ जानते हैं इस माह की बड़ी बातें।

महत्व : ज्येष्ठ मास में सूर्य की तपन अपने चरम पर रहती है। इसीलिए सूर्य की ज्येष्ठता के कारण इस महीने को ज्येष्ठ कहा जाता है। इन दिनों सर्वाधिक बड़े दिन होते हैं। इस माह में नौतपा भी लगता है। शास्त्रों में इसी माह में जल के संरक्षण का महत्व बताया गया है। ज्येष्ठ मास में जल के दान को बहुत बड़ा पुण्य माना गया है। ज्येष्ठ के महीने में भगवान श्रीराम से हनुमान की मुलाकात हुई थी, जिसके चलते ये इस माह के मंगलवार पर हनुमान पूजा का खासा महत्व रहता है।

निम्नलिखित चौपाई से यह पता चलता है कि किस माह में क्या कार्य नहीं करना चाहिए।

चौते गुड़, वैशाखे तेल,
जेठ के पंथ, अषाढ़े बेल।
सावन साग, भादो मही,
कुवांर करेला, कार्तिक दही।
अगहन जीरा, पूसै धना,
माघै मिश्री, फाल्गुन चना।
जो कोई इतने परिहरै,
ता घर बैद पैर नहिं धरै।।
चैत चना, बैसाखे बेल, जैठे शयन,
आषाढ़े खेल, सावन हर्रे, भादो तिल।
कुवार मास गुड़ सेवै नित, कार्तिक मूल,
अगहन तेल, पूस करे दूध से मेल।
माघ मास घी-खिचड़ी खाय,
फागुन उठ नित प्रात नहाय।।

ज्येष्ठ माह में क्या करना और क्या नहीं चाहिए

- ज्येष्ठ माह में दोपहर में चलना खेलना मना है। इन महीनों में गर्मी का प्रकोप रहता है अत: ज्यादा घूमना-फिरना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। अधिक से अधिक शयन करना चाहिए।
- इस माह बेल खाना चाहिए या बेल का रस पीना चाहिए। इस माह में ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए।
- इस माह में लहसुन, राईं, गर्मी करने वाली सब्जियां और फल नहीं खाना चाहिए।
- इस माह में जल की पूजा की जाती है। इस माह में जल को लेकर दो त्योहार मनाए जाते हैं, पहला गंगा दशहरा और दूसरा निर्जला एकादशी।
- घाघ ने कहा कि जो व्यक्ति ज्येष्ठ माह में दिन में सोता है वह रोगी होती है।
- इस माह में बैंगन खाने से दोष लगता है और रोग उत्पन्न होता है। यह संतान के लिए शुभ नहीं होता है।
- ज्येष्ठ के माह में ज्येष्ठ पुत्र या पुत्री का विवाह करना शुभ नहीं माना जाता है।
- ज्येष्ठ माह में एक समय भोजन करना वाला निरोगी रहता है। महाभारत के अनुशासन पर्व में लिखा है- 'ज्येष्ठामूलं तु यो मासमेकभक्तेन संक्षिपेत। ऐश्वर्यमतुलं श्रेष्ठं पुमान्स्त्री वा प्रपद्यते।
- इस माह तिल का दान करने से अकाल मृत्यु से जातक बचा रहता है।
- ज्येष्ठ माह में हनुमानजी की प्रभु श्रीराम से मुलाकात हुई थी। इसीलिए इस माह में हनुमानजी की पूजा करने से लाभ मिलता है।

श्री कृष्ण का वृंदावन धाम 8 रहस्य या चमत्कार

ब्रजमंडल में मथुरा, गोकुल, नंदगांव, वृंदावन, बरसाना, गोवर्धन आदि क्षेत्र आते हैं। मथुरा जहां श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है। वहीं गोकुल उनकी बाललीला की भूमि है। श्रीकृष्ण जब थोड़े बड़े हुए तो वृंदावन उनका प्रमुख लीला स्थली बन गया। उन्होंने यहां रास रचा और दुनिया को प्रेम का पाठ पढ़ाया। बरसाना श्रीराधा की जन्मभूमि है और उनका परिवार भी वृंदावन में आकर रहने लगा था। आओ जानते हैं वृंदावन धाम के 8 चमत्कार या रहस्य को।

रंग महल : वृंदावन में रंग महल है। प्रतिदिन मंदिर के अंदर स्थित रंगमहल में कृष्ण-राधा का पलंग लगा दिया जाता है और पूरा रंगमहल सजा दिया जाता है तथा राधाजी का श्रृंगार सामान रख कर मंदिर के दरवाजे बन्द कर दिए जाते हैं। जब प्रात: दरवाजे खुलते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं। हालांकि शाम के बाद यह मंदिर बंद हो जाता है और यह भी कहा जाता है कि अगर यहां कोई छुपकर रासलीला देखता है तो वह अगले दिन पागल हो जाता है।

अपने आप बंद होता और खुलता मंदिर : वृन्दावन में श्रीकृष्ण का एक ऐसा मंदिर है जो अपने आप ही खुलता और बंद हो जाता है।

वृंदावन और तुलसी का रहस्य : वृंदा तुलसी को कहा जाता है। यहां तुलसी के पौधे अधिक हैं, इसलिए इसे वृंदावन नाम दिया गया। यानी वृंदा (तुलसी) का वन। कहते हैं कि यहां तुलसी के दो पौधे एक साथ लगे हैं। रात के समय जब राधा और कृष्ण रास रचाते हैं तो यही तुलसी के पौधे गोपियां बनकर उनके साथ नाचते हैं। इन तुलसी का एक भी पत्ता यहां से कोई नहीं ले जाता है। जिसने भी गुपचुप यह कार्य किया वह भारी आपदा का शिकार हो जाता है।

अजीब हैं पेड़ : मंदिर के परिसर में उगने वाले पेड़ और निधिवन में उगने वाले पेड़ भी अजीब है। यहां के पेड़ की शखाएं नीचे की ओर बढ़ती है। जहां आमतौर पर पेड़ ऊपर की तरफ बढ़ते हैं वहीं निधिवन में मौजूद पेड़ों की ऊंचाई बेहद कम हैं और इनकी शाखाएं इसकी जड़ों की ओर बढ़ती है। यहाँ पेड़ भी आपस में गुथे हुए हैं जो इस जगह को देखने में भी रहस्यमयी बनाती है।

मंदिर में करते हैं शयन : मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण रोज रात को खुद शयन करने आते हैं। उनके सोने के लिए मंदिर के पुजारी रोज पलंग लगाते हैं और जिस पर साफ-सुधरी गादी एवं बिस्तर के ऊपर चादर बिछाते हैं। लेकिन कहते हैं कि जब मंदिर खुलता है तो उस बिस्तर की हालत देखकर सभी अचंभित हो जाते हैं, क्योंकि उसे देखकर लगता है कि यहां कोई सोया था। सबसे आश्चर्य की बात यह भी कि यहां प्रतिदिन माखन मिश्री का प्रसाद चढ़ाया जाता है और जो बच जाता है उसे मंदिर में ही रख दिया जाता है, लेकिन सुबह तक वह प्रसाद भी समाप्त हो जाता है। आखिर कौन खा जाता होगा वह प्रसाद रात में यहां कोई भी नहीं रुकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार ऐसा बरसों से होता आ रहा है। कुछ लोग इसे अंधविश्वास मानते हैं और कुछ लोग इसे श्रीकृष्ण का चमत्कार।

घरों की खिड़कियां कर देते हैं बंद : यहां के आसपास के अधिकतर घरों में खिड़कियां नहीं हैं और जिनके घरों में हैं वे शाम की आरती के बाद खिड़कियां इस डर से बंद कर देते हैं कि कोई मंदिर की दिशा में देखे नहीं, अन्यथा वह अंधा हो जाएगा।

निधिवन : कहते हैं कि आज भी समय-समय पर प्रभु वृंदावन के निधिवन और मथुवन में रास भी करते हैं। वहां के मंदिरों में भ्रमण भी करते हैं। कहते हैं कि श्रीकृष्ण वृंदावन के निधिवन में रासलीला करने आते हैं और उनके साथ श्रीराधा सहित उनकी अष्ट सखियां भी आती हैं। लोगों का मानना है कि यहाँ हर रात आरती के बाद श्री कृष्ण, राधा और उनकी गोपियाँ रास रचाते हैं। आस-पास रहने वाले कई लोगों का कहना है कि उन्हें कई बार घुंघरूओं की आवाज सुनाई देती है, लेकिन कोई इस रास-लीला को अपनी आँखों से देखने की हिम्मत नहीं रखता, और देख ले तो फिर दुनिया में कुछ और देखने-समझने के लायक नहीं रहता। यानी अंधा हो जाता है। इसलिए अब निधिवन के दरवाजे शाम 7 बजे बंद कर दिया जाते हैं।

हरिदास भक्त : वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर से कई कथाएं जुड़ी हुई है। कहते हैं कि श्री हरिदासजी बांके बिहारी के सबसे बड़े भक्त थे जिनकी भक्ति और चमत्कारों की कई कथाएं प्रचलित हैं। भगवान की भक्त में डूबकर हरिदास जी जब भी गाने बैठते तो प्रभु में ही लीन हो जाते। इनकी भक्ति और गायन से रिझकर भगवान श्री कृष्ण इनके सामने आ जाते।

चतुर्थी का व्रत करने के 2 सबसे बड़े लाभ

प्रत्येक माह में दो चतुर्थी होती है। इस तरह 24 चतुर्थी और प्रत्येक तीन वर्ष बाद अधिमास की मिलाकर 26 चतुर्थी होती है। सभी चतुर्थी की महिमा और महत्व अलग-अलग है। आओ जानते हैं चतुर्थी का व्रत करने के 5 लाभ।

विनायक चतुर्थी

चतुर्थी (चौथ) के देवता हैं शिवपुत्र गणेश। इस तिथि में भगवान गणेश का पूजन से सभी विघ्नों का नाश हो जाता है। भाद्र माह की चतुर्थी को गणेशजी का जन्म हुआ था, जिसे विनायक चतुर्थी कहते हैं। कई स्थानों पर विनायक चतुर्थी को 'वरद विनायक चतुर्थी' और 'गणेश चतुर्थी' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान गणेश की आराधना सुख-सौभाग्य की दृष्टि से श्रेष्ठ है।

संकष्टी चतुर्थी

माघ मास के कृष्ण पक्ष को आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी, माघी चतुर्थी या तिल चौथ कहा जाता है। बारह माह के अनुक्रम में यह सबसे बड़ी चतुर्थी मानी गई है। चतुर्थी के व्रतों के पालन से संकट से मुक्ति मिलती है और आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

चतुर्थी का रहस्य

यह खला तिथि हैं। तिथि 'रिक्ता संज्ञक' कहलाती है। अत: इसमें शुभ कार्य वर्जित रहते हैं। यदि चतुर्थी गुरुवार को हो तो मृत्युदा होती है और शनिवार की चतुर्थी सिद्धिदा होती है और चतुर्थी के 'रिक्ता' होने का दोष उस विशेष स्थिति में लगभग समाप्त हो जाता है। चतुर्थी तिथि की दिशा नैऋत्य है। अमावस्या के बाद आने वाली शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहते हैं और पूर्णिमा के बाद कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहते हैं।

गणेश जी को दूर्वा चढ़ाने के खास नियम हैं

बुधवार और चतुर्थी तिथि गणेशजी के दिन है। इस दिन इनकी विशेष पूजा करना चाहिए। पूजा करने के दौरान गणेशजी को विशेष वस्तुएं अर्पित की जाती है जो कि उनके पसंद की होती है। इन वस्तुओं को अर्पित करने से गणपतिजी प्रसन्न हो जाते हैं। इन्हीं वस्तुओं से एक है दूर्वा। आओ जानते हैं दूर्वाचढ़ाने के खास नियम और मंत्र।

दूर्वा चढ़ाने के खास नियम

- प्रात:काल उठकर गणेश जी की मूर्ति या तस्वीर के सामने बैठकर व्रत और पूजा का संकल्प लें।
- फिर ऊं गं गणपतयै नम: मंत्र बोलते हुए जितनी पूजा सामग्री उपलब्ध हो उनसे भगवान श्रीगणेश की पूजा करें।
- गणेशजी की मूर्ति पर सिंदूर लगाएं। फिर उन्हें 21 गुड़ की ढेली के साथ 21 दूर्वा चढ़ाएं। मतलब 21 बार 21 दूर्वा की गाठें अर्पित करना चाहिए। इसके अलावा गणेशजी को मोदक और मोदीचूर के 21 लड्डू भी अर्पित करें। इसके बाद आरती करें और फिर प्रसाद बांट दें।
- दूर्वा अर्पित करने का मंत्र : 'श्री गणेशाय नम: दूर्वांकुरान समर्पयामि।' : इस मंत्र के साथ श्रीगणेशजी को दूर्वा चढ़ाने से जीवन की सभी विघ्न समाप्त हो जाते हैं और श्रीगणेशजी प्रसन्न होकर सुख एवं समृद्धि प्रदान करते हैं।
- क्या होगा दूर्वा अर्पित करने से : इस दिन गणेशजी को दूर्वा चढ़ाकर विशेष पूजा की जाती है। ऐसा करने से परिवार में समृद्धि बढ़ती है और मनोकामना भी पूरी होती है। इस व्रत का जिक्र स्कंद, शिव और गणेश पुराण में किया गया है।